दैनिक **नवप्रदेश**
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — छत्तीसगढ़ में निवेश बढ़ाने मांगा सहयोग...
4 अभिव्यक्ति — जी7 का विस्तार या अमेरिकी जाल...
9 मनोरंजन/खेल — साउथ की फिल्मों में तहलका मचा चुकी है जैस्मिन...
11 व्यापार — तनाव के बीच तेजी जारी, दूसरे सप्ताह...

www.navpradesh.com
रायपुर, सोमवार 29 जून 2020, आषाण शुक्ल पक्ष-नवमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-139 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पाकिस्तान को आतंकिस्तान ऐसे ही नहीं कहा जाता। वहां सरकार चाहे किसी की हो, पीएम कोई भी हो लेकिन तूती तो आतंकवादियों की ही बोलती है। वहां की सेना के हाथ में सरकार की नकेल होती है। आतंकवादी सेना के यार होते है। दोनों के बीच पाजामे और नाड़े वाला संबंध रहता है। ऐसे में पाकिस्तानी पीएम इमरान खान ने कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को शहीद का दर्जा दे दिया है तो इसमें हैरत वाली कोई बात नहीं है। हाफिज सईद और अजहर मसूद भी जब बहत्तर हुरों के पास पहुंचाएगें तो वे भी जरूर शहीद कहलाएंगे।

एलएसी पर चल रही तनातनी के बीच चीन को टेक्नोलॉजी से मात देने भिलाई के सुमित घोष का ऐप आ रहा काम

चीन के टिकटॉक को टक्कर दे रहा छत्तीसगढ़िया का बनाया 'चिंगारी'

भिलाई। चाइनीस वीडियो शेयरिंग ऐप टिक-टॉक को मात देने के लिए प्रदेश के भिलाई निवासी आईटी एक्सपर्ट सुमित घोष का बनाया 'चिंगारी' नाम का ऐप बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। चीन के विरोध के बीच अब इस ऐप के प्रति लोगों को रुझान बढ़ रहा है। नवप्रदेश से खास बातचीत में सुमित ने बताया कि रविवार की सुबह तक 25 लाख लोगों ने इस ऐप को अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड भी कर लिया है। उन्होंने बताया कि लोग अब टिक टॉक को डिलीट कर 'चिंगारी' को डाउनलोड कर रहे हैं। सुमित ने दुर्ग के भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी कॉलेज से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की ही है। सुमित की इस उपलब्धि पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अरुण अरोरा ने उन्हें बधाई दी है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- **सुमित ने नवप्रदेश को बताया- 25 लाख लोग कर चुके डाउनलोड**
- **टिक टॉक हो रहा डिलीट, 18 दिन में 24 लाख नए यूजर बने**

हर दिन 5-6 लाख डाउनलोड

सुमित ने नवप्रदेश को बताया कि उन्होंने भारत-चीन के बढ़ते तनाव के चलते 10 जून को सोशल मीडिया पर टिक टॉक को डिलिट कर चिंगारी डाउनलोड करने की अपील की थी। उनकी इस अपील को उनके दोस्तों ने खूब शेयर किया और अब आलम ये है कि महज 18 दिन के अंदर ही 24 लाख नए यूजर्स से चिंगारी को डाउनलोड करना शुरू कर दिया। बकौल सुमित हर दिन करीब 5-6 लाख भारतीय राष्ट्र के प्रति अपनी भावना के अनुरूप इस ऐप को खुद होकर डाउनलोड कर रहे हैं। इसके लिए किसी को कोई पैसा नहीं दिया जा रहा है।

बनाने में लगा 2 साल

सुमित ने बताया कि 'चिंगारी' ऐप बनाने में उन्हें करीब 2 साल का समय लगा। इस ऐप को भारतीय यूजर्स की मांग व जरूरतों को दृष्टिगत रखते हुए बनाया गया है। अब चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के उठते स्वरों के बीच चिंगारी ऐप को डाउनलोड करने वालों की संख्या दिनबदिन बढ़ रही है। यह ऐप जिस टीम के साथ मिलकर बनाया है, उसमें ओडिशा व कर्नाटक के आईटी एक्सपर्ट भी शामिल हैं।

अच्छी पहल

शहादत पर जवानों के परिजनों को अब मिलेंगे 20 लाख रु.

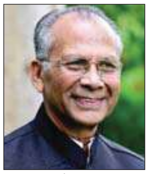

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने युद्ध अथवा सैन्य कार्यवाही में छत्तीसगढ़ के शहीद सेना अधिकारियों और सैनिकों की विधवा, आश्रितों, परिजनों को 10 लाख के स्थान पर 20 लाख रुपये एक्सग्रेसिया राशि (अनुग्रह अनुदान) स्वीकृत किये जाने हेतु पहल की है। इसके लिए उन्होंने प्रस्ताव तैयार अग्रिम कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप वित्त विभाग को भेजा दिया गया है। राज्य सरकार प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था में लगे देश के जवानों के हित में लगातार कदम उठा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन में गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू के विशेष पहल पर 18 मार्च 2020 को आदेश जारी कर नक्सली जिले में शहीद जवानों (राज्य पुलिस बल, केन्द्रीय सैनिक बल) के परिजनों को दी जाने वाली एक्सग्रेसिया राशि (अनुग्रह अनुदान) 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है।

सीएम भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी से किया सवाल

चीनी दान के कारण समझौता कैसे कर पाएंगे देश की रक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। चीन को लेकर भाजपा द्वारा पिछले कुछ दिन से कांग्रेस पर लगाए जा रहे आरोपों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने करारा पलटवार किया है। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ चल रही भारत की तनातनी के बीच बघेल ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आड़े हाथों लेते हुए उनसे तीखे सवाल किए और आरोप भी लगाए। पीएम केयर्स फंड का भी जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस फंड में चीनी कंनियों से दान मिला है। बघेल ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री चीनी कंपनियों का दान स्वीकार करेंगे और अपनी स्थिति से समझौता करेंगे तो वे देश की रक्षा कर पाएंगे। बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के प्रति विशेष नरम रुख रखते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- **कहा-पीएम केयर्स फंड में चीनी कंपनियों ने दिया है दान**
- **चीन के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का रुख रहा है नरम**

रिपोर्ट के हवाले से गिनाए चीनी कंपनियों के नाम

मुख्यमंत्री ने कहा-रिपोर्ट बताती है कि 20 मई, 2020 तक पीएम केयर्स फंड में 9 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि प्राप्त हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि चीनी सीमा के भारतीय सीमा में घसपैठ के बावजूद भी चीनी कंपनियों के फंड से पैसा प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए कि 2013 से स्पेस शत्रुता के बावजूद उन्होंने चीनी कंपनियों से धन क्यों प्राप्त किया। बघेल ने कहा- प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि चीन की हुवेई कंपनी ने विवादित फंड (पीएम केयर्स) में सात हजार करोड़ रुपए उपलब्ध कराए हैं और क्या इसका सीधा संबंधी चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से है। प्रधानमंत्री को बताना ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीएम केयर्स फंड को बताया विवादित

मुख्यमंत्री ने पीएम केयर्स फंड को विवादि फंड बताया। कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि पीएम मोदी को उनके पीएम केयर्स फंड में चीनी कंपनियों से व्यक्तिगत रूप से दान प्राप्त हुए हैं। किसी को नहीं पता कि पीएम केयर्स फंड को कैसे संचालित किया जाता है। सीएजी सहित किसी भी सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा इसका ऑडिट नहीं किया जाता। पीएम केयर्स फंड आरटीआई के दायरे में भी नहीं है। यह फंड पूरी तरीके से अपारदर्शी तरीके से संचालित होता है।

'सवाल पूछते रहेगी कांग्रेस'

सीएम भूपेश ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस हमेशा से सवाल उठाती रही है और हमेशा सवाल पूछती रहेगी। लेकिन जब भी राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी सवाल पूछती है तो भाजपा असल मुद्दों को भटकाने लगती है। उन्हें इस बात का जवाब देना चाहिये कि आखिर चीन को लेकर प्रधानमंत्री का नरम रूख क्यों है।

इधर, मन की बात में पीएम मोदी की चीन को दो टूक

दोस्ती निभाने के साथ ही उचित जवाब भी देना जानता है भारत

नई दिल्ली/नवप्रदेश। लद्दाख में तनावपूर्ण स्थिति के बीच चीन का नाम लिये बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि? भारत अगर मित्रता निभाना जानता है तो वह आंख में आंख डालकर उचित जवाब देना भी जानता है। मोदी ने आकाशवाणी पर 'मन की बात' में कहा कि लद्दाख में भारत की भूमि पर, आंख उठाकर देखने वालों को, करारा जवाब मिला है। भारत, मित्रता निभाना जानता है, तो आंख-में-आंख डालकर देखना और उचित जवाब देना भी जानता है। हमारे वीर सैनिकों ने दिखा दिया है कि वो कभी भी माँ भारती के गौरव पर आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा लद्दाख में हमारे जो वीर जवान शहीद हुए हैं, उनके शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है, श्रद्धांजलि दे रहा है। पूरा देश उनका कृतज्ञ है, उनके सामने नत-मस्तक है। इन साथियों के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दुनिया ने महसूस किया भारत का विश्व बंधुत्व

भारत ने जिस तरह मुश्किल समय में दुनिया की मदद की, उसने आज, शांति और विकास में भारत की भूमिका को और मजबूत किया है। दुनिया ने इस दौरान भारत की विश्व बंधुत्व की भावना को भी महसूस किया है और इसके साथ ही, दुनिया ने अपनी संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा करने के लिए भारत की ताकत और भारत की भी देखा है।

शहीदों के परिजनों का त्याग पूजनीय

मोदी ने लद्दाख में शहीद हुए जवानों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों के परिजनों का त्याग पूजनीय है। भारत माता की रक्षा के जिस संकल्प से हमारे जवानों ने बलिदान दिया है, उसी संकल्प को हमें भी जीवन का ध्येय बनाना है, हर देश-वासी को बनाना है। हमारा हर प्रयास इसी दिशा में होना चाहिए जिससे सीमाओं की रक्षा के लिए देश की ताकत बढ़े, देश और अधिक सक्षम बने, देश आत्मनिर्भर बने - यही हमारे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

भारत के संस्कार देते हैं नि:स्वार्थ सेवा की प्रेरणा

मोदी ने कहा कि अपने वीर-सपूतों के बलिदान पर, उनके परिजनों में गर्व की जो भावना है, देश के लिए जो जज्बा है - यही तो देश की ताकत है। जिनके बेटे शहीद हुए, वो माता-पिता, अपने दूसरे बेटों को भी, घर के दूसरे बच्चों को भी, सेना में भेजने की बात कर रहे हैं। संकट चाहे जितना भी बड़ा हो, भारत के संस्कार, नि:स्वार्थ भाव से सेवा की प्रेरणा देते हैं।

कोरोना : मिले 84 नए मरीज, 118 डिस्चार्ज

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रविवार को कोरोना के कुल 84 नए मरीज मिले। इसमें दोपहर को पहली खेप के 40 व शाम को आई दूसरे लॉट के 40 नए मरीज शामिल हैं। रविवार को सर्वाधिक 25 मरीज राजनांदगांव से मिले हैं। वहीं रायगढ़ से 25, बिलासपुर से 9, कवर्धा से 8, दुर्ग से 7, गरियाबंद से 6, रायपुर से 5, बलौदाबाजार से 4, जांजगीर चांपा से 3 कांकेर से 2 तथा बलरामपुर, दंतेवाड़ा व नारायणपुर से 1-1 मरीज शामिल है। कोरोना के मामले में रविवार प्रदेश के लिए कुछ राहतभरा रहा। क्योंकि जितने नए मरीज मिले उससे ज्यादा 118 को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है।

राजनांदगांव के लिए भी अच्छी खबर

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित जिले राजनांदगांव के लिए भी अच्छी खबर यह रही कि यहां 25 मरीज मिले जबकि 63 को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया। इस तरह अब राजनांदगांव में एक्टिव पॉजिटिव केस की संख्या घटकर 103 हो गई है। हालांकि इस मामले में राजनांदगांव अब भी प्रदेश में शीर्ष पर बना हुआ है। वहीं प्रदेश में कोरोना के मुल एक्टिव पॉजिटिव केस की बात करें तो यह आंकड़ा भी शनिवार से कम होकर 119 हो गया है।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	5,48,817	16,485
अमेरिका	2,617,810	128,243
ब्राजील	1,319,274	57,149
ब्रिटेन	311,151	43,550
इटली	240,310	34,738
फ्रांस	162,936	29,778
स्पेन	295,549	28,341
मैक्सिको	212,802	26,381
ईरान	222,669	10,508
बेल्जियम	61,295	9,732

खतरे में ओली की कुर्सी निकल रहे हैं उल्टे बोल

नेपाली पीएम ने कहा- भारत रच रहा साजिश

काठमांडू/ए.। कुशासन, भ्रष्टाचार, कोरोना से निपटने में नाकामी और तानाशाही रवैये की वजह से जनता के साथ पार्टी का भी विश्वास खो चुके नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने हाथ से छूट रही सत्ता के लिए भारत पर भड़ास निकाली है। केपी शर्मा ओली ने कहा है कि उनकी कुर्सी छीनने के लिए नई दिल्ली और काठमांडू में साजिश रची जा रही है। उन्होंने इसके लिए नक्शा विवाद को वजह बताया है। हालांकि सच्चाई यह है कि चीन के बेहद करीबी ओली के लिए चीन से आया वायरस ही कुर्सी से गिराने वाला बड़ा कारण बन गया है। काठामांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में अल्पमत में आ चुके केपी ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पार्टी में भी हो रही आलोचना

अच्छा शासन देने में नाकाम रहे ओली की पार्टी बाहर ही नहीं भीतर भी खूब आलोचना होती है। उनकी सरकार शुरुआत से ही विवादों में रही है। जनता में अपने खिलाफबढ़ रहे आक्रोश और विपक्ष के हमलावर रुख को कुंद करने के लिए केपी ने नए नक्शे का मुद्दा उछाला। उन्होंने भारतीय क्षेत्रों कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नए नक्शे में शामिल कर लिया और इस मुद्दे पर सभी पार्टियों को साथ लाने में सफल रहे।

भूपेश सरकार की गोबर योजना का आरएसएस ने किया समर्थन

- **संघ के छग. प्रांत के संघचालक यादव ने किया गोधन योजना का स्वागत**

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। गोधन न्याय योजना के तहत गोबर को गोठान एवं गोपालक किसानों से सीधे उचित मूल्य पर खरीदने की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की योजना का आरएसएस के संघचालक ने स्वागत किया है। साथ ही कहा है कि इस योजना से निश्चित ही गो पालकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

गोग्राम स्वावलंबन अभियान मंच के प्रांत संरक्षक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के संघचालक बिसरा राम यादव एवं गो ग्राम स्वालंबन अभियान मंच के प्रांत संयोजक भुवनेश्वर साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का गोबर को खरीदने का निर्णय ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि पिछले साल 4 नवंबर 2019 को प्रदेश भर में गोग्राम स्वावलंबन अभियान चलाया गया था। इसके तहत गोपाष्टमी के दिन 4 नवंबर को सभी जिला मुख्यालय में मुख्यमंत्री के नाम अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया था। सुभाष स्टेडियम में 4 नवंबर को रायपुर महानगर संयोजक माधव लाल यादव के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर गोबर और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

सुविधा — राजधानी एक्सप्रेस में किया जा रहा है प्रयोग, कोरोना को हराने में मिलेगी मदद

अब एसी ट्रेन की बोगियों में ऑपरेशन थिएटर जैसी ताजी हवा

नई दिल्ली/वार्ता। रेलवे की वातानुकूलित ट्रेन की बोगियों में अब ऑपरेशन थिएटर जैसी ताजी हवा मिलेगी। इससे संक्रणमण के फैलने के खतरे को कम किया जा सकता है। इस नए तौर तरीकों से कोरोना को हराने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे द्वारा राजधानी मार्गों पर 12 मई से चलाई जा रही आने-जाने वाली 15 एसी ट्रेन में यह प्रयोग शुरू किया गया है। यह कोविड-19 के बाद के हालात में ट्रेन के संचालन की रेलवे की तैयारियों का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय रेलवे की वातानुकूलित बोगियों में लगे रूफ माउंटेड एसी पैकेज (आरएमपीयू) प्रतिघंटे 16-18 बार से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पहले ये थी व्यवस्था

पहले इन वातानुकूलित ट्रेनों में प्रतिघंटे छह से आठ बार हवा बदलती थी और डिब्बे में छोड़ी जाने वाली 80 प्रतिशत हवा पुनः परिचालित हवा होती थी, जबकि 20 प्रतिशत ही ताजी हवा होती थी। हवा में बदलाव की संख्या बढ़ने के साथ हालांकि ऊर्जा की खपत में भी 10 से 15 प्रतिशत का इजाफा होगा।

ऊर्जा की अतिरिक्त खपत होगी

एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह कीमत अदा करनी होगी। यह नया तौर तरीका है। एसी जिस तरीके से काम करता है उसमें वह पुनः परिचालित यानी सर्कुलेटेड हवा का इस्तेमाल करता है ताकि बोगी जल्दी ठंडी हो। जब हम ताजी हवा का इस्तेमाल करेंगे तो ठंडा होने में थोड़ा ज्यादा वक्त लगेगा इसलिए ऊर्जा की अतिरिक्त खपत होगी। रेलवे ने सेंट्रलाइज्ड एसी का तापमान भी सामान्य 23 डिग्री सेल्सियस से बढ़कार 25 डिग्री सेल्सियस कर दिया है क्योंकि अब यात्रियों को चादरें उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी।

किसानों को मिला 2721 करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण

- **खरीफ सत्र के लिए 4 हजार 600 करोड़ ऋण वितरण का लक्ष्य**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में खेती किसानी को बढ़ावा देने और किसानों को समय पर खाद, बीज सहित अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से ब्याज मुक्त कृषि ऋण मुहैया कराया जा रहा है। इस वर्ष खरीफ में राज्य के किसानों को 4 हजार 600 करोड़ रूपए का ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध चालू खरीफ फसल के लिए अब तक 7.65 लाख किसानों को 2 हजार 721 करोड़ रूपए का ब्याज मुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण सहकारी समितियों के माध्यम से वितरित किया गया है। जबकि गतवर्ष एक हजार 538 करोड़ रूपए का कृषि ऋण वितरित किया गया था। किसानों को इस खरीफ में अब तक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गलवान ही नहीं, देश को इन 5 मोर्चों पर जीतनी होगी जंग

नई दिल्ली (ए.)। आज के दौर में चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकनॉमी है और वह खुद को एक सुपरपावर मानता है। लेकिन अगर 40 साल पीछे जाएं तो पता चलता है कि चीन की स्थिति भारत के बिल्कुल समान थी। भले ही बात आमदनी की हो, आयु सीमा की हो या फिर रेलवे की हो। 1980 में हुए रिफॉर्म की बदौलत आज चीन की स्थिति काफी बेहतर हो गई है। लेकिन अभी भी बहुत देर नहीं हुई है, हम काफी बेहतर कर सकते हैं। अगर कुछ सालों तक लगातार कोशिश की जाए तो हम ये 5 लड़ाइयां जीत सकते हैं। भारत के सामने सिर्फ गलवान घाटी में चीन से जंग नहीं जीतनी है, बल्कि 5 और मोर्चों पर भारत को खरा उतरना होगा।

प्रति व्यक्ति आय फिर से करनी होगी बेहतर

1980 में चीन की 191 अरब डॉलर की इकनॉमी भारत की 186 अरब डॉलर की इकनॉमी से बस थोड़ी ही आगे थी। हालांकि, चीन की इकनॉमी काफी बड़ी थी, इसलिए भारतीय 40 फीसदी अमीर थे। यहां पर प्रति व्यक्ति 267 डॉलर की आमदनी थी, जबकि चीन में 195 डॉलर प्रति व्यक्ति आमदनी थी। चीन में इकनॉमिक रिफॉर्म के बाद सब कुछ बदल गया। 2018 तक इसकी प्रति व्यक्ति आय 50 फीसदी तक बढ़कर 9771 डॉलर तक पहुंच गई। वहीं भारत में लोगों की प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 2000 रुपये हुई है। बात अगर जीडीपी की करें तो चीन की जीडीपी 13.6 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, जबकि भारत की जीडीपी सिर्फ 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक ही पहुंची है। 1987 में चीन की 66 फीसदी आबादी गरीब थी, जो रोजाना 1.90 डॉलर कमाती थी, जबकि भारत की सिर्फ 49 फीसदी आबादी गरीब थी। अब चीन में सिर्फ 0.5 फीसदी लोग गरीब हैं, जबकि भारत में अभी भी 20 फीसदी से अधिक लोग गरीब हैं।

शिक्षा दें और शहरीकरण करें

हम शहरीकरण में पिछड़ गए हैं। अभी 60 फीसदी से अधिक चीनी लोग शहरों में रहते हैं, जबकि भारत में सिर्फ 35 फीसदी लोग ही शहरों में रहते हैं। जब दोनों देश आजाद हुए थे, तब सिर्फ 12 फीसदी चीनी ही शहरों में रहते थे, जबकि 17 फीसदी भारतीय शहरों में रहा करते थे। उस वक्त भारत में अधिक इंडस्ट्रियल सेंटर थे। इतना ही नहीं, 80 के दशक में चीन में शिक्षा की दर भारत से अच्छी थी। वहां के दो तिहाई लोग शिक्षित थे, जबकि भारत की सिर्फ 2/5 आबादी ही शिक्षित थी। अब भारत में शिक्षा की दर 74 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि चीन में शिक्षा की दर 97 फीसदी हो गई है।

बेहतर रेल और हवाई नेटवर्क

1974 में चीन में सिर्फ 7 लाख यात्री ही हवाई यात्रा करते थे, जबकि भारत में करीब 30 लाख लोगों की हवाई यात्रा का इंतजाम था। अभी भारत की तुलना में चीन के करीब 4 गुने लोग हवाई यात्रा करते हैं। 2018 में भारत के लिए ये आंकड़ा 16.4 करोड़ था, जबकि चीन के लिए यही आंकड़ा 61.14 करोड़ था। 1980 में भार का रेल नेटवर्क 61,240 किलोमीटर का था, जबकि चीन का सिर्फ 51,700 किलोमीटर ही था। 2017-18 तक भारत का रेल नेटवर्क बढ़कर 68,442 किलोमीटर हो गया है, जबकि चीन का नेटवर्क दोगुने से भी अधिक 1.27 लाख किलोमीटर हो चुका है।

स्वस्थ बच्चे, लंबी उम्र

1969 में भारत में बच्चे के मरने की दर काफी अधिक थी। हर 1000 में से 145 बच्चे मर जाते थे। उस समय चीन में ये दर 84 थी। अब भारत में ये दर घटकर 30 पर आ गई है, जबकि चीन में ये दर महज 7 रह गई है। बता दें कि ये दर विकसित अर्थव्यवस्था की होती है, जैसे अमेरिका में ये दर 2018 में सिर्फ 5.6 फीसदी थी। चीन में लोगों की औसत उम्र 77.6 साल है, जबकि भारत में उम्र 69.2 साल है। मतलब कि हर चीनी व्यक्ति औसतन एक भारतीय की तुलना में करीब 7 दिन अधिक जीता है। 50 और 60 के दशक में ये अंतर और भी कम था।

इंडस्ट्रियल पावर

आजादी के वक्त भारत में चीन से अधिक इंडस्ट्रियल सेंटर थे, लेकिन आज चीन दुनिया की फैक्ट्री बन चुका है। दोनों देशों में कारों का प्रोडक्शन एक अंदाजा लागने में मदद कर रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ मोटर व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स का आंकड़ा दिखाता है कि हम 1999 में लगभग बराबरी पर थे, जब भारत ने 5.3 लाख कराकें बनाईं, जबकि चीन ने लगभग 5.7 लाख कारें बनाईं। लेकिन पिछले साल भारत ने सिर्फ 36.2 लाख कारें बनाईं, जबकि चीन ने 2.1 करोड़ कारें बना डालीं।

कोरोना संक्रमणमुक्ति दर बढ़कर करीब 59 % हुई

नई दिल्ली (वार्ता)। देश भर में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच अच्छी खबर यह है कि इससे रोगमुक्त होने वाले व्यक्तियों की दर भी तेजी से बढ़ते हुए करीब 59 फीसदी हो गयी है। केंद्रीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान (आईसीएमआर) द्वारा रविवार दोपहर जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण मुक्त होने वाले व्यक्तियों की दर बढ़कर 58.55 प्रतिशत हो गयी है। देश भर में कोरोना संक्रमण के 5,29,893 मामले सामने आये, जिनमें से 2,03,486 मामले सक्रिय हैं। इस बीमारी से पूरी तरह निजात पाने वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 3,10,239 हो गयी है। कुल 16,112 व्यक्ति इस संक्रमण से अपनी जान गंवा चुके हैं।

एलएनजेपी के डॉक्टर की कोरोना से मौत

वैश्विक महामारी कोविड -19 के संक्रमण से अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों की जिंदगी बचाने में जुटे लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के एक डाक्टर की कोरोना संक्रमण से रविवार को मृत्यु हो गई। अस्पताल सूत्रों ने आज बताया कि मृतक डाक्टर कोविड-19 प्रबंधन के आईसीयू वार्ड में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के रुप में तैनात थे। कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर डाक्टर को नौ जून को दक्षिणी दिल्ली के साकेत मैक्स अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था जहां आज सुबह उनकी मौत हो गई।

देश में कोरोना संक्रमण के 45.26 फीसदी मामले महाराष्ट्र- दिल्ली में

वैश्वि महामारी कोरोना कोरोना वायरस की वजह से महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की स्थिति भयावह होती जा रही है तथा इन दोनों जगहों पर इससे अब तक 239321 लोग प्रभावित हो चुके हैं, जो देश में इस जानलेवा विषाणु की चपेट में आई कुल आबादी का 45.26 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में जहां कोविड-19 से 159133 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं दिल्ली में अब तक 80188 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 19906 नये मामले दर्ज किये गये हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 528859 हो गई है। देश में अब तक इस महामारी से कुल 1695 लोगों की मौत हुई है तथा 309713 लोग स्वस्थ हुए हैं। देश में इस समय कोरोना के 203051 सक्रिय मामले हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे स्थान पर है । दिल्ली में संक्रमण के कुल मामले 80188 हो चुके हैं और 2568 की मौत हो चुकी है। राजधानी में 2948 नए मामले सामने आए और 66 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 2210 लोग इस महामारी से उबरने में कामयाब रहे। दिल्ली में अब तक कुल 49301 लोग इस महामारी से उबर चुके हैं जबकि 2558 लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी में कोरोना के प्रकोप को रोकने के लिए केंद्र भी सक्रिय हो चुका है।

एक दिन में हुई 2.31 लाख से अधिक नमूनों की जांच

***नई दिल्ली (वार्ता)।** देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 2,31,095 नमूनों की जांच की गयी जिससे अब तक जांच किये गये नमूनों की कुल संख्या बढ़कर 82,27,802 हो गयी है। आईसीएमआर द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान देश में कोविड-19 की जांच करने वाली लैब की संख्या बढ़कर 1,036 हो गयी है। इन सभी लैब में पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 2,31,095 नमूनों की जांच की, जिससे अब तक जांच किये गये कुल नमूनों की संख्या बढ़कर 82,27,802 हो गयी है। पिछले पांच दिन से प्रतिदिन दो लाख से अधिक नमूनों की जांच की जा रही है।*

देश में कुल 1,036 कोरोना टेस्ट लैब

नई दिल्ली,(वार्ता)। देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच करने वाली लैब की संख्या बढ़कर 1,036 हो गयी है। भारतीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान (आईसीएमआर) द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण की जांच करने वाली सूची में 10 लैब और जुड़ गये हैं। इनमें सरकारी लैब की संख्या 749 तथा निजी लैब की 287 है। इस समय वास्तविक समय आरटी पीसीआर आधारित परीक्षण लैब 567 (सरकारीः 362 , निजीः 205) है जबकि ट्रूनेट आधारित परीक्षण लैब की संख्या 382 (सरकारीः 355, निजीः 27) और सीबीएनएएटी आधारित परीक्षण लैब 87 (सरकारीः 32, निजीः 55) हैं। इन 1,036 लैब ने 27 जून को कुल 2,31,095 नमूनों की जांच की । इस तरह अब तक कुल 82,27,802 नमूनों की जांच की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी तक केवल पुणे की एक लैब में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की सुविधा थी। इसके दो माह बाद 23 मार्च तक ऐसे लैब की संख्या बढ़कर 160 हुई और अब देश भर की 1,036 लैब में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की सुविधा उपलब्ध है।

अंडमान और निकोबार में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.1 तीव्रता

- भारी बारिश, आसमामी बिजली...और अब अलग-अलग इलाकों में भूकंप के झटके
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दिगलीपुर के पास भूकंप के कंपन महसूस किए गए

दिगलीपुर (ए.)। कोरोना संकट के बीच देश के अलग-अलग इलाकों में कुदरती आपदा नहीं थम रहे हैं। भारी बारिश, आसमामी बिजली के बीच पिछले कुछ दिनों से लगातार अलग-अलग इलाकों में भूकंप के झटके लग रहे हैं। अब रविवार सुबह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दिगलीपुर के पास भूकंप के कंपन महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई। इस भूकंप से फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इससे पहले कश्मीर के अलावा मिजोरम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। मिजोरम में लगातार तीन दिनों तक भूकंप ने दस्तक दी थी। पूर्वी मिजोरम के चंफई इलाके में और म्यांमार से लगे अन्य पूर्वोत्तर के राज्यों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

दिल्ली में दो महीने में लगे भूकंप के 14 झटके

दूसरी तरफदेश की राजधानी दिल्ली में पिछले दो महीने से लगातार भूकंप के हल्के झटके लग रहे हैं। इससे लोगों में पैनिक फैल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटकों की शुरुआत 12 अप्रैल (3.5 तीव्रता) से हुई। तब से अबतक अलग-अलग दिन 14 बार झटके लग चुके हैं। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इन्हें हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। ये किसी बड़े भूकंप का संकेत हो सकते हैं।

दिल्ली को दहलाने की थी साजिश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट (केएलएफ) के लिए काम करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग दिल्ली में आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। साथ ही उनकी कुछ नेताओं की भी हत्या करने की योजना थी। डीसीपी (स्पेशल सेल) संजीव यादव की टीम ने मोहिंदर पाल सिंह (29), गुरतेज सिंह (41) और लवप्रीत (21) को धर दबोचा। टेक्निकल इंटेलीजेंस से शहर में इनकी गतिविधि का पता चला था। पुलिस को पहली कामयाबी 15 जून को उस समय मिली जब उसने मोहिंदर को पश्चिम दिल्ली से एक पिस्टल और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने बाकी दो को भी धर दबोचा। यादव ने कहा, 'हमें पता चला कि ये लोग आईएसआई के हैंडलर गोपाल सिंह चावला के संपर्क में थे। उनके निशाने पर मुख्य तौर पर राम रहीम के एक अनुयायी और अमृतसर में शिव सेना के एक नेता थे।' गुरतेज को नारायण सिंह चौरा ने 2019 में केएलएफसे जोड़ा था। इसके बाद उसने युवाओं को लालच देकर खालिस्तानी आंदोलन से जोड़ना शुरू किया। उसने लवप्रीत तथा पांच अन्य युवाओं को इससे जोड़ा। वह आईएसआई के लिए काम करने वाले अब्दुल्ला और अमेरिका में खालिस्तानी नेता अवतार सिंह पन्नू के भी संपर्क में था। यादव ने कहा कि गुरतेज ने एक स्थानीय सूत्र से एक पिस्टल का जुगाड़ किया और फिर दो कारोबारियों से 10 लाख रुपये की उगाही की योजना बनाई। वह इन पैसों से और हथियार खरीदना चाहता था ताकि अपनी साजिश को आगे बढ़ा सके। आरोप है कि गुरतेज ने युवाओं को पाकिस्तान में ट्रेनिंग दिलाने के लिए अब्दुल्ला को मना लिया था।

बिहार एनडीए में खटपट? अकेले चुनाव लड़ने के लिए रहें तैयारः चिराग

पटना (ए.)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान का दौर शुरू हो चुका है। चाहे सत्तापक्ष हो या फिर विपक्षी पार्टियां, सभी अपनी-अपनी रणनीतिक तैयारी में जुट गए हैं। इस बीच ऐसी अटकलें लग रही एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। ऐसा इसलिए क्योंकि बीजेपी-जेडीयू के साथ एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया और जमुई से सांसद चिराग पासवानने बड़ा बयान दिया है।

'किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहे पार्टी'

लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों से बात की। इस दौरान उन्होंने सभी को आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने के लिए कहा। साथ ही ये भी कहा कि पार्टी नेताओं को किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। एलजेपी नए बिहार के शिल्पकार की भूमिका में रहेगी। सच्चा लोजपाई वही होगा जो बेहतर बिहार बनाने के लिए काम करेगा। उन्होंने आने वाले दिनों में बेहतर बिहार और बिहार-फर्स्ट बनाने के एलजेपी कार्यकर्ताओं के शपथ को भी याद दिलाया।

अकेले चुनाव मैदान में उतरने के दिए संकेत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिराग पासवान ने इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को ये संकेत दिया कि जरूरत हुई तो पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतर सकती है। ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को किसी भी परिस्थिति को लेकर तैयार रहना चाहिए। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि जल्द ही विधान सभा स्तर पर डिजिटल रैली और प्रदेश स्तर पर वर्चुअल रैली का भी आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद प्रिंस राज, प्रधान महासचिव शाहनवाज कैफी, सांसद चंदन सिंह समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए।

बिहार चुनाव से पहले क्या एनडीए में सब ठीक नहीं?

चिराग पासवान ने जिस तरह से आगामी चुनाव को लेकर पार्टी नेताओं के सामने अपनी बात रखी है, उससे कई तरह की अटकलें लगने लगी हैं। ऐसा माना जा रहा कि बिहार एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सियासी जानकारों के मुताबिक, ऐसी संभावना है कि एलजेपी आगामी चुनाव में ज्यादा सीटें चाहती है, इसी को लेकर पार्टी दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, बिहार चुनाव में एनडीए की ओर से एलजेपी को कम सीटें दी जा सकती हैं, हालांकि पार्टी का दावा 42 सीटों का है। पार्टी इससे कम में राजी होने को तैयार नहीं है। वहीं एनडीए में बीजेपी और जेडीयू भी हैं, ऐसे में सीटों को लेकर तालमेल कैसे बनता है ये देखना दिलचस्प होगा।

अमेरिका को घेरने के लिए चीन की नापाक चाल, किरिबाती में मिलिट्री बेस बनाने की तैयारी

- द्वीपीय देश किरिबाती में शुरू की एम्बेसी, बना सकता है नेवल बेस
- प्रशांत महासागर में नेवल बेस बनाने से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की बढ़ेगी चिंता

पेइचिंग (ए.)। दुनियाभर में फैले कोरोना महामारी के बीच भी चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। जब सभी देश इस वैश्विक महामारी के रोकथाम में व्यस्त हैं इस दौरान मौका पाकर चीन ने प्रशांत महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण किरिबाती में अपनी एम्बेसी को शुरू कर दिया है। इस जगह पर अपनी एम्बेसी को शुरू करने के लिए चीन इतनी जल्दीबाजी में था कि उसने वायरस के संक्रमण को खत्म होने का इंतजार भी नहीं किया।

2006 से चीन यहां बेस बनाने की कर रहा कोशिश

प्रशांत महासागर में स्थित इस छोटे से देश में अपना पैर जमाने के लिए चीन 2006 से कोशिश कर रहा है। इसी साल तत्कालीन चीनी राष्ट्रपति वेन जियाबाओ ने इस द्वीपीय देश की यात्रा की थी। कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी चीन ने यहां डोनेशन डिप्लोमेसी के जरिए फायदा उठाने की कोशिश की है। वह बड़ी संख्या में मास्क, पीपीई किट, दवाईयां और सर्जिकल मास्क इस देश को सप्लाई कर रहा है।

किरिबाती में नेवल बेस बना सकता है चीन

आशंका जताई जा रही है कि जल्द ही चीनी सेना यहा अपना नेवल बेस बना सकती है। किरिबाती के राष्ट्रपति टेनेटी ममाउ ने हाल मे ही दूसरी बार चुनाव में जीत पाई है। राष्ट्रपति टेनेटी ममाउ घोषित रूप से चीन के समर्थक हैं। पेइचिंग यात्रा के दौरान राष्ट्रपति टेनेटी ममाउ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एम्बेसी को खोलने को लेकर सहमति बनी थी। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, 1.16 लाख की आबादी वाले इस देश को चीन ने अरबों डॉलर का कर्ज भी दिया है।

प्रशांत महासागर में दबदबा बढ़ा रहा चीन

कोरोना वायरस और साउथ चाइना सी को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव चरम पर हैं। वहीं, अमेरिका ने घोषणा की है कि वह चीन के किसी भी हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए एशिया में अपनी सेना की संख्या को बढ़ा रहा है। अगर चीन के साथ अमेरिका का तनाव बढ़ता है तो प्रशांत महासागर में स्थिति अमेरिका के सैनिक ठिकाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए अमेरिका को पहले ही ब्लॉक करने के लिए चीन प्रशांत महासागर में अपना दबदबा बढ़ा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया से गहरा सकता है विवाद

किरिबाती में अगर चीन ने अपना नेवल बेस बनाया तो ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रैगन के रिश्तों में खासी कड़वाहट देखने को मिल सकती है। बता दें कि किरिबाती अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया पर निर्भर है। हाल के दिनों में ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच विवाद काफी ज्यादा बढ़ गया है। चीन ने न केवल ऑस्ट्रेलिया से आयात किए जाने वाले कई सामानों पर पाबंदी लगाई है वहीं, उसके हैकरों ने ऑस्ट्रेलिया के कई वेबसाइट्स को अपना निशाना भी बनाया है। चीन ने अपने नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया की यात्रा न करने के लिए एडवाइजरी भी जारी की है।

■ न्यूज गैलरी

सार्वजनिक स्थलों में व्यापार करने वालों के लिए जा रहे सैम्पल

रायपुर। सरकार के निर्देश पर नगर निगम के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम सार्वजनिक स्थलों में व्यापार करने वाले लोगों का सैम्पल ले रही है। इससे कोरोना संक्रमित मरीजों की अधिक से अधिक जानकारी एकत्रित हो सकेगी। चरणबद्ध तरीके से कोरोना संक्रमण से छत्तीसगढ़ को जल्द से जल्द मुक्ति मिलेगी। यह कहना है रायपुर पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय का। उन्होंने कहा है कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार ने ही यह अभियान चलाया है। इसमें ठेले-गुमटी वाले,सब्जी बेचने वाले और अन्य सार्वजनिक स्थल पर छोटे व्यापार करने वालो के मुंह व नाक से सैम्पल लेकर जांच की जा रही हैं जांच। विधायक प्रतिनिधि ने बताया कि रविवार को टाटीबंध के मंगल भवन और ईदगाह भाठा मैदान में लगने वाले बाज़ार में सैंपल लिए गए। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक विकास उपाध्याय भी पीपीई किट पहन कर स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मौजूद थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट अभनपुर थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रवेली निवासी सुरेश सोनकर 34 वर्ष पिता दुर्जन सोनकर ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि रवि यादव पिता अमरसिह यादव शादी समारोह में सम्मलित होने मोटरसाइकिल से ग्राम मटिया पाटन गया हुआ था वापस आते समय शनिवार की देर रात्रि 2 बजे से सुबह 6 बजे के बीच ग्राम परसदा रवेली रोड आमदी मोड के पास उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर जाने के चलते अंदरुनी गंभीर चोट लगा जिसके चलते उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई है।

बस्तर संभाग में बायोटेक किसान हब के लिए चार करोड़ मंजूर

रायपुर। भारत सरकार के कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल बस्तर संभाग के सात जिलों बस्तर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं कांकेर में ''बायोटेक किसान हब'' की स्थापना की जाएगी। बायोटेक किसान हब की स्थापना हेतु आगामी दो वर्षों के लिए चार करोड़ दस लाख रूपये लागत की परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के तहत प्रत्येक जिले के 5 गांवों से 10-10 प्रगतिशील किसानों का चयनित किया जायेगा। इस प्रकार इस परियोजना से कुल 350 किसान लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने चार्टर्ड एकाउंटेंट्स से किया सहयोग का आव्हान

छत्तीसगढ़ में निवेश बढ़ाने मांगा सहयोग

आईसीएआई की रायपुर शाखा को नया रायपुर में सीए की कोचिंग और इंस्टीट्यूट के कार्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा

भूपेश बघेल वेबिनार के जरिए देशभर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को किया सम्बोधित

छत्तीसगढ़ में नए उद्योगों की संभावनाओं और औद्योगिक नीति में रियायतों की दी जानकारी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया से जुड़े देशभर के सीए से ग्राम पंचायतों और नगरीय प्रशासन के काम काज में कसावट और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए सहयोग का आव्हान किया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में बहुत सी वनोपज हैं जिनकी पैदावार देश के अन्य हिस्सों में नहीं होती है। वर्तमान में इन वनोपजों के संग्रहण के बाद इनका प्रसंस्करण छतीसगढ़ के बाहर होता है। यदि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया इनके प्रसंकरण के लिए निवेश छत्तीसगढ़ में लाने की पहल करते हैं तो इससे प्रदेश के उत्पादकों और संग्राहकों को लाभ मिलेगा और इनका निर्यात अन्य हिस्सों में करने से वहां की आवश्यकता की पूर्ति भी होगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय से इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा 'रिसर्जेंट छत्तीसगढ़' विषय पर आयोजित वेबिनार में देशभर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सम्बोधित किया। उन्होंने सभी को आगामी एक जुलाई को सीए दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर आईसीएआई की रायपुर शाखा को नया रायपुर में छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए सीए की कोचिंग इंस्टीट्यूट और कार्यालय भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर वेबीनार की ई-स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आईसीएआई द्वारा छत्तीसगढ़ के एक हजार उद्यमियों को निर्यात के लिए तैयार करने में सहयोग के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसके लिए सहमति प्रदान की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ के हर गांव में गौठान और चारागाह विकसित किए जा रहे हैं। इनमें एक एकड भूमि महिला स्व सहायता समूहों की आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित की गई है। आईसीएआई उद्योगपतियों और महिला समूहों से टाईअप कर वहां अपनी आवश्यकतानुसार निर्धारित गुणवत्ता की सामग्रियां तैयार कराकर उन्हें अपने ब्रांड में बेच सकते हैं। इस काम के लिए महिला समूहों को लाभांश का हिस्सा देकर उन्हें आमदनी का जरिया उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं।

श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण है। यहां कुशल और अकुशल श्रमिक, भूमि, जल और विद्युत उपलब्ध है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कोलकता, सूरत और मुम्बई के बाद रायपुर में बड़ा जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क बनाया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, लघुवनोपज संग्रहण, मनरेगा सहित कोविड नियंत्रण तथा लॉकडाउन में कृषि और उद्योगो तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हमारा यह अनुभव रहा है कि किसान, वनवासियों की जेब में पैसा डालने से छत्तीसगढ़ वैश्विक मंदी से अछूता रहा है। इस साल भी हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को 5750 करोड़ रूपए की राशि दे रहे है। इसी प्रकार सर्वाधिक कीमत में तेन्दूपत्ता की खरीदी कर रहे है। इसके साथ ही राज्य में 31 लघुवनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला। छत्तीसगढ़ में 3 हजार ट्रेक्टर बिके, कंपनियां मांग के अनुसार ट्रेक्टर की आपूर्ति नही कर पा रहीं है। आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल गुप्ता ने कहा कि उनका संगठन राज्य सरकार को हर सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने नगरीय निकायों में नए रेवेन्यू जनरेट करने में सहयोग करने, पंचायतों के मेनेजमेंट, स्नातक के बाद छात्रों को सीए के मार्गदर्शन में तीन साल गहन प्रशिक्षण जैसे कार्य संचालित करने में राज्य सरकार के साथ सहयोग का प्रस्ताव दिया।

इस वेबीनार में देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स शामिल हुए। उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ और लघु वनोपज संघ के एमडी संजय शुक्ला, आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल गुप्ता और पब्लिक व गवर्नमेंट फाइनेंसियल मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल सहित अनेक पदाधिकारी इस कार्यक्रम में जुड़े। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की रायपुर शाखा के अध्यक्ष सीए किशोर बरड़िया और सचिव रवि ग्वालानी मुख्यमंत्री निवास में उपस्थित थे।

वेबिनार में छत्तीसगढ़ चेम्बर्स ऑफ कामर्स, कैट और उरला इंडस्ट्रिज एसोसिएशन के पदाधिकारी भी जुड़े।

वर्चुअल रैली समापन मौके पर भाजपा नेता हुए कांग्रेस पर हमलावर

छत्तीसगढ़ में अब अराजक शासन : शिवराज

■ गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

■ कमलनाथ को लेकर बोले- नाम लेने पर नहाना पड़ता है

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भाजपा की वर्चुअल रैली के समापन कार्यक्रम को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में इस प्रदेश स्तरीय वर्चुअल रैली में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी समेत पत्रकारों को भी आमंत्रित किया गया था। चौहान ने इस दौरान छत्तीसगढ़ सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में अराजक शासन चल रहा है। जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे, तब छत्तीसगढ़ का मतलब क्रेडिबल छत्तीसगढ़ हुआ करता था। लेकिन आज इसके मायने बदल गए हैं। आज इसका मतलब है, अराजक छत्तीसगढ़। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर टिप्पणी करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वह कलंकनाथ हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री वर्चुअल रैली के जरिए छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं से मुखातिब हुए। कोरोना संकट की वजह से भाजपा की ओर से देशभर में वर्चुअल रैली का आयोजन किया गया था। छत्तीसगढ़ में रैली के समापन समारोह में भोपाल से जुड़ते हुए शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का बखान किया, तो वहीं भूपेश सरकार पर हमला बोलने में चूके नहीं।

समय रहते प्रधानमंत्री मोदी ने देश को चेताया

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब दुनिया में महामारी फैली, तब समय रहते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को चेताया। मुख्यमंत्रियों को बुलाकर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग की। क्या छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को मोदी ने वीडियो कांफ्रेसिंग में नहीं बुलाया? बघेल कांफ्रेसिंग में कहते हैं कि लॉकडाउन बढ़ाओ, लाकडाउन हटाओ मत और इधर सवाल उठाते हैं कि देश में अचानक से लॉकडाउन कर दिया गया। यदि प्रधानमंत्री समय पर एक्शन नहीं लेते तो महामारी का खतरा बड़ा होता। मोदी की जागरुकता की वजह से देश बचा है। भाजपा प्रदेश की वर्चुअल रैली प्रदेश कुशा भाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी के दिग्गज नेताओ की उपस्थिति में हुई। नियत समय पर सभी नेताओ ने केंद्र की तारीफों के पुल बांधते हुए कांग्रेस, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से लेकर राज्य की भूपेश सरकार पर हमला करते दिखे।

हर मोर्चे पर विफल रही मोदी सरकार : कांग्रेस

■ पीसीसी चीफ ने कहा वर्चुअल रैली पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हुई

भाजपा की वर्चुअल रैली पर तंज कसते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। मोदी सरकार ने हर मोर्चे पर विफलता का कीर्तिमान रचा है। मजदूर, किसान, नौजवान, व्यापारी, मध्यम वर्ग सबमें भाजपा के प्रति नाराजगी है। अर्थव्यवस्था सम्हालने में विफल, कोरोना संक्रमण रोक पाने में विफल, किसानों की आय दुगुनी करने में विफल, 2 करोड़ रोजगार हर साल नौजवानों को देने में विफल, प्रवासी मजदूरों को उनके प्रदेश घर गांव तक पहुंचाने में विफल, सरहदों की रक्षा कर पाने में विफल रही है।

6 साल में 12 करोड़ लोगों को मिलना था रोजगार, उसमें भी केंद्र सरकार विफल

नरेन्द्र मोदी के वायदे के मुताबिक दो करोड़ रोजगार हर साल के अनुसार 6 साल में 12 करोड़ रोजगार मिलना था देश के युवाओं को ,लेकिन हुआ ठीक उल्टा। बेरोजगारी 45 साल में सर्वाधिक 27 प्रतिशत तक पहुंच गयी। नोटबंदी और जीएसटी के बाद देश की अर्थव्यवस्था लॉकडाउन के भी कुप्रबंधन के चलते बेहद खराब दौर से गुजर रही है। 20 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की। जिसमें पूरे देश में किसी भी गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, ठेले वाले, दुकानदार, उद्योग काम धंधे वाले किसी को भी समझ में ही नहीं आ रहा है कि उनको मिला क्या है? क्या नहीं मिल पाया है, यह सबको पता है। इसीलिए भाजपा की वरचुअल रैली को जनसमर्थन तो दूर की बात भाजपा कार्यकर्ताओं का भी समर्थन नहीं मिल सका। भाजपा ने दस लाख लोगों की भागीदारी का दावा किया था लेकिन दस-दस लोग जुटा पाने में भी विफल रही।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों के लिए बनी संजीवनी

■ योजना से प्राप्त राशि से किसान संवार रहे है अपने खेत-खलिहान

रायपुर। वर्तमान मे कोरोना वायरस संक्रमण काल के दुष्प्रभाव से समाज का हर वर्ग कठिन दौर से गुजर रहा है और इनमें मजदूर किसानो पर इसकी सबसे ज्यादा मार पड़ी है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई राजीव गांधी न्याय योजना कृषको के लिए संजीवनी साबित हो रही है। यह जानकारी आज राजधानी रायपुर में जारी एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राज्य में लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि किसान फसल उत्पादन के लिए आवश्यक आदान जैसे उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, यांत्रिकीकरण एवं नवीन कृषि तकनीकी में पर्याप्त निवेश नहीं कर पाते है ऊपर से कोरोना संक्रमण जैसी महामारी के चलते भी कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है। राज्य शासन ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि 21 मई से राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरूआत की है। योजना के तहत किसानों को पहली किश्त दी गई है। इससे किसानों को काफी राहत मिली है।

शासकीय प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कोण्डागांव जिले के ग्राम कमेला मे लगभग 60 से 70 कृषक राजीव गांधी किसान न्याय योजना से लाभान्वित हुए हैं। गांव के किसान कालिन्द्र लाल पाण्डे बताते है कि उन्हे योजना के तहत् 19 हजार रूपये की पहली किस्त प्राप्त हुई। जिसका उपयोग वे अपने 4 बच्चो की शिक्षा और आधी राशि का उपयोग कृषि कार्य में खर्च करेंगे, जिससे इस साल और ज्यादा फसल उत्पादन हो सके। एक अन्य कृषक फनिंद्र ने बताया कि उनके पास 3 एकड़ की भूमि है जिसमे वे धान, उड़द जैसी फसल लेते है, उन्होंने इस वर्ष 50 से 60 हजार क्विंटल का मक्का विक्रय किया है और योजना के अतंर्गत उनको 8 हजार रूपये की पहली किस्त भी प्राप्त हई है और सम्पूर्ण किस्त के रूप में उनको 72 हजार रूपये की राशि मिलेगी। वे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त करते हुए कहते है कि यह योजना हर किसान के लिए वरदान है। एक है।

प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी के अनुसार कृषक लक्ष्मण सिंह ने सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हे इस वर्ष 28 से 30 क्विंटल धान के लिए 70 हजार रूपये की राशि मिली थी।

चीन के प्रति अपने रुख से बेनकाब हुई कांग्रेस, देश को भरमाने की कोशिश नाकाम : संजय श्रीवास्तव

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। सांसद सरोज पांडेय के चीन दौरे की पुरानी तस्वीर पोस्ट करने के मामले में भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। संजय ने कहा कि सांसद सरोज पांडेय के चीन दौरे की एक छह साल पुरानी फोटो डालकर उसे हाल की ही तस्वीर बताकर कांग्रेस देश को भरमाने और एक बार फिर झूठ का रायता फैलाकर अपने उस राजनीतिक चरित्र पर पर्दा डालने की नाकाम कोशिश कर रही है। सांसद पांडेय के चीन दौरे को लेकर प्रश्न खड़ा करने का कांग्रेस के पास कोई नैतिक साहस ही नहीं है।

श्रीवास्तव ने कहा कि चीन के प्रति अपने रुख के बेनकाब होने से कांग्रेस खिसियानी बिल्ली की तरह खम्भा नोचने लगी है और उन सवालों के जवाब देने से बचना चाह रही है जो हालिया खुलासों से कांग्रेस के लिए गले की हड्डी बन गए हैं। कांग्रेस पहले भी कई मौकों पर ऐसी कई फोटो ट्वीट करके देश को भरमाने की शर्मनाक कोशिशें कर चुकी हैं जो बाद में जाँच के दौरान किसी और देश की तस्वीरें निकलीं। कांग्रेस के नेता उन तस्वीरों को भारत की बताकर केंद्र सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर चुके हैं लेकिन हर बार उन्हें ही मुँह की खानी पड़ी है।

संजय ने कहा कि सरोज पांडेय की फोटो ट्वीट करके कांग्रेस के नेता लाख कोशिशों के बावजूद कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को चीन से चंदा लेने और चीन के राजदूत व नेताओं से गुप्त मिलन के अपराध से मुक्त नहीं कर पाएंगे और उन्हें देश को बताना ही होगा कि राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए चीन से चंदा किन शर्तों पर लिया गया था और चीन से चंदा लेने की उसकी ऐसी क्या विवशता थी? कांग्रेस नेतृत्व को इस बात का जवाब भी देश को देना ही होगा कि प्रधानमंत्री सहायता कोष से भी इस फाउंडेशन को राशि किस आधार पर दी गई और इस गंभीर अपराध के लिए कौन जिम्मेदार है? सन 1991-92 के आम बजट में इस फाउंडेशन को 100 करोड़ देने की घोषणा तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने किसके कहने पर की थी?

चीनी कंपनियों को छत्तीसगढ़ लाने का सपना तो रमन सिंह जी ने देखा था : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि चीन से दोस्ती दिखाने की बारी आती है तो भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्रियों का कोई जवाब नहीं लेकिन वे आरोप दूसरों पर लगाते हैं। खुद रमन सिंह जी मुख्यमंत्री रहते हुए चीन की यात्रा पर गए और अपने 15 साल के कार्यकाल में सबसे अधिक एमओयू किसी देश से किया तो वह चीन है। चीन सबसे अधिक बार जाने वाले मुख्यमंत्री के रूप में भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम है।

प्रदेश कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि रमन सिंह अपने अंतिम कार्यकाल में भारी भरकम टीम के साथ चीन और हांगकांग गए और वहां से 11 एमओयू करके लौटे थे। बताया गया था कि 22,000 करोड़ से भी अधिक के एमओयू हुए हैं। लेकिन इनमें से एक भी धरातल पर नहीं उतरा. वे चीनी कंपनियों को छत्तीसगढ़ लाना चाहते थे और आज उनकी पार्टी चीन को लेकर इधर उधर की बात कर रही है। चीनी सामान के बहिष्कार की बात करने वाली भाजपा बतायें कि कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में करोड़ों की लागत में बने भाजपा कार्यालय में कितना चीनी सामान लगा हुआ है? फर्नीचर और इंटीरियर का सामान खरीदने के लिये भाजपा के तत्कालीन मंत्री राजेश मूणत, हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष सुभाष राव, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष छगन मुंदड़ा, भाजपा नेता मनोज कोठारी, भाजपा नेता सुनील बालावी ने एक साथ चीन दौरा किया था। शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि चीन को लाल लाल आंख दिखाने की बात करने वाले नरेंद्र मोदी भी मुख्यमंत्री रहते चार बार चीन गए और प्रधानमंत्री रहते पांच बार. यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।वे चीनी राष्ट्र प्रमुख को उनकी पत्नी के साथ झूला झुलाते रहे और चीन ने जब हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया, हमारे जवान मार दिए तो मोदी जी झूठ बोल रहे हैं।

भाजपा को चीन से सर्वाधिक प्यार है क्योंकि वे चाहते हैं कि चीन ने जिस तरह से लोकतंत्र को स्थगित रखा है उसी तरह भारत में भी एक पार्टी का शासन स्थापित हो और लोकतंत्र की बलि चढ़ा दी जाए।

पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन आज

राजधानी रायपुर के साथ पूरे जिला मुख्यालयों में देंगे धरना

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। सोमवार 29 जून को सभी जिला मुख्यालयों में 10 बजे से 12 बजे तक पेट्रोज-डीजल के दामों में वृद्धि के खिलाफ राजधानी रायपुर और सभी जिला मुख्यालयों में धरना होगा और धरने के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। स्पीक अप आन पेट्रोलियम प्राइजेस का कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लाक कमेटी, विधानसभा कमेटियों के द्वारा व्यापक रूप से चलाया जायेगा। सोशल मीडिया में पेट्रोज-डीजल की मूल्य वृद्धि से उबेर ओला ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर आम आदमी के विडियो पोस्ट किये जायेंगे। पेट्रोलियम पदार्थो की मूल्य वृद्धि की कारण बढ़ती मंहगाई से आम आदमी को हो रही तकलीफको इस कार्यक्रम में पुरजोर तरीके से उठाया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के सफल कार्यकाल का 29 जून को 1 साल पूरा होने जा रहा है।

केन्द्र की मोदी सरकार के खिलाफ देश में बढ़ती महंगाई एवं पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में हो रही अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में कोविड-19 के संदर्भ में जारी प्रशासनिक दिशा-निर्देश व सामाजिक दूरी के नियमों को कड़ाई से पालन करते हुये 29 जून 2020 को प्रातः 11 बजे राजीव गांधी चौक रायपुर में एक दिवसीय धरना, प्रदर्शन का आयोजन किया गया है।

धरना, प्रदर्शन के बाद उपस्थित कांग्रेसजन प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में हो रही बेतहाशा वृद्धि के विरोध स्वरूप राजीव गांधी चौक से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के निवास तक सायकल यात्रा करेंगे तथा भेंट स्वरूप सायकल प्रदान करेंगे। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश, जिला, शहर, नगर एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधी सांसद, विधायकों सहित समस्त कांग्रेसजन अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के लिये कहा गया है।

संपादकीय

चौतरफा संकट से निपटने एकजुटता जरूरी

कोरोना की वजह से वैसे तो सारी दुनिया संकट में घीर गई है और लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई है। लेकिन भारत में तो चौतरफा संकट के बादल मंडरा रहे हैं। चीनी वायरस कोरोना से संक्रमित मरीजों की संख्या देश में लगातार बढ़ रही है। अब तक पांच लाख से अधिक कोरोना संक्रमित हो चूके है। अब तो प्रतिदिन कोरोना संक्रमितों की संख्या 15 से 20 हजार तक बढ़ रही है। इसी के साथ मृतकों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। कोरोना की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। ऊपर से प्राकृतिक आपदाए भी हमारी परीक्षा लेने पर उतारू है। देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके लग रहे हैं। यह गनीमत है कि इससे कोई बड़ी जन और धन हानी नहीं हुई है। इस बीच समुद्री तूफान ने भी बंगाल और ओडिसा में भारी छति पहुंचाई थी। अब भारी बारिश और बिजली गिरने से बिहार व उत्तर प्रदेश में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। टिड्डी दलों ने भी देश के कई राज्यों में फसलों चौपट कर दिया है। पकिस्तान द्वारा लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया जा रहा है और कश्मीर में आतंक की आग को हवा देने की कोशिश की जा रही है। पड़ौसी देश नेपाल भी आंखे दिखाने लगा है। चीन के साथ तो तनाव इस कदर बढ़ गया है कि कभी भी भारत और चीन के बीच जंग की नौबत आ सकती है। जाहिर है देश इस समय संकटकाल से गुजर रहा है ऐसे में हमें एकजुटता दिखानी होगी तभी इस चौतरफा संकट का हम सामना कर पाएंगे। सरकार अपनी तरफ से इस संकट से निपटने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। लेकिन कुछ विपक्षी दल संकट की इस घड़ी में भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सरकार पर ही नहीं बल्कि सेना के सौर्य पर भी सवालिया निशान लगा रहे हैं। देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी जिसने सबसे ज्यादा समय तक देश में एकक्षत्र राज किया वह लगातार आरोप पर आरोप लगा रही है। जबकि कांग्रेस खुद सवालों के घेरे में आती जा रही है। अब तो स्थिति यह है कि खुद कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाने लगे है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिनिंद देवड़ा ने सही कहा है कि संकट के इस समय में सबको एकजुट रहने की जरूरत है। लेकिन इस समय भी राजनीतिक कर हम सारी दुनिया में मजाक का विषय बन गए है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार ने भी चीन और भारत के बीच चल रहे तनातनी को लेकर कांग्रेस की राजनीति पर कड़ी टिप्पणी करते हुए नसीहत दी है कि हम 1962 को नहीं भूल सकते। गौरतलब है कि 1962 में चीन ने हमें जंग में हराकर भारत की हजारों वर्गमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था। संकट के इस दौर में सत्तपक्ष और विपक्ष को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा तभी ये संकट के बादल हटेंगे।

विचार

भाजपा और कांग्रेस का आपसी दंगल

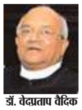

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह हमारे लोकतंत्र की मेहरबानी है कि इस संकट की घड़ी में चीन का मुकाबला करने की बजाय हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे के साथ दंगल में उलझे हुए हैं। टीवी चैनलों पर जैसी अखाड़ेबाजी हमारे राजनीतिक दलों के प्रवक्ता करते रहते हैं, वह उन टीवी चैनलों का स्तर तो गिराती ही है, हमारी जनता को भी गुमराह करती रहती है। जरा हम चीन की तरफ देखें। क्या गलवान घाटी की खूनी मुठभेड़ पर वहां नेताओं, टीवी चैनलों या अखबारों के बीच वैसा ही दंगल चलता है, जैसा हमारे यहां चल रहा है ? इसका मतलब यह नहीं कि सरकार के हर कदम का आंख मींचकर समर्थन किया जाए या उसकी भयंकर भूलों की अनदेखी कर दी जाए लेकिन आजकल कांग्रेस के नेता भाजपा के नेताओं, खासकर प्रधानमंत्री के लिए जिस तरह के शब्दों का प्रयोग करते हैं, वैसा करके वे अपना ही अपमान करवाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह ने मोदी को पत्र लिखकर उसमें सावधानी रखने का जो सुझाव दिया, वह ठीक ही था लेकिन सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिस तरह से चीन को जमीन सौंपने के आरोप मोदी पर लगा रहे हैं, वे सर्वथा अनुचित हैं। कोई कमजोर से कमजोर भारतीय प्रधानमंत्री जो हिमाकत नहीं कर सकता, उसे मोदी पर थोप कर कांग्रेसी नेता किसे खुश करना चाहते हैं ? गलवान की स्थानीय और तात्कालिक फौजी मुठभेड़ को भस्मासुरी रंग में रंगना और जनता को उकसाना आखिर हमें कहां ले जाएगा ? क्या कांग्रेसी नेता यह चाहते हैं कि भारत और चीन के बीच युद्ध हो जाए ? क्या ऐसा होना भारत के हित में होगा ? यदि ऐसा न भी हो तो क्या जनता को भड़काना ठीक होगा ? देश कोरोना से लड़ेगा या चीन से ? भारत और चीन का मामला अभी बातचीत से सुलझ रहा है तो उसे क्यों नहीं सुलझने दिया जाए ? यदि कांग्रेस भाजपा पर प्रहार करेगी तो भाजपाई भी गड़े मुर्दे उखाड़ने में संकोच क्यों करेंगे ? वे नेहरु सरकार को डॉ. लोहिया की भाषा में राष्ट्रीय शर्म की सरकार कहेंगे और इंदिरा गांधी की सारी उपलब्धियों को ताक पर रखकर उन्हें आपात्काल की 'काली' कहेंगे और गरीबी हटाओ वाली 'झांसे की रानी' कहेंगे। तात्कालिक मुद्दों पर घटिया बहस छेड़कर हम भारत की नई पीढ़ियों को गलत मार्ग पर ठेलने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा, दोनों के नेता आपस में मिलकर सार्थक संवाद क्यों नहीं करते? दोनों यदि इसी तरह सार्वजनिक दंगल करते रहे तो माना जाएगा कि वे कुल मिलाकर चीन के हाथ मजबूत कर रहे हैं।

जी7 का विस्तार या अमेरिकी जाल!

कुमार रमेश
अपराधशास्त्री, विदेशी मामलों के जानकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

> *जबकि नुकसानदेह इसलिए क्योंकि इसमें शामिल होने के बाद हमें उन मुद्दों पर भी अपनी राय रखनी पड़ेगी जिसपर अबतक भारत सामान्यतः तटस्थ रहते आया है। चाहे वह रूस का क्रीमिया हो, चीन का तिब्बत हो, हांगकांग या ताइवान, क्योंकि संयुक्त घोषणापत्र से जो भी निर्णय निकलकर आएगा, उसे ही भारत का स्टैंड भी माना जाएगा। दूसरे नजरिए से देखें तो भारत अभी चीन और रूस के साथ ब्रिक्स, एससीओ, जी20 के अलावा आरआईसी में सहभागिता करता है इसलिए इसमें जुड़ने के बाद तीनों महाशक्तियों को एकसाथ बैलेंस कर पाना भारत के लिए आसान नहीं होगा। सबसे बड़ा नुकसान यह होगा, कि इसमें कभी हमारे मामलों पर भी चर्चा की जा सकती है, फिर चाहे वह अल्पसंख्यकों के मुद्दे हों, कश्मीर या मानवाधिकारों के बारे में। अंत में अगर भारत को सिर्फराजनीति करनी है तो संयुक्त राष्ट्र का मंच ही सबसे अच्छा है और आर्थिक नजरिए से कार्य करना है तो जी20 सबसे अच्छा रहेगा। लेकिन भारत वैश्विक साख बढ़ाने के साथ अगर तीनों वैश्विक शक्तियों में तालमेल बैठा लेगा तो यकीनन भारत को इस समूह में जुड़ना फायदेमंद होगा। इसलिए हमें यह देखना पड़ेगा कि भारत कैसे डोनाल्ड ट्रंप के जाल से बचते हुए जी7 से जुड़कर अपने हितों को अवसर में बदल पायेगा।*

1973 का वह दौर, जब विश्व में तेल की समस्या उत्पन्न हो गई थी, अमेरिका अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंदी सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध में था और भारत 1974 में स्माइलिंग बुद्धा के जरिए अपने पहले परमाणु परीक्षण की तैयारी कर रहा था। उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने तेल समस्या को लेकर सऊदी सुल्तान फैज़ल-बिन-अब्दुलअज़ीज़-अल-सौद को सत्ता से बेदखल करने की अपनी नीति से इतना डरा दिया कि वैश्विक तेल समस्या भी हल हो गई, अमेरिका ने सऊदी अरब की सुरक्षा का जिम्मा लेने के साथ ही उसे अपने गुट में भी शामिल कर लिया और सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस के व्यापार में सिर्फ डॉलर के इस्तेमाल ने 1974 में इसे दुनियां की सबसे मजबूत करेंसी बना दिया।

इसी दौरान सबसे विकसित और औद्योगीकृत देशों यानी अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान ने एक ऐसे समूह की कल्पना की, जहां वे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच तैयार कर सकें। वह समूह था जी6, जिसकी पहली मीटिंग 1975 में फ्रांस के रैंबोइलेट शहर में हुई। तत्पश्चात 1976 में कनाडा को भी इसमें शामिल करके इसे जी7 बना दिया गया। अब यह एक ऐसा समूह बन गया जिसमें न सिर्फ दुनिया के बड़े औद्योगिक और विकसित देश शामिल थे बल्कि वे विश्व के सबसे बड़े निर्यातक, सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले, न्यूक्लियर एनर्जी के सबसे बड़े उत्पादक, संयुक्त राष्ट्र के सबसे बड़े दानदाता और वैश्विक जीडीपी में 45त्न का योगदान रखने वाले देश बन गए थे। अन्ततः एक ऐसा मोड़ भी आया, जब 1991 में सोवियत संघ के 15 टुकड़ों में टूटने के बाद शीत युद्ध खत्म हुआ, तब 1997 में रूस को इस समूह में शामिल करके इसे जी8 बना दिया गया।

दो दशकों बाद यूरोपियन यूनियन और नाटो में शामिल देशों को कमज़ोर करने के उद्देश्य ने रूस को इस समूह के आंखों की किरकिरी बना दिया, जिससे समूह में शामिल यूरोपीय देश उससे दूरी बनाने लगे। अन्ततः ये मौका भी रूस ने ही दिया, जब 2014 में उसने यूक्रेन के क्रीमिया प्रांत पर कब्ज़ा कर लिया, तब उसे समूह से बाहर करके फिर से इसे जी7 बना दिया गया। फिलहाल इस समूह में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, या यूं कहूं कि जब से डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने अमेरिका फर्स्ट की नीति से जी7 की आर्थिक वृद्धि रोक दी है। इसी का नजारा जून 2018 में कनाडा के क्यूबेक में हो रहे समिट में दिखा, जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ नाफ्टा को लेकर हुए मतभेदों पर ट्रंप बीच में ही समिट छोड़कर वापस आ गए। तत्पश्चात ऐसा ही कुछ 2019 में फ्रांस के बियारेट्ज़ शहर में हुए समिट में दिखा, जब जर्मनी और अमेरिका के बीच नाटो के रक्षा खर्च पर मतभेद पूरी तरह उभर कर आ गए और जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कुर्सी में बैठाकर समझाने वाली फोटो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। आज स्थिति यह हो चुकी है कि जब 2020 में इस समूह की मीटिंग अमेरिका में होने जा रही है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे आउटडेटेड करार देकर इसकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठा दिया है। लेकिन कुछ और भी बातें डोनाल्ड ट्रंप ने कही है, जिसपर अमल करके जी7 को फिर से जिंदा करने की योजना पर बल दिया जा सकता है। और वह है भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और रूस को इस समूह में जोड़कर इसका विस्तार करना।

जी7 के नजरिए से बात करें तो क्या भारत जैसे विकासशील देश को इस विकसित समूह में सदस्यता मिल सकती है? साथ ही क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास इतने अधिकार हैं कि वे अकेले ही भारत या किसी अन्य को इसका सदस्य बना सकें? हाल ही में यूरोपियन यूनियन के प्रवक्ता ने कहा था कि मेजबान होने के नाते यकीनन डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित चारों देशों को निमंत्रण दे सकते हैं लेकिन सदस्यता देने का अधिकार अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति के पास नहीं है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप भारत को इसमें क्यों शामिल करना चाहते हैं जबकि हम तो ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया की तरह पूर्ण विकसित और औद्योगिकृत देश भी नहीं हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण है जी7 की गिरती लोकप्रियता और चीन, भारत एवं ब्राजील जैसे विकसित लेकिन विकासशील देशों का आर्थिक जगत में उभार। आज परिणाम यह है कि वैश्विक जीडीपी में जी7 का शेयर घटकर 40त्न जबकि चीन, भारत और ब्राजील की वजह से जी20 का शेयर बढ़कर 80त्न पहुंच चुका है। इसलिए ट्रंप प्रशासन ने ऐसी योजना बनाई है, जिससे सांप भी मरे और लाठी भी मजबूत हो जाए। कोरोनावायरस और व्यापार युद्ध के कारण ट्रंप चीन को इस समूह से दूर रखकर दंड देना चाहते हैं जबकि भारत को शामिल कर अपने गुट में नजदीक लाने के साथ विकासशील देशों की सूची से हटाना चाहते हैं, क्योंकि इस सूची में रहने के कारण भारत और चीन दोनों को विश्व व्यापार संगठन से अनेकों छूट मिलती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने पहले जीएसपी फिर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आने से पहले यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव से भारत को विकासशील देशों की सूची से बाहर कर दिया। ट्रंप कहते हैं कि वैश्विक जीडीपी में भारत का हिस्सा 0.5त्न से ज्यादा है, साथ ही जी20 जैसे आर्थिक समूह का सदस्य भी, तो वह विकासशील कैसे है? हालांकि ट्रंप के बर्ताव से निकटतम सहयोगी कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन भी नहीं बच पाए हैं। फिलहाल जी7 एक राजनीतिक समूह बनकर रह गया है, इसलिए ट्रंप अपने राजनीतिक करियर को बचाने और खुद को एक मजबूत नेता दिखाने के लिए एशिया की सभी शक्तियों को अपने करीब लेकर चीन को रोकना चाहते हैं। इसमें रूस को शामिल करने का मकसद भी बस इतना ही है कि चीन को दबाव में लाने के दौरान रूस अमेरिका का विरोध ना करें।

भारत के संदर्भ में बात करें तो 2021 में ब्रिटेन में होने वाले समिट में इसके विस्तार को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, और वर्तमान चीन की आक्रामकता देखकर निश्चित ही सभी देश इसे ज्वॉइन भी कर लेंगे, लेकिन रूस के फिर से शामिल होने पर संशय बरकरार है क्योंकि ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी ने खुलकर इसपर विरोध जताया है। बहरहाल, जी7 से जुड़ना भारत के लिए फायदेमंद और नुकसानदेह दोनों हैं फायदेमंद इसलिए क्योंकि इस एलीट क्लब में जुड़ने से विश्व बिरादरी में भारत की साख बढ़ने के साथ ही इकोनॉमिक अपुर्च्यूनिटी मिलेगी। इसके अलावा जी20 को छोड़कर भारत के पास कोई भी बड़ा मंच नहीं है जिसमें वह अधिकतर वैश्विक नेताओं से मिल सके।

चीनी बाजार से छुटकारा पाने का आदर्श समय है

भारतीय निर्माताओं और उद्योगों को नई शुरुआत करने के लिए राहत मिलनी चाहिए

अंजन रॉय

> बीएसएनएल को अपनी बोली की शर्तों को फिर से बनाने के लिए कहा गया है ताकि चीनी कंपनियां भारतीय दूरसंचार नेटवर्क में भाग न ले सकें। निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी लाइन में लगने के लिए कहा जाना चाहिए। बीएसएनएल ने चीनी कंपनी के लिए कुछ मेट्रोपोलिज और छोटे शहरों में बड़े नेटवर्क के 4 जी में माइग्रेशन के लिए परियोजना को लगभग सौंप दिया था। चीनी कंपनी हुआवेई के इर्द-गिर्द एक और विवाद छिड़ गया था। अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और ताइवान जैसे देश हुआवेई को 5जी तैनाती से बाहर रख रहे हैं, जबकि अन्य जैसे फ्रांस, नीदरलैंड, रूस और दक्षिण कोरिया ने चीनी उपकरण निर्माता को भाग लेने की अनुमति दी है। यूके उस सीमित भूमिका के प्रभाव की समीक्षा कर रहा है जिसे उसने हुआवेई को अनुमति दी थी। तीसरा क्षेत्र जहां चीनी कंपनियों ने तेजी से कारोबार किया है, वह बिजली उत्पादन संयंत्र और उपकरणों की आपूर्ति में है।

गालवान घाटी में खूनी मुठभेड़ के बाद भारत और चीन के भविष्य के रिश्ते को लेका कोई संदेह नहीं रह गया है। उसकी कोई जगह नहीं है। चीन को लग रहा है कि वह अमेरिका की जगह अब दुनिया का सुपर पावर बन गया है। वह अब यह चाहता है कि दुनिया उसे सुपर पावर माने। इसे स्थापित करने के लिए उसने भारत से टकराव मोल लिया है। वह भारत पर हावी होना चाहता है और वह यह भी चाहता है कि भारत स्वीकार कर ले कि चीन जैसा महाबली दूसरा कोई नहीं और उसकी शर्तों पर सीमा विवाद को सुलझा ले। इसलिए आज यह लद्दाख में गालवान घाटी है। कल यह अरुणाचल प्रदेश में होगा और फिर भी एक दिन यह हिंद महासागर के पानी में भारतीय नेविगेशन के अधिकार पर हमला होगा। आज, यह भारत का सामना कर रहा है, कल यह सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुठभेड़ करेगा। वह दिन भी कभी आएगा।

उसके इस प्रयास में कोई तीसरा विकल्प नहीं है। या तो आप हमें स्वीकार कीजिए या हम आपको अपने अधीन कर लेते हैं। इसलिए, तेजी से भारत को इस चुनौती का सामना करने और इसके लिए बेहतर तैयारी करने की आवश्यकता के बारे में सोचना पड़ेगा। इस प्रयास में अर्थशास्त्र का महत्व सर्वोच्च है। सोवियत संघ अपने चरम उत्कर्ष के दिनों में आज के चीन की तुलना में कहीं अधिक सबल था। लेकिन एक अंतर है। सोवियत संघ एक दिवालिया अर्थव्यवस्था थी। जबकि अपने चार दशकों में, चीन ने एक शक्तिशाली अर्थव्यवस्था का निर्माण कर लिया है। यह यहां है कि भारत के पास कुछ स्ट्राइक पावर है, हालांकि हमें इसकी ताकत के बारे में भ्रम नहीं पालना चाहिए। हमारे पास चीन के साथ बड़ा व्यापार घाटा है - कुछ 50 बिलियन डॉलर से अधिक। लेकिन यह ऊंट के मुह में जीरा है, यह देखते हुए कि संयुक्त

राज्य अमेरिका के साथ इसका निर्यात हमसे दस गुना अधिक है। लेकिन यह वर्तमान मूल्य नहीं है, बल्कि भविष्य का शुद्ध मूल्य है। भारत आने वाले समय के लिए सुस्त विकास दर के साथ निष्क्रिय नहीं रहेगा। हम जल्द ही एक उच्च विकास प्रक्षेपवक्र में लौट आएंगे और हमारे बाजार के अनुसार विस्तार होगा। यही उसका आकर्षण होगा। भविष्य के इस बाजार से चीन को बाहर रखने के लिए हमें अभी से तैयारी करनी चाहिए। हालाँकि, कार्रवाई आज से शुरू होनी चाहिए। पहले निवेश का मुद्दा है। भारत में चीनी निवेश पिछले कुछ वर्षों में बेहद बढ़ा है। वर्तमान में, कुछ आंकड़ों के अनुसार चीनी निवेश 8 बिलियन डॉलर तक है। विशेष रूप से, चीनी ने भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों में भारी निवेश किया है। ये भारत की नई अर्थव्यवस्था के अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं और वे बड़े रोजगार का समर्थन करते हैं, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी के जानकार युवाओं को उनमें रोजगार मिलता है।

चीनियों के बहिष्कार से इन स्टार्ट अप्स को फंड बंद हो जाएगा, यह बताया गया है। हालाँकि, जैसा कि सर्वविदित है, फंड अब सीमित कारक नहीं हैं और इस तरह के निवेश को कई अन्य स्रोतों से भी प्रवाहित होना चाहिए, भले ही चीनी को भारतीय बाजारों से बाहर रखा जाए। निवेश डॉलर अब नए रास्ते तलाश रहे हैं और निवेशकों का सबसे बड़ा संग्रह जापान में है। दूसरा क्षेत्र जिसे चीनी कंपनियों को खत्म करने के लिए तत्काल ध्यान देना चाहिए और इससे भी महत्वपूर्ण तकनीक दूरसंचार उद्योग है। भारत का मोबाइल हैंडसेट बाजार में विस्फोट हो रहा है और यह अधिक महंगे हैंडसेट का विकल्प देगा। वर्तमान में, 70 फीसदी से ज्यादा मोबाइल हैंडसेट का बाजार मुट्ठी भर चीनी निर्माताओं के बैग में है। यह बिल्कुल महत्वपूर्ण है कि मोबाइल हैंडसेट बाजार चीनी कंपनियों से भारतीय लोगों तक या गैर-चीनी मोबाइल निर्माताओं के कम से कम भारतीय संगठनों से गुजरना चाहिए। जब सीमा पर उपद्रव इतने निम्न स्तर पर आ रहे हैं, तो हमें भारत में चीनी मोबाइल निर्माताओं के भारतीय संयंत्रों और परिसंपत्तियों को लेने के विचार से नहीं हटना चाहिए। यदि शत्रुता जारी रहती है या संबंध और खराब हो जाते हैं तो इन्हें हटा दिया जाना चाहिए। फिर चीनी कंपनियों के दावों को वर्षों तक लड़ा जाना चाहिए। आलोचक कहेंगे कि यह जल्दबाजी है और इस तरह के कदमों से भारत की छवि वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में प्रभावित होगी। (संवाद)

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कुछ रिश्ते ताउम्र बेनाम ही अच्छे!

कुछ रिश्ते ताउम्र बेनाम ही अच्छे! आँखों से आँखों के बस पैगाम ही अच्छे! सुना है मिट जाती हैं चाहते उनकी, जो मिल जाते हैं अक्सर, अगर ये सच है तो हम नाकाम ही अच्छे! मर मिटे हम जिन पर, दिल की कसक की जब उन्हें ही ना हो खबर ऐसे दर्द तो किरण बस गुमनाम ही अच्छे ! **किरण मिश्रा**

प्रयास छोटा ही सही लेकिन लगातार

प्रयास छोटा ही सही लेकिन लगातार होना चाहिए। बारिश की बूंदे भले ही छोटी हो लेकिन उनका लगातार बरसना, बड़ी नदी का बहाव बन जाता है। ऐसे ही हमारे छोटे छोटे प्रयास निश्चित ही जिंदगी में बड़ा परिवर्तन लाने में बड़ी सार्थक भूमिका निभाते है।
डॉ. दुलारी चंद्राकर

ख़ास पाती | अब नहीं वीरों का ये बलिदान

अब नहीं वीरों का ये बलिदान ज़ाया जाएगा, इन शहीदों, को नहीं दिल से भुलाया जाएगा।। गिद्ध चीनी अब तू ये गलवान घाटी छोड़ दे, गोलियों से फिर तुझे छलनी कराया जाएगा। झूठ की बुनियाद पर ये आँख हमको मत दिखा, अक्स तेरी हैसियत का अब दिखाया जाएगा। शेर हैं माँ भारती के, मत इन्हें ललकार तू, खून वर्ना दूर तक तेरा बहाया जाएगा। कीमती है याद रख 'प्रतिभा' शहीदों का लहू, अब नहीं इस देश में मातम बनाया जाएगा। **डॉ प्रतिभा गर्ग**

अतीव दूरी में भी एकात्मता

अतीव दूरी में भी एकात्मता और एकात्मता में भी दूरी क्या विरोधाभास है पर इसके बीच की तड़प को कस्तूरी के लिए जंगल जंगल भटकते किसी मृग से ज्यादा कौन समझ सकता है परन्तु मृग और कस्तूरी के बीच की दूरी कैसे तय हो यह प्रश्न युगों युगों से एक अनबूझ पहेली बना हुआ है। **देवयानी भारद्वाज**

पास मेरे भी खुदा मौजूद है

पास मेरे भी ख़ुदा मौजूद है । जब तलक माँ की दुआ मौजूद है। तोड़ सकता हूँ तुम्हारे सब भरम, मुझमें भी वो हौसला मौजूद है। ज़हन में आती है जिससे शेरियत, दर्द का वो काफ़िला मौजूद है। हार जाता हूँ मैं अक्सर जीत कर, कोई दिल मे सरफिरा मौजूद है। दिल्लगी ही बन गयी दिल की लगी, इश्क़ का अब तक नशा मौजूद है। तिश्नगी बढ़ना भी है ये लाज़िमी, रूबरू जब मैक़दा मौजूद है । क़त्लो ग़ारत फिर मरे कुछ आदमी, न्यूज में भी और क्या मौजूद है। सब बताता है भला है क्या बुरा, सबके दिल मे आईना मौजूद है। शाइरी में भी प्रखर मिल जाएगा, ज़िन्दगी का फ़लसफ़ा मौजूद है। **राजेश श्रीवास्तव प्रखर**

एक पढ़ा लिखा इंसान कैसे धार्मिक

एक पढ़ा लिखा इंसान कैसे धार्मिक कट्टरता में पड़ कर धीरे धीरे बेढंगे मूर्ख में तब्दील होता जाता है इमरान खान उसका बेहतरीन उदाहरण हैं,आज हद तो तब हो गयी जब एक आतंकवादी को संसद में शहीद कह गए। **कुणाल शुक्ला**

उसे मेरे साथ रहना था बस मैं

उसे मेरे साथ रहना था बस मैं उसके साथ घर बसाना चाहती थी फिर यूं हुआ उसने किसी और के साथ घर बसाया मुझे ज़िंदा रहना ज़रूरी था जिम्मेदारियों के लिए सो मैं कविता लिखने लगी...। **आभा चन्द्रा**

500 का पापकार्न, 100 रुपये का

500 का पापकार्न, 100 रुपये का कोक, 50 रुपये का पानी, ढाई सौ का टिकट, ऊपर से चिरकुटों द्वारा जेब तलाशी। अउ फिलिम मं रंगा न ढंगा। तेखर ले ओटीटी जिंदाबाद भाई। एक-दू घांव भर जा पारे रेहेंव मॉल मं मूवी देखे बर, अब जन्म नी जांव। घरे मं मस्त 50 इंच टीवी अउ साउंड बार लगा ले, अऊ माखूर रगड़-रगड़ के सपरिवार मस्त मजा ले। चाहा आन दे, भजिया आन दे... आग्गी लगे तुंहर बिग-स्क्रीन मं। **केवल कृष्ण**

बहुत बड़ा देश हित का संगठन

बहुत बड़ा देश हित का संगठन हैं ये राजीव गांधी फाउंडेशन जहाँ पीएम रिलिफ फंड भी पैसा देता हैं और तो और चीनी सरकार भी 90 लाख रुपया देती हैं और सोने पे सुहागा तब हैं जब ज़ाकिर नायक भगोड़ा वो भी 50 लाख दे देता हैं !!!! ऐसे ऐसे देश कल्याण के संगठनों के कारण भारत चला । **सचिन चौधरी**

QUIZ TIME

1) डॉल्फिन जनगणना के अनुसार, ओडिशा राज्य की चिल्का झील में इरावदी डॉल्फिन की संख्या कितनी है?

2) किस देश में 'अनिवार्य जातीय एकता' विधेयक पारित किया है?

3) 'हेनली पासपोर्ट इण्डेक्स' में भारतीय पासपोर्ट को क्या स्थान मिला है?

4) भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने रोम रैकिंग सीरिज में 53 किग्रा-भार वर्ग में कौन-सा पदक जीता है?

5) किस शतरंज खिलाड़ी ने सर्वाधिक बाजियों में अजेय रहने का नया रिकार्ड बनाया?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) 146 (2) [illegible] (3) 84 (4) स्वर्ण पदक (5) मैग्नस कार्लसन

आज का इतिहास

नई दिल्ली, (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 29 जून की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1444- सिकंदर बेग ने ऑटोमन साम्राज्य की सेना को हराया। 1613 - विलियम शेक्सपियर का ग्लोब थियेटर आग लगने से क्षतिग्रस्त हुआ। 1850 - ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सर रॉबर्ट पील घुड़सवारी के दौरान गिर गये जिसके तीन दिन बाद उनका निधन हो गया। 1864 - कनाडा में क्यूबेक के मोंट सेंट हिलेरी कस्बे के नजदीक ग्रांड ट्रंक रेलवे लाइन पर एक ट्रेन के रिशेल्यू नदी में गिर जाने से करीब 100 लोगों की मौत हो गयी। 1932 - सोवियत संघ और चीन ने अनाक्रमण संधि पर हस्ताक्षर किये। 1961 - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ एवं प्रथम रक्षा मंत्री सरदार बलदेव सिंह का निधन।

स्वच्छता ग्राही समूह की दीदियों ने सैनिटरी पैड्स के इस्तेमाल के लिए ग्रामीण महिलाओं को किया जागरुक

- माहवारी के दौरान सेहत व्यायाम और उचित खान पान के लिए भी दे रही सलाह
- घर घर जाकर कम दाम में अच्छी गुणवत्ता के सेनेटरी पैड्स पहुँचाने से सेवा के साथ आमदनी के भी रास्ते खुले
- जिले में 25 समूहों को 25 लाख राशि कराई गई उपलब्ध अब तक 7 लाख के सैनिटरी पैड्स बेचकर महिलाओं ने कमाए 1.50 लाख रुपए

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। माहवारी का सीधा संबंध महिलाओं के स्वास्थ्य से है। अक्सर महिलाएं अपनी सेहत के इस महत्वपूर्ण विषय के प्रति लापरवाही बरतती हैं। माहवारी के दौरान अपना ख्याल न रखने और साफ-सफाई का ध्यान न रखने के कारण कई गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। खासकर किशोरी बालिकाओं को माहवारी प्रबंधन के बारे में जागरुक होना बहुत जरूरी है। क्योंकि आज की किशोरी ही भविष्य में एक माँ की भूमिका निभाएगी। सुरक्षित मातृत्व के लिए सुरक्षित माहवारी प्रबंधन की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए शुरुआत से ही किशोरियों को अपना ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

महिलाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन और अच्छे स्वास्थ्य के लिए सेनेटरी पैड्स के बारे में जागरुक करने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) के तहत विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें स्वच्छता ग्राही महिला स्वःसहायता समूहों की दीदियाँ गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को माहवारी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सेनेटरी पैड्स के उपयोग के फायदों के बारे में बता रही हैं।

स्वच्छता ग्राही समूह की दीदियां कपड़े के उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताती हैं। सेनेटरी पैड के इस्तमाल से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके अलावा माहवारी के दौरान अपनी सेहत का कैसे ख्याल रखे, उचित खान पान और व्यायाम आदि के बारे में भी समूह की दीदियां ग्रामीण महिलाओं को दे रही है।

महिलाओं को 7 लाख रूपए का सैनिटरी पैड बेचकर 1.50 लाख रुपए आमदनी

इस कार्यक्रम का उद्देश्य माहवारी स्वच्छता के लिए जागरुक करने के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है। ताकि कार्य के प्रति उनकी रुचि भी बनी रहे। इन 25 समूहों के माध्यम से अब तक जनपद पंचायत दुर्ग में 1.50 लाख, धमधा में 1.00 लाख एवं पाटन में राशि 4.50 लाख कुल इस प्रकार कुल 7.00 लाख रुपए के सेनेटरी पैड्स का विक्रय किया जा चुका है। इस काम में समूहों को 1.50 लाख रुपए की आमदनी भी हुई है। मगर यह केवल आर्थिक लाभ की बात नहीं है। बड़ी बात है कि महिलाओं में व्यवहार परिवर्तन आ रहा है और वे अपनी सेहत के प्रति जागृत हो रही हैं।

गांव-गांव जाकर महिलाओं को उपलब्ध करा रही हैं सेनेटरी पैड्स

माहवारी स्वच्छता अभियान का एक महत्वपूर्ण कंपोनेंट है ग्रामीण महिलाओं को सस्ते दर पर अच्छी गुणवत्ता के सेनेटरी पैड्स उपलब्ध कराना। इसलिए स्वच्छता ग्राही स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा न केवल साफसफाई के बारे में जागरुक किया जा रहा है बल्कि गांव महिलाओं तक पहुँचकर उन्हे सैनेटरी पैड्स उपलब्ध भी कराया जा रहा है। महिलाओं को घर-घर जाकर सेनेटरी पैड्स उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं ने गंदे कपड़ों को त्याग कर सेनेटरी पैड्स को अपनाया है। जिला पंचायत से मिली जानकारी के मुताबिक माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अंतर्गत जिले में कुल 25 स्वच्छताग्राही स्वःसहायता समूहों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन में कार्य करने हेतु चयनित कर 25.00 लाख रुपए आबंटित किए गए हैं। इन 25 समूहों के माध्यम से जिले के सभी 385 ग्रामों तक पहुंच स्थापित कर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन हेतु महिला स्वःसहायता समूहों को ग्रामवार जोड़ा गया है। स्वच्छाग्राही स्वसहायता समूहों से समन्वय बनाने के लिये 15 से 16 ग्राम पंचायतों का क्लस्टर बनाया गया है। 25 समूहों को इन क्लस्टरों से समन्वय बना कर काम करने की जिम्मेदारी दी गई है।

क्वारेंटाईन सेंटरों में निःशुल्क सेनेटरी पैड भी कर रही वितरित

स्वच्छताग्राही स्वःसहायता समूहों द्वारा कोविड 19 संकट के दौरान क्वारेंटाईन सेंटरों में रहने वाली महिलाओं को भी निःशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। जिससे इन महिलाओं को माहवारी के दौरान परेशानी न हो।

सेल-बीएसपी देश के आत्मनिर्भरता के मूलमंत्र को साकार करने संकल्पित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र लगभग छः दशकों से भी अधिक समय से गुणवत्तापूर्ण स्टील का उत्पादन करके इस्पात की जरूरी आपूर्ति को सुनिश्चित करते हुए देश व विदेशों के प्रत्येक छोटे-बड़े आधारभूत संरचनाओं में इस्पात की उपयोगिता को प्रतिबद्धता के साथ सिद्ध कर रहा है। वर्तमान में माननीय प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर सेल-बीएसपी ने आत्मनिर्भर बनने के अपने प्रयासों को अमलीजामा पहनाने के लिए कृतसंकल्पित है। इस हेतु विभिन्न क्षेत्रों को चिन्हित भी कर लिया गया है। इसी के साथ वर्तमान में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के मूलमंत्र को अंगीकार करते हुए इस दिशा में सक्रियता के साथ अपनी भागीदारी का निर्वहन भी कर रहा है।

आत्मनिर्भरता का मूलमंत्र है कि देश के लघु व दीर्घ तथा निजी व सार्वजनिक औद्योगिक कम्पनियों द्वारा विभिन्न प्रकार की अधोसंरचनाओं एवं जनोपयोगी सामग्रियों का उत्पादन करके विश्व के अन्य देशों में निर्यात न कर देश में ही उपयोग व खपत करना है। जिससे भारत को इन सामग्रियों को विदेशों से आयात करने की निर्भरता से निजात मिल सके। इसके मद्देनजर भिलाई इस्पात संयंत्र ने आत्मनिर्भरता के कई बिन्दु तलाशे हैं। जिसे समय के साथ तराशा जायेगा। देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में औद्योगिक प्रगति के साथ तेजी से अग्रसर हो रहा है। इसी तारतम्य में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने भी देशहित की भावनाओं का सम्मान करते हुए आयातित सामग्रियों मुख्यतः रिफ्रेक्ट्री पर निर्भरता को समाप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है और इसी परिप्रेक्ष्य में बीएसपी द्वारा समुचित पहल किए जा रहे हैं। जो इस प्रकार हैः-

इस पहल का मुख्य उद्देश्य है वर्तमान टेंडरों एवं आर्डरों की समाप्ति के पश्चात् आयात को न्यूनतम करना है। इसके तहत संयंत्र के विभागों में उपयोग किए जाने वाले सामग्रियों हेतु वैश्विक (ग्लोबल) टेंडर समाप्त कर स्वदेशी औद्योगिक संस्थानों/फर्मों को ही टेंडर एवं आर्डर प्रदान करना है। इस आयातित सामग्री के अन्तर्गत कई प्रमुख क्रियाकलापों को चिन्हित किया गया है। जिसे आयात पर निर्भरता को कम करते हुए स्वदेशी कम्पनियों से क्रय करने की योजना बनाई जा रही है। जिससे लगभग रुपये 155 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत संभावित है।

संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 एवं 3 के आरएच डिगैसर रिफ्रेक्ट्री का आयात जो कि वर्तमान में 70 प्रतिशत, एसएमएस-2 एवं 3 की पर्जिंग रिफ्रेक्ट्री का आयात जो कि वर्तमान में 50 प्रतिशत, एसएमएस-3 की स्टील लैडल रिफ्रेक्ट्री का आयात जो कि वर्तमान में 50 प्रतिशत तथा एसएमएस-3 के कन्वर्टर रिफ्रेक्ट्री सेट का आयात जो कि वर्तमान में 100 प्रतिशत है, इन उपकरणों का आयात प्रतिस्थापन की रणनीति बनाई जा रही है। जिसके तहत इन्हें स्वदेशी कम्पनियों से क्रय करने की योजना बनाई जा रही है।

खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग सामाग्रियों के स्टॉल लगेंगे मॉल, विवि और कॉलोनियों में

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड जन जागरूकता लाने प्रदर्शनी और शिविर का करेगा आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग सामाग्रियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए व्यवसायिक मॉल, कालोनियों और विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शनी एवं जन जागरूकता शिविर का आयोजन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने अधिकारियों को ग्रामोद्योग को ग्रामीणों के जीवन यापन का जरिया बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने बताया कि विभिन्न आयोजनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को कुटीर उद्योग की स्थापना से स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने और स्वावलंबी बनाने के लिए अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने और विभागीय योजनाओं के माध्यम से 25 लाख रूपए तक (35 प्रतिशत अनुदान सहित) बैंकों से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2020 21 के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत 26 करोड़ 61 लाख रुपए के अनुदान से 887 इकाई स्थापित कर 7096 लोगों को रोजगार देने एवं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत 6 करोड़ 94 लाख 83 हजार रुपए के अनुदान से 661 इकाई स्थापित कर 3966 लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार 5 करोड़ रुपए के खादी वस्त्र उत्पादन और 590 कत्तिन-बुनकरों को रोजगार देने तथा इनके द्वारा उत्पादित खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग सामग्री विक्रय हेतु 5 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया है।

चौदह दिनों के भीतर वेदान्त नगर में दूसरी बार चोरी

उतई। वेदान्तनगर क्षेत्र में चौदह दिनों के अंदर दूसरी बार चोरी करने का प्रयास किया गया। वहां के निवासी राव के घर दरवाजा तोड़ कर घर में घुसने की कोशिश करने संबंधी चोरों के पैरों के निशान हैं। वहां के निवासियों ने बताया कि 15 जून को भी एक ही रात में कई घरों में एक साथ की गई चोरी की शिकायत की गई थी और पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया था कि दूसरे दिन शाम को वहां आएंगे किंतु पुलिस नहीं आई। अभी बीती शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वेदान्त नगर निवासी योगेश साहू के घर से गैस सिलिण्डर चोरी कर झाड़ियों में छिपा दिया था। वहीं राव के घर दरवाजा तोड़कर घुसने का प्रयास किया गया था। इसकी शिकायत भी उतई थाना में कर दी गई है। पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया कि वे शीघ्र ही क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर चोरों पर अंकुश लगाएंगे। बहरहाल, पुलिस के आश्वासन पर वहां के निवासियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि चोर शीघ्र ही पुलिस गिरफ्त में होंगे। लगातार हो रही चोरी से वेदान्त नगर पुलिस के लिए भी सिरदर्द बनता जा रहा है।

ब्रह्माकुमारीज का ऑनलाइन ई चिल्ड्रन कैंप 'खोले पंख उत्कर्ष के' 1 जुलाई से

नव प्रदश सवाददाता

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के शिक्षा प्रभाग द्वारा 5 दिवसीय ÷खोले पंख उत्कर्ष के÷ ऑनलाइन ई चिल्ड्रन कैंप 2020 का आयोजन 1 जुलाई से प्रातः 9 बजे यूट्यूब चैनल ब्रह्माकुमारीज़ भिलाई पर रहेगा। ई चिल्ड्रन कैंप क्लास 5 से 8वीं तक के बच्चों के लिए रहेगा। जिसमे भाग लेने के लिए लिंक के नीचे दिए गए फॉर्म में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।

खोले पंख उत्कर्ष के ई चिल्ड्रन कैंप की संयोजिका एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने इस कैंप का उद्देश्य बताते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में बच्चों को तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली, प्रतिदिन मेडीटेशन का महत्त्व,मानसिक एकाग्रता हेतु फन गेम्स,डेली एनालिसिस चार्ट,परिस्तिथियों से सामना करने की शक्ति आदि विषयों पर सार गर्भित सेशन रहेंगे। तथा प्रतिदिन प्रत्येक स्टूडेंट और पेरेंट्स से फीड बैक लिया जाएगा। 5 दिवसीय ई चिल्ड्रन कैम्प के प्रत्येक सेशन को अटेंड और रजिस्टर्ड बच्चों को ई सर्टिफिक्रेट दिए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 7067339208 पर संपर्क कर सकते है।

गैर संकार्य विभाग के कर्मी 'कर्म शिरोमणि पुरस्कार' से सम्मानित

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुशासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, को प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह 'कर्म शिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में गैर संकार्य विभाग के कार्मिक श्री मुकुरू राम, स्टॉफ अटेण्डेंट, कार्मिक कार्यालय-ब्लास्ट फर्नेस एवं श्री सपन चन्द्र डे, वरिष्ठ भंडार पाल, स्टोर्स विभाग को माह दिसम्बर-2019, श्री भागवत, वरिष्ठ तकनीशियन, नगर सेवाएँ विभाग, सुश्री संगीता सिन्हा, वरिष्ठ स्टॉफ सहायक, कार्मिक रेल मिल को माह जनवरी-202 एवं श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, अनुभाग अधिकारी, अधिकारी स्थापना विभाग को माह फरवरी-2020 के लिए कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री एस के दुबे द्वारा सम्मानित किया गया।

इस पुरस्कार योजना में पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान के रूप में प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह तथा कार्मिक की पत्नी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाता है। साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर उनके विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्शित की जाती है। इस कार्यक्रम का आयोजन इस्पात भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम में श्री पी कुलकर्णी, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सामग्री प्रबंधन), श्री डी पी सतपथी, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक), श्री पी के घोष, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन), श्री उत्पल डे, महाप्रबंधक प्रभारी (स्टोर्स), श्री ए के साहू, महाप्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य एवं खदान), श्री दिनेश कुमार, महाप्रंधक (नगर सेवाएँ), श्री राजेश चावला, महाप्रबंधक (स्टोर्स), सुश्री शिखा दुबे, उप महाप्रबंधक (कार्मिक-आयरन एवं स्टील), श्री प्रताप शेखर नायक, सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक-ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी), सुश्री जी एम व्ही पद्मिनी कुमार, प्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य-2), सुश्री उषा साजी, प्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य-1) एवं श्री मनजीत सिंह, प्रबंधक (नगर सेवाएँ) उपस्थित थे।

■ न्यूज गैलरी

वृक्षारोपण कार्य में लगे हैं देवेश वर्मा

अर्जुनी। वर्तमान समय मे कोरोना के इस भयंकर आपदा काल मे लोग कई तरह के जतन में लगे है तो कई लोग घरों में रहकर कुछ न कुछ नया करने में लगे हुए है , वही भाटापारा विकासखण्ड के मल्दी के रहने वाले देवेश वर्मा प्रकृति के प्रति संकल्पित होकर अपने युवा टीम के साथ वृक्षारोपण व पोषण के कार्य में लगे हुए है, बता दें कि देवेश वर्मा पेशे से इंजीनियर है वंही इनके टीम के द्वारा मल्दी के कुवां तालाब में कुल 10 पेड़ का वृक्षारोपण किया गया । जिनके पोषण की जिम्मेदारी भी इनके द्वारा ही की जाएगी । गांव भर में हरियाली लाने के मद्देनजर ऐसे स्थान जंहा वृक्षों की कमी है उन जगहों पर प्रति सप्ताह 10 पेड़ रोपित किये जाएंगे। ज्ञात हो कि अंचल में सीमेंट संयंत्र व क्रेशर मशीन स्थापित होने के कारण आबोहवा प्रदूषित रहता है जिसके चलते आस - पास के गांव का वातावरण भी प्रदूषण के चलते प्रभावित रहता है ,ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर प्रकृति के संतुलन को बनाये रखा जा सकता है। अतः इसी उद्देश्य के साथ वृक्षारोपण किया गया जिसमें शुभम वर्मा,मनीष वर्मा, ईशु वर्मा, गौरव वर्मा, निधि वर्मा, रश्मि वर्मा, नैंसी वर्मा, अंशु वर्मा, भुनेश्वर देवांगन, अनुज वर्मा, विकास फेकर, अजंलि वर्मा आदि युवा साथी शामिल रहे।

धोधा हाईस्कूल के छात्र छात्राओं ने मारी बाजी

गंडई पंडरिया। छत्तीसगढ़ मद्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा गत दिन बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है जिसमे ग्राम धोधा के शासकीय हायरसेकेन्डरी स्कूल मे पड़ने वाली 12वी की छात्रा करुणा देवांगन ने 87 प्रतिशत के साथ गाँव के स्कूल मे प्रथम रही वही लक्ष्मी साहू 83 ज्ञानेन्द्र जंघेल 83 संतोषी देवांगन 81 दामिनी 79 तिजराम श्रीवास 79 प्रतिशत अंको के साथ सफ्ल हुये । उसी प्रकार 10वी मे हिमाचल यादव 93 दिलेशवर जंघेल 92 सोनू श्रीवास 91 कामदेव ठाकुर 90 खुसबु साहू 90 विभा राजपूत 90 अंको के साथ स्कूल और गाँव के साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया सभी छात्र ङ्कछात्राओ ने अपनी सफ्लता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों को दिया ।

सीईओ रूचि शर्मा ने किया- पंचायत के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

छुरा। छुरा जनपद पंचायत के नए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सुश्री रुचि शर्मा जी (डिप्टी कलेक्टर) ने पदभार संभालते ही सक्रिय भूमिका में नजर आने लगी है। 2 दिनों से लगातार छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत निर्मित होने वाले मंडियों में चबूतरा निर्माण की कार्यों का जायजा लिया एवं अधिकारी -कर्मचारी, सरपंच-सचिव को आवश्यक दिशा-निर्देशित किया गया कि कार्य में प्रगति लाया जाए और समय सीमा में पूर्ण करें। इसी कड़ी में 29 जून दिन सोमवार को सभी पंचायत सचिवों का मीटिंग रखा गया है। जिसमें आवश्यक दिशा निर्देश दिये जाने की उम्मीद है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि 2 वर्षो से जनपद पंचायत स्तर में जो प्रशासनिक निरंकुशता व्याप्त था। वह अब दूर होने लगा है। एवं बहुत सारे पंचायत के सचिव सप्ताह में केवल 1 या 2 दिन ही पंचायतों में बैठते थे, जिससे ग्राम वासियों को अपने कार्यो के लिए सचिवों का आगे पीछे भटकना/ इन्तजार करना पड़ता था। लेकिन नए सीईओ मेडम के आने के बाद, वे अपने पंचायत कार्यालय में नियमित बैठेंगे,ऐसा उम्मीद करते हैं। पूर्व में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, छुरा को महिला बाल विकास-परियोजना,छुरा का अतिरिक्त प्रभार मिला था,जो नए सीईओ मेडम ने प्रभार सँभालते ही स्वतः ही महिला बाल विकास के परियोजना अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार,स्वतः ही माना जायेगा, क्योकि महिला बाल विकास के परियोजना अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार(चार्ज) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छुरा को दिया गया था,न कि किसी ब्यक्ति विशेष को।

राष्ट्रीय सुरक्षा मामले में भाजपा-कांग्रेस कर रही हैं ओछी राजनीति : धर्मजीत सिंह

डोंगरगढ । जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) विधायक दल के नेता विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा भारत-चीन सीमा विवाद के कारण लद्दाख क्षेत्र में चीन के साथ झड़प में 20 जवानों के शहादत से पूरा देश स्तब्ध है। ऐसे संवेदनशील मामले में भी भाजपा काँग्रेस राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है। इस दुःख की घड़ी में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र सरकार के द्वारा देश हित मे लिए जा रहे हर फैसले का समर्थन करते हुए शहीदों की शहादत को याद कर उनके त्याग और बलिदान को सीने में सँजोये रखने की आवश्यकता है परंतु भाजपा कांग्रेस के द्वारा इसमें भी राजनीति करने का अवसर तलाशते हुए एक दूसरे को नीचा दिखाने का काम किया जा रहा है, स्तरहीन बयानबाजी की जा रही है जो कि निंदनीय है । वही जनता कॉंग्रेस छत्तीसगढ़ जे के कार्यकारी जिला अध्यक्ष विष्णु लोधी ने कहा छत्तीसगढ़ की एक मात्र क्षेत्रीय राजनीतिक दल जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) भारत चीन सीमा विवाद मामले में केंद्र सरकार के साथ है और केंद्र सरकार के द्वारा देश हित मे लिए जाने वाले हर एक फैसले का सम्मान के साथ समर्थन करती है।लोधी ने कहा देशवासियों को पूर्ण विश्वास है कि भारतीय सेना के रहते हुए चीन हमारे मातृभूमि की एक इंच भी हड़प नहीं सकता । दुनिया के बेहतर सेनाओं में से एक भारतीय सेना किसी से भी कम नहीं है, भारतीय सेना पर देशवासियों को गर्व है।

सौरभ वर्मा दसवीं में 96.83% अंक लाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया

भाटापारा। माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर हाईस्कूल परीक्षा 2020 में पहली बार शामिल होने वाले विद्यालय स्वामी आत्मानंद विद्यापीठ देवरी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा विद्यालय के होनहार छात्र सौरभ वर्मा 96.83त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, अजय चेलक 94त्न, संजना ध्रुव 88त्न आरती वर्मा 85त्न खुशबू वर्मा 82त्न दीक्षा वर्मा 80त्न खुशबू वर्मा 78त्न नेहा वर्मा 76त्न मीनाक्षी वर्मा 76त्न पूजा वर्मा 72त्न कोमल वर्मा 65त्न भारतीय तिवारी 65त्न एवं रानी वर्मा 58त्न अंक प्राप्त किए हैं विद्यालय में कुल 13 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए 12 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं एक विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

भाजपा पार्षद प्रत्याशी भक्ति यादव के सभी 6 हत्यारे 7 घंटे में गिरफ्तार

- लोहिया नगर मे भक्ति यादव की चाकू से गोदकर कर दी गई थी हत्या
- आरोपियों ने पुरानी रंजिश पर से चाकू से वार कर घटना को दिया गया था अंजाम

भाटापारा/अर्जुनी। शनिवार की रात्रि 8:30 बजे मृतक भक्ति यादव अपने दोस्त के साथ अपने घर लोहिया नगर बलौदा बाजार के पास टहल रहा था कि इकबाल खान एवं शाहरुख खान अपने चार अन्य दोस्त जावेद रजा,राहुल देवार,रजा, सूरज वैष्णव (सभी बलौदाबाजार निवासी) के साथ पुरानी रंजिश पर से चाकू से वार कर मृतक भक्ति यादव की हत्या कर फरार हो गये। प्रकरण की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के दिशा निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल, सुभाष दास एसडीओपी बलौदाबाजार, सिद्धार्थ बघेल उप पुलिस अधीक्षक बलौदा बाजार के मार्गदर्शन में अलग-अलग पुलिस पार्टियां बना कर आरोपियों की धरपकड़ हेतु तत्काल रवाना किया गया। वंही उक्त घटना बलौदाबाजार शहर के मध्य में हत्या की घटना घटित होने के कारण लोगों में आरोपियों के प्रति अत्यंत आक्रोश व्याप्त हो गया था लगातार लोगों के उग्र रवैये व आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग के कारण आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी भी बहुत आवश्यक हो चुकी थी जिसके चलते प्रकरण में पुलिस बल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मात्र 07 घंटे के भीतर सभी 06 आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर भगवती यादव के ऊपर चाकू से हमला करना स्वीकार किया गया है आरोपियों ने बताया कि मृतक भगवती यादव द्वारा पूर्व में सार्वजनिक स्थान में आरोपियों के साथ मारपीट एवं लड़ाई झगड़ा किया गया था, जिससे आरोपीगण स्वयं को अपमानित महसूस करते थे एवं पुरानी रंजिश पर से क्षुब्ध होकर भगवती यादव का हत्या करना बताए है। प्रकरण में अपराध क्रमांक 402/2020 धारा 302,147,148 149 भादवि दर्ज कर अग्रिम विवेचना कार्यवाही की जा रही है। इस घटना आरोपियों की गिरफ्तारी मे निरीक्षक विजय चौधरी थाना प्रभारी सिटी कोतवाली, निरीक्षक महेश ध्रुव थाना प्रभारी भाटापारा शहर, निरीक्षक सी.आर चंद्रा थाना प्रभारी पलारी, उपनिरीक्षक रोशन सिंह थाना प्रभारी सुहेला, उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम कुर्रे चौकी प्रभारी लवन, उप निरीक्षक ओपी त्रिपाठी थाना प्रभारी गिधौरी एवं उपनिरीक्षक यशवंत सिंह थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण, उपनिरी भीम सोम सउनि नरेंद्र मार्कण्डेय, प्रधान आरक्षक भीम साहू आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कलेक्टर की कोशिशों के बाद गौठानों में मवेशियों की फिर से आवाजाही तेज

देवभोग। पखवाड़े भर पहले गरियाबंद जिला के कलेक्टर छत्तर सिंह डहरे द्वारा ब्लॉक के गौठानो पर निरीक्षण करने का आज अच्छा खासा परिणाम देखने को मिल रहा है। वर्तमान स्थिति मैं मवेशियों के मालिक और चरवाह गाय वंशी और वाम वंशी को गौठान में रखकर सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं । मतलब गौठान में फिर से मवेशियों की चहल पहल शुरू हो गया है। उल्लेखनीय हो की पखवाड़े दिन पहले जिलाधीश छत्तर सिंह डहरे ब्लॉक के ग्राम पंचायत लाटापारा पहुंचकर मवेशियों को चारा पानी सहित अन्य व्यवस्था कर गौठान में रखने के लिए आदेशित क्या रहा । जिसके बाद से गौठान मे सरपंच सचिव द्वारा कलेक्टर के आदेश का तत्परता से पालन करते हुए चारा पानी सहित अन्य व्यवस्था कर मवेशियों को रखा जा रहा है। बकायदा समिति के सदस्यों द्वारा गोबर को निर्माण किए गए वर्मी कंपोस्ट टैंक पर रखा जाता है । जिसे महिला स्व सहायता समूह द्वारा गोबर एकत्रित कर खाद बनाते हैं। और उक्त खाद को बेचकर अच्छी खासी आमदनी निकाल लेते हैं। बताया तो यह भी जाता है कि समूह द्वारा 10 से 12 क्विंटल गोबर का खाद बनाकर बेचा जाता है। मतलब अब सरकार की मंशा जमीनी स्तर पर पूरा होता नजर आ रहा है। क्योंकि गौठान में मवेशियों की व्यवस्था कर सुरक्षित रखने के अलावा जैविक खाद का भी किसानों को लाभ दिलाना सरकार की अहम रणनीति अहम मानी जाती है। यहां बताना लाजिमी होगा कि पिछले 70 दिनों से कोरोना वायरस के बीच लगातार लॉकडाउन के चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल रहा तब मवेशियों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह किस तरह चारा पानी के लिए भटकते रहे होंगे जिसे गंभीरता से लेते हुए नवपदस्थ जिले की कमान संभाले कलेक्टर छत्तर सिंह डहरे ने लगातार पंचायतों का निरीक्षण कर गौठानो में मवेशियों की पूरी व्यवस्था देते हुए रखने के लिए कहा जिसका परिणाम गौठानो मैं देखने को मिल रहा है हालांकि गौठान में वर्तमान स्थिति को देखते हुए मवेशियों को सुबह से लेकर शाम तक ही रखा जाता है । बावजूद इसके स्व सहायता समूह गोबर खाद बनाकर अच्छी आमदनी निकाल रहे हैं।

शहर पुलिस ने 18 बोटल अग्रेजी शराब के साथ विक्रम थारानी को किया गिरफ्तार

भाटापारा। माता देवालय वार्ड में शराब बिकी की लगातार बढ़ती शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर शहर पुलिस ने थानेदार महेश धुव के नेतृत्व में योजना बद्ध तरीके से छापा मारी करते हुए एक युवक को 18 बॉटल अंग्रेजी शराब की बॉटल के साथ गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए शहर थाने के युवा थानेदार महेश धुव ने बताया की शहर पुलिस द्वारा अवैध शराब , जुआ सट्टा आदतन अपराधी के उपर सतत निगरानी रखी जा रही थी इस बीच माता देवालय मोहल्ले में शराब बेचे जाने की शिकायत पर मुखबीर से मिली सुचना पर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से माता देवालय वार्ड सिंधी मोहल्ला में विक्रम थरानी उर्फविक्की उर्फडिंडी अपने घर से लगे आफिस में अवैध रूप से काफी मात्रा में शराब बिकी हेतु रखा है कि सूचना पर मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया जहां आरोपी विक्रम थरानी ऊर्फविक्की ऊर्फडिडी अपने घर से लगे आफिस में उपस्थित मिला जिसके पास से अवैध रूप से रखें अंग्रेजी शराब 5 बोतल Mile stone blue 2hiskey , 01 बोतल Anti Quity Whiskey , एवं 01 बोतल Royal Challange Whisky . व 11बोतल Medowel No-v Whiskey , कुल 18 बोतल अंग्रेजी शराब प्रत्येक बोतल में 750 स्र्. शराब भरी हुई शीलबंद जुमला 13.500 बल्क लीटर शराब किमती 13,910 रूपये रखे मिला।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष से महिला काग्रेसजनो को गोपाल ने मिलवाया

भाटापारा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर के प्रथम नगर आगमन पर प्रतीक्षा कर रही शहर कांग्रेस की महिला कांग्रेस जनो को गोपाल शर्मा ने उनसे मिलवाया। इस दौरान जिला अध्यक्ष ने महिला कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाने कुछ टिप्स दिए। विदित हो की शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर अपने प्रथम प्रवास के दौरान भाटापारा पहुँचे। यहाँ आने के पश्चात नव नियुक्त जिला अध्यक्ष ने यहाँ के सभी कांग्रेसजनों से अलग अलग जा कर राय शुमारी कर कांग्रेस संग़ठन की मजबूती के लिए उनकी राय मांगी। इस बीच जिला अध्यक्ष के प्रथम नगर आगमन से कांग्रेसजनों में उत्साह का संचार देखा गया। हर कांग्रेस कार्यकर्त्ता उनसे मिलने बेताब नजर आया और सभी कार्यकर्ताओ का हौसला अफजाई जिला अध्यक्ष ने करते हुए उनसे प्रसन्नचित मुद्रा में मिले।

सेवादल अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

भाटापारा। कांग्रेस भवन में सेवा दल का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नवनियुक्त सेवा दल अध्यक्ष भुवनसिह ठाकुर द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुवात की गई। ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत, सेवा दल गीत का आयोजन भी सेवादल व उपस्थित जनों द्वारा गाया गया। सेवादल के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस भवन में हुए इस पहले आयोजन के लिए उपस्थित प्रदेश प्रतिनिधि सतीश अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद अग्रवाल,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष धनंजय तिवारी,ग्रामीण सेवादल अध्यक्ष दिलीप कुमार साहू,अशोक तिवारी आदि ने बधाई दी।

नेता प्रतिपक्ष अमित छाबड़ा एवं पार्षदो ने टेक्स माफ करने को लेकर नगर पालिका अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़ । नगर पालिका परिषद में भाजपा के पार्षदों ने टेक्स माफ़ी को लेकर नगर पालिका सीएमओ को ज्ञापन सौपकर मांग किया की नगर पालिका के द्वारा आम नागरिकों से लेने वाले विविध टेक्स को एक साल तक का टेक्स ना लिया जाये । इस दौरान नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका डोंगरगढ़ के अमित छाबड़ा सहित बीजेपी के पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्षदों ने कहा कि एक तरफ जहा कोरोना वैश्विक महामारी के संक्रमण के चलते देशभर में लाकडाउन किया गया है जिसके चलते आमलोगो की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय हो गई है और लोगो के सामने रोजी रोटी के लिए मशक्क्त करनी पढ़ रही है वही डोंगरगढ़ नगर पालिका के द्वारा लिए जाने वाले टेक्स संप्पत्ति कर , समेकित कर, प्रकाश कर सहित सफाई कर की राशि पालिका क्षेत्र में रहने वाले लोगो से वसूल की जाती है ,लेकिन कोरोना माहमारी के चलते लोगो की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो चुकी है,पालिका के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के पार्षदों ने नगर पालिका पहुंचकर सीएमओ को ज्ञापन सौपकर एक साल का टेक्स लोगो से नहीं लेने और माफ करने के लिए ज्ञापन सौपा है,नेता प्रतिपक्ष अमित छाबड़ा ने कहा की कोरोना काल में लोगो का बुरा हाल है ऐसे में पालिका के द्वारा ली जाने वाली टेक्स पटाने में लोगो को असुविधा के साथ साथ आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है ,इसी के चलते सीएमओ को एक साल का टेक्स नही लिए जाने को लेकर ज्ञापन सौप टेक्स माफी की मांग किया ।

राज्य सरकार की झूठी जानकारी के कारण छत्तीसगढ़ गरीब-कल्याण योजना से वंचित

छुरा। साँसद चुन्नीलाल साहू जी ने कहा की राज्य सरकार की झूठी जानकारी के कारण गरीब कल्याण योजना से वंचित हुआ छत्तीसगढ़। राज्य सरकार ने लोकसभा को जानकारी भेजी, जिसमें महासमुंद लोकसभा से मात्र 722 लोगों का छत्तीसगढ़ से प्रवास बताया, जबकि महासमुंद जिले में 60 हजार 560 प्रवासियों को क्वारेंटाइन किया जाना बताया जा रहा।

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद चुन्नीलाल साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री पूरा देश की जनता को एक ही नजर से देखते हैं और सभी प्रदेशों में समान रूप से सभी योजनाओं का लागू करते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में गरीब कल्याण योजना लागू नहीं करने की राज्य सरकार के आरोप पर कहा कि राज्य सरकार द्वारा गलत जानकारी देने की वजह से छत्तीसगढ़ प्रदेश छूटा है ,केंद्र सरकार द्वारा जिस जिला से 20 से 25 हजार मजदूर पलायन किए गए,वहीं जिलों व प्रदेशों को इस योजना के तहत लिया है। 6 प्रदेश के 116 जिले इस योजना से लाभान्वित हो रहा है ,उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा गलत जानकारी की वजह से केंद्र की इस योजना से छत्तीसगढ़ छूटा है, उन्होंने कहा कि इसी वजह से मगध योजना का भी लाभ नहीं मिल पाया क्योंकि केंद्र सरकार की योजनाओं का आधार इन जिलों से पलायन करने वाले मजदूरों की संख्या तथा सूखा की स्थिति पर होती है किंतु सही जानकारी नहीं भेजने की वजह से नई योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है , उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की झूठी जानकारी के कारण छत्तीसगढ़ के लोग गरीब कल्याण योजना से वंचित हो गए हैं। उन्होंने बताया कि लोकसभा के माध्यम से केंद्र सरकार ने 2020 में राज्य की कांग्रेस सरकार से पूछा था कि छत्तीसगढ़ से कितने लोगों (प्रवासी मजदूरों) ने देश के अन्य राज्यों में पलायन किया है। राज्य सरकार की ओर से केंद्र को बताया कि मात्र सवा लाख प्रवासी मजदूर राज्य से बाहर काम करने गए हैं।

सोनिया और राहुल चीन की भाषा बोलते है : भाजपा

भाटापारा। भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर सनम जांगड़े महामंत्री राकेश तिवारी मंडल अध्यक्ष मनेन्द्र सिंह सोनी एवं भाजपा नेता अशोक साहू ने एक संयुक्त बयान में कहा कि जिस कांग्रेश पार्टी ने 1947 में देश का बंटवारा स्वीकार किया जिसने 1948 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में आधा कश्मीर पाक को भेंट कर दिया जिसने 1962 में चीन के साथ युद्ध में हजारों वर्ग किलोमीटर की जमीन चीन के हाथों गवा दी वही दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना सीमा पार पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक एवं एयर स्ट्राइक जब करती हैं तो उन्नसे सबूत मांगा जाता है ? वही 15 जून की रात भारतीय सैनिक खुद अपने आप को शहादत देकर चीन के 50 सैनिकों को जहन्नुम पहुंचाते हुए देश की सीमाओं को सुरक्षित रखे हुए हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं उनके पुत्र राहुल गांधी प्रधानमंत्री पर देश की सीमाओं को चीन से सुरक्षित नहीं रखने का आरोप लगा कर चीन की भाषा बोल रहे हैं

सियासत | बड़ी संख्या में सोशल प्लेटफार्म से जुड़कर सुना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह का संबोधन

भाजपा की जनसंवाद रैली में जिले के भाजपाईयों ने दिखाया उत्साह

गरियाबंद। रविवार को प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित जनसंवाद रैली में जिले के भाजपाईयो ने जबर्दस्त उत्साह दिखाया। सोशल प्लेटफार्म सिस्को वेबेक्स, फेसबुक, यूट्यूब, ट्वीटर के माध्यम से आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में जिले के भाजपाई शामिल हुए और मुख्य वक्त भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के संबोधन को सुना। भाजपा ने जिला मुख्यालय से लेकर सभी मंडलो एवं बुथ स्तर तक इस कार्यक्रम के प्रसारण की तैयारी की थी। इसके चलते रैली में शहरी क्षेत्र सहित दूरस्थ ग्रामीण अंचल से लगभग एक हजार से अधिक भाजपाई प्रभावी रूप से इसमे जुड़े थे। जिले के अनेको कार्यकर्ताओ ने मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और प्रोजेक्टर के माध्मय से अपने अपने घर से इस कार्यक्रम को देखा और सुना। इस दौरान जन संवाद रैली में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह ने केन्द्र सरकार की छ साल की उपलब्धियो के साथ देशहित और जनहित में लिए गए ऐतिहासिक फैसलो को गिनाते हुए इसे जन जन तक पहुचाने का आव्हान किया। वही प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमनसिंह एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सरोज पांडेय ने राज्य सरकार की नाकामियो पर निशाना साधते हुए सरकार की विफ्लताओ को गिनाया।

जनसंवाद कार्यक्रम में जिला मुख्यालय एवं गरियाबंद मंडल से प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर साहू, जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर, गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, नगर पालिका अध्यक्ष अ. गफ्फार मेमन, जिला मंत्री श्रीमति मिलेश्वरी साहू, आशीष शर्मा, अजय रोहरा, अनूप भोसले, केशव साहू, आसिफ मेमन, प्रकाश यादव, फारूक चैधरी, ताकेश्वरी साहू, रेणुका साहू, बिन्दु सिन्हा, राधेश्याम सोनवानी, आसिफ मेमन, खीरमनी हरपाल, सेवक निषाद, दीपक तिवारी, पलक सहारे सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजुद थे। इसके अलावा पूर्व सांसद चन्दूलाल साहू, विधायक डमरूधर पुजारी, पूर्व विधायक गोवर्धन सिंह मांझी एवं संतोष उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रामकुमार साहू, जिप की पूर्व अध्यक्ष श्वेता शर्मा, जिला महामंत्री पुनीतराम सिन्हा, जिले के प्रमुख पदाधिकारी सहित गरियाबंद से सुरेन्द्र सोनटेके, पांडुका से संदीप पांडेय, राजिम से कमल सिन्हा, फिंगेश्वर से प्यारेलाल सोनकर, छुरा से पिलुराम यादव, मैनपुर से दुलार सिन्हा, गोहरापदर से गुरूनारायण तिवारी, देवभोग से लुद्राक्ष साहू तथा झाखरपारा से सीमाराम यादव के नेतृत्व में मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपाई इस कार्यक्रम में जुड़े थे। कार्यकम को सफ्ल बनाने में भाजपा आईटीसेल एवं सोशल मीडिया टीम की भूमिका अहम रही।

■ न्यूज गैलरी

जिला स्तरीय समिति गठित

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने तृतीय लिंग वर्ग के व्यक्तियों की पहचान एवं कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समिति की गठन किया है। अपर कलेक्टर इस जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, समता जनकल्याण समिति राजनांदगांव के सामाजिक कार्यकर्ता शिशुपाल खोब्रागढ़े, तृतीय लिंग वर्ग के दो प्रतिनिधि मुकेश यादव, डोमन साहू, मनोवैज्ञानिक डॉ. शरद मनोरे सदस्य होंगे। समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक या उप संचालक सदस्य सचिव होंगे।

उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, प्रतिनियुक्ति और संविदा नियुक्ति के लिए 3 तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर द्वारा राजनांदगांव के सर्वेश्वर दास नगर पालिका निगम स्कूल को उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में संचालित किया जा रहा है। इसके लिए उत्कृष्ट प्रबंधन समिति का चयन किया गया है। दो पालियों में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम शाला का संचालन किया जाना है। अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय में अध्यापन कार्य कराने के लिए अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति, संविदा शिक्षकों की नियुक्ति के लिए योग्यताधारी आवेदकों से आवेदन पत्र 3 जुलाई तक आमंत्रित किए गए हैं। आवदेककर्ता आवेदन पत्र बंद लिफाफे में निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। इसके पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 3 जुलाई 2020 शाम 5 बजे तक सर्वेश्वर दास नगर पालिका निगम अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रबंधन समिति राजनांदगांव में जमा किया जा सकता है। विज्ञापन नियमावली एवं आवेदन प्रारूप जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

नेहरू युवा केन्द्र कवर्धा ने जरूरत मंदो को किया मास्क वितरण

कवर्धा। नेहरू युवा केन्द्र कवर्धा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के सयुंक्त तत्वाधान में जिला युवा समन्वयक सौरभ कुमार निषाद के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक लोकेश देवांगन के अगुवाई में कोरोना वायरस के इस कठीन परिस्थिती में लॉक डाउन खुलने पर कवर्धा शहर के वार्ड नं 27 के झोपड़ पट्टी इलाको में जाकर जरूरत मंद लोगो को जो मास्क खरीदने में सक्षम नही हैं ऐसे लोगो को मास्क देकर उन्हें बाहर आने जाने पर मास्क लगाकर ही आने जाने के लिए कहा। साथ ही जब अत्यंत आवश्यक काम हो तब ही घर से बाहर निकलने अन्यथा घर मे ही रहने का सलाह दीये। मास्क वितरण के दौरान नगर पालिका परिषद कवर्धा के उपाध्यक्ष जमील खान, वार्ड के पार्षद हिरेश चतुर्वेदी, भोरमदेव युवा मंडल के अध्यक्ष विजय कुमार साहू, प्रिय प्रकाश साहू साथ ही वार्ड के जागरूक नागरिक अजय चतुर्वेदी,सत्यम कुर्रे ने भी मास्क वितरण में अपना बहुमूल्य समय दिया।

बढ़ते हुए डीजल-पेट्रोल के दामों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन आज

कवर्धा। आज दोपहर 12 बजे स्थानीय कांग्रेस कार्यालय के सामने कवर्धा में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में धरना/प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें कांग्रेस जोन, सेक्टर, वार्ड/बूथ के प्रभारीगण, प्रदेश, जिला व ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच, नगर पालिका/नगर पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, पुर्व पार्षद, पार्षद प्रत्याशी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस ,एनएसयूआई, सेवादल, किसान कांग्रेस, झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक विभाग, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ अनुसुचित जनजाति प्रकोष्ठ, मीडिया विभाग, एवं सभी प्रकोष्ठ के सभी सदस्यगण जन सादर आमंत्रित हैं। लॉक डॉउन के दौरान पिछले तीन माह में पेट्रोल डीजल पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क और कीमतों में बार बार हो रही अनुचित वृद्धि ने भारत के नागरिकों को असीम पीड़ा और परेशानियां दी हैं। जहां एक तरफदेश स्वास्थ्य और आर्थिक महामारी से लड़ रहा है वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार पेट्रोल डीजल की कीमतों और उस पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क को बार बार बढ़ाकर इस मुश्किल वक्त में मुनाफा खोरी कर रही है।

कबीरधाम जिले के तीन क्वारेन्टीन सेंटर में 7 कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की पुष्टि

कवर्धा। कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखण्ड के तीन अलग-अलग क्वारेन्टीन सेंटर में 7 कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में 2 महिला, 1 बच्चा और 4 पुरुष शामिल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस के तिवारी ने बताया कि पंडरिया विकासखण्ड के ग्राम सोढ़ा क्वारेन्टीन सेंटर में 3 व्यक्ति, पावनी में 2 और खैरवार में 2 व्यक्तियों के सेम्पल में कोरोना पाजेटिव रिपोर्ट आई है। इसमें 2 महिला, 1 बच्चा और 4 पुरुष शामिल। सभी प्रवासी श्रमिक है।

जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ गौरव परिहार ने बताया कि उपचार के लिए 3 व्यक्तियों को एम्स रायपुर भेजने की तैयारी है, इसी तरह 4 लोगो को कवर्धा कोविड केयर सेंटर में रखा जाएगा।

कबीरधाम जिले के पांच धान उपार्जन केन्द्रों के भौतिक सत्यापन में 1 करोड़ पांच लाख रूपए के लगभग चार हजार एक सौ क्विंटल धान की कमी पाई गई

■ **पांच धान समिति के कार्यकारणी प्रभारी और कम्प्यूटर ऑपरेटर के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने आदेश**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने कबीरधाम जिले के पांच धान उपार्जन केन्द्रों के भौतिक सत्यापन में चार हजार एक सौ क्विंटल धान की कमी पाए जाने पर संबंधित उपार्जन केन्द्रों के कार्यकारणी समिति, धान खरीदी प्रभारी और कम्प्यूटर ऑपरेटर के विरूद्ध अपराध दर्ज कराने के आदेश दिए है। यह पांच धान उपार्जन केन्द्र पंडरिया विकासखंड के दुल्लापुर, सरईसेत, कोदवागोड़ान, किशुनगढ़ और पाढ़ी करपीगोड़ान है। भौतिक सत्यापन में कमी पाए गए धान के मूल्य लगभग 1 करोड़ 5 लाख रूपए का आंकलन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में सेवा सहकारी समिति द्वारा धान उर्पाजन कार्य किया गया है। कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने धान खरीदी कार्यो का भौतिक सत्यापन कराने के लिए चार अलग-अलग विभागों की संयुक्त टीम बनाकर जांच करने के आदेश दिए थे। इन चार संयुक्त टीम में उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शामिल है। संयुक्त टीम द्वारा कबीरधाम जिले के धान उपार्जन केन्द्र पंडरिया विकासखंड के दुल्लापुर, सरईसेत, कोदवागोड़ान, किशुनगढ़ और पाढ़ी करपीगोड़ान भौतिक सत्यापन किया गया। भौतिक सत्यापन में दुल्लापुर उर्पाजन केन्द्र में 519 क्विंटल धान, सरईसेत उपार्जन केन्द्र में 681 क्विंटल धान, कोदवागोड़ान उपार्जन केन्द्र में 1127 क्विंटल धान, पाढ़ी करपीगोड़ान में 670 क्विंटल धान और किशुनगढ़ धान उर्पाजन केन्द्र में 1 हजार 4 क्विंटल धान की मात्रा कम पाया गया। संयुक्त टीम द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने संबंधित उर्पाजन केन्द्र के प्रभारी, कार्यकारणी समिति और कम्प्यूटर ऑपरेटर के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कराने के आदेश दिए है। जिला खाद्य अधिकारी अरूण कुमार मेश्राम ने बताया कि जिले के अन्य धान समिति केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कार्य संयुक्त टीम द्वारा किया जा रहा है।

चार आरोपी सहित 85 किलो गांजा जप्त, चिल्फी पुलिस ने की कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

चिल्फीघाटी। मुखबीर की सूचना पर गांजा तस्करो को पकडने में कबीरधाम जिले के चिल्फी थाना पुलिस को सफलता मिली है। ज्यादातर अवैध रूप से गांजा तस्करी के मामले चिल्फी क्षेत्र से ही पकडे जा रहे है। ज्ञात हो कि पुलिस को रविवार को थाना चिल्फी, जिला कबीरधाम को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई, कि एक स्लेटी कलर का बोलेरो एवं 407 ट्रक जो जबलपुर रायपुर नेशनल हाईवे पर तेज गति से परिवहन करते हुए जबलपुर मध्यप्रदेश की ओर से आ रही है। उक्त वाहन में बैठे व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही है, कि उक्त सूचना के संबंध में थाना प्रभारी चिल्फी निरीक्षक रमाकांत तिवारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सूचना की तस्दीकी हेतु नाकाबंदी पांईट लगाकर वाहनों की चेंकिंग करने निर्देशित किया गया। जिस पर थाना चिल्फी स्टाफ द्वारा रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे रोड में थाने के सामने नाकाबंदी पांईट लगाया जाकर मार्गो में गुजर रहे वाहनों की चेंकिग की गई कुछ समय पश्चात् मुखबीर द्वारा बताये गये जानकारी अनुसार चार पहिया वाहन महिंद्रा बोलेरो स्लेटी कलर वा 407 वाहन आई। जिसे रूकवाकर उसमें सवार व्यक्तियों से पुछताछ करने पर अपना नाम परमानंद दुबे पिता धनीराम दुबे उम्र 45 वर्ष दूसरा आरोपी जगदीश प्रसाद रैकवार पिता पूरन लाल रैकवार उम्र 29 वर्ष जिला छतरपुर मध्य प्रदेश तीसरा आरोपी शंभू सिंह पिता प्रहलाद सिंह मीणा मध्य प्रदेश उम्र 27 वर्ष चैथा आरोपी पवन कुमार पिता दुर्गा प्रसाद उम्र 31 वर्ष जिला गुना मध्य प्रदेश का होना बताया तथा जबलपुर मध्यप्रदेश की ओर से आना बताये। वाहन की विधिसंगत् तलाशी लेने पर वाहन में विभिन्न पैकेटो में मादक पदार्थ गांजा पाया गया। जिनके संबंध में वाहन सवार व्यक्तियों से पुछताछ करने पर उक्त मादक पदार्थ गांजा को अवैध रूप से धन अर्जित करने हेतु बिक्री करने ले जाना बताया गया। जिस पर वाहन सवार व्यक्तियों का उक्त .त्य अपराध धारा नारकोटिक एक्ट के तहत् .त्य करना पाये जाने से आरोपियों को गिरतार किया गया तथा आरोपियों से कुल 85 किलो 200ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 4,25000 रूपये दूसरे वाहन से 50 किलो गांजा कीमती 2,50000एवं एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो और 407 वाहन को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। उपरोक्त संपूर्ण कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक के.एल.ध्रुव एवं अति पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी व अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला अजीत ओग्रे के दिशा-निर्देश मे निरीक्षक थाना प्रभारी चिल्पी रमाकांत तिवारी सहायक उपनिरीक्षक गोविंद चंद्रवंशी प्रधान आरक्षक महेंद्र नेताम महेश पांडे आरक्षक पंकज सुनील हिरदेश अभिषेक कौशल राकेश साहू वीरेंद्र कौशल डिंडोरी व समस्त चिल्फी स्टाफका विशेष योगदान रहा।

फर्जी मस्टररोल हुआ साबित मगर कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति - सुनील

कवर्धा। युवा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) द्वारा जिलाध्यक्ष (शहर) सुनील के केशरवानी के नेतृत्व में ग्राम कांपा में फर्जी मस्टररोल भरकर धांधली किये जाने के सम्बंध में टी.एस.सिंहदेव ग्रामीण पंचायत केबिनेट मंत्री (छ.ग) शासन मो.अकबर केबिनेट मंत्री एवं विधानसभा सदस्य कवर्धा और जिलाधीश कबीरधाम को ज्ञापन सौपा गया। जिलाध्यक्ष शहर सुनील केशरवानी ने बताया कि ग्राम - कांपा तहसील बोड़ला के वासियों द्वारा महात्मागांधी मनरेगा अंतर्गत वर्ष-2020 में तालाब गहरीकरण 1,80,400/-रूपये का धांधली मस्टररोल में फर्जी हाजरी भर कर किया गया । उक्त शिकायत की जांच जिला स्तरीय जांच टीम द्वारा कराई गई है जिसमे कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा लापरवाही बरती गई है जो जांच में आया है जिसके कारण जिला पंचायत द्वारा कार्यवाही के लिए पत्र जारी किया गया है। फर्जी मस्टररोल साबित हो चुकी है मगर कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति न किया जाए। इस गंभीर विषय को देखते हुए तत्काल कार्यवाही कर एफआईआर एवं उक्त राशि गबन की राशि वसूली किया जाना चाहिए। ग्राम कापा के युवा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के सदस्य देवराज साहू ,राजाराम साहू ,तीरथ साहू ने बताया कि जिलापंचायत द्वारा सिर्फ गबन की राशि को वसूलने का आदेश जारी किया गया है इसमें किसी भी प्रकार का मामला दर्ज नही किया गया है और न ही उक्त राशि की वसूली हो पायी है। शासन प्रसाशन से यही मांग है कि जल्द से जल्द ही कार्यवाही की जाए। कार्यवाही नही होने पर युवा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) आंदोलन करने पर विवश होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पूर्व सरपंच के घर में चोरी का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

दशरंगपुर। ग्राम बहरमुड़ा में पूर्व सरपंच के घर चोरी करने की नियत से घर मे घूसे एक आरोपी को पुलिस ने गिरतार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बहरमुडा निवासी उमेश पिता शरद निर्मलकर उम्र 20 वर्श द्वारा शुक्रवार की दरम्यानी रात पूर्व सरपंच बहरमुडा रामचंद्र साहू के घर में रात 3 बजे चोरी की नियत से प्रवेश किया था। जिसे पिपरिया थाना प्रभारी कपिल देव चंद्रा के दिशा निर्देश मे त्वरित कार्यवाही करते हुए चैकी प्रभारी दशरंपुर सहायक उप निरीक्षक देवचरण राजपूत द्वारा आरोपी उमेश निर्मलकर को गिरतार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 184/2020 धारा 45 का मामला पंजीबद्ध किया गया। इस कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक मानसिंह, आरक्षक देवचरण राजपूत, प्रधान आरक्षक दीपक शर्मा, आरक्षक गेंदलाल राज का योगदान रहा।

खेत में मिली सड़ी गली लाश, मामले की जांच में जुटी पुलिस

कुंडा। कबीरधाम जिलें के कुंडा थाना अंतर्गत ग्राम रेहुंटा कला में उस वक्त हडकम्प मच गया जब खेत मे लाश मिलने की खबर ग्रामीणो को मिली लाश सडी गली हालत मे थी। ग्रामणीो की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। दरअसल पूरा मामला कुंडा थाने के रहुंटा कला का है जहां ननकू राम साहू ने 6 दिन पहले अपने बेट दुजराम साहू के लापता होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी जिस पर कार्रवाई करते हुए ग्रामीणो की सूचना पर शनिवार को पुलिस ने गांव के ही खेत में दुजराम की सडी गली लाश बरामद की है। मृतक के जेब से मोबाइल और पास में ही शराब की बोतल और सल्फॉस की आधी भरी शीशी भी मिली है। लोगो की माने तो मृतक दुजराम आदतन शराबी था। आशंका जताई जा रही है कि मृतक ने आत्महत्या की है या किसी ने हत्या की है ये सब पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पश्ट होगा। बहरहाल पुलिस जांच में जुटी है।

नर्मदा नाला के बहाव क्षेत्र में पारगमन कर कार्यो का लिया गया जायजा

कवर्धा। सुराजी गांव योजना के अंतर्गत नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी के तहत स.लोहारा विकासखण्ड में नरवा अंतर्गत नर्मदा नाला में कराये जा रहे कार्यो का कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के. ने शनिवार को पारगमन (ट्रांजिट वाक) कर कार्यो का निरीक्षण किया। नर्मदा नाला के प्रारंभीक बहाव स्थल ग्राम पंचायत कोयलारी से नरोधी पंचायत तक कराए जा रहें कार्यो का सुक्ष्म अवलोकन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने कोयलारी के जंगलो से होते हुए नर्मदा नाला के बहाव स्थल पर बनने वाले लूज बोल्डर चेक डेम के निर्माण कार्य में लगे मनरेगा के मजदूरों से चर्चा की। कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिये।

कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने सीईओ जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निर्माणाधीन कार्यो को तत्काल पूर्ण कराये जिससे की इसी बरसात में नरवा से ग्रामीणों को लाभ मिलने लगे। ग्राम भींभौरी में बनाये जा रहें गेबियन स्ट्रक्चर का निरीक्षण भी किया गया। कलेक्टर ने वन विभाग की भूमि में नरवा के तहत ब्लॉक प्लांटेशन कराने के निर्देश संबंधितों को दिये।

नवनिर्मित बस स्टैण्ड बना शराबियों का अड्डा, पुलिस ने की कार्यवाही

स.लोहारा। स.लोहारा पुलिस ने नगर के सार्वजनिक स्थलों पर शराब खोरी करने वालों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के नवनिर्मित बस स्टैण्ड में शराबियों द्वारा लगातार शराबखोरी किए जाने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। जिसे देखते हुए थाना प्रभारी अनिल शर्मा के निर्देश में त्वरित कार्यवाही करते हुए लोहारा पुलिस के द्वारा नए बस स्टैण्ड सहसपुर लोहारा में शराबखोरी करने वाले जगन्नाथ पिता खोरबहरा जायसवाल ग्राम सिंगापुर एंव धनुश पटेल पिता श्यामलाल पटेल निवासी बडौदाकला के विरूद्ध दो अलग-अलग प्रकरणो में आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है तथा नए बस स्टैण्ड सहसपुर लोहारा में पुलिस द्वारा लगातार पुलिस पेट्रोलिंग कर कार्यवाही किए जाने की बात कही है।

कोरोना संक्रमित सेठी नगर पहुंचा अमला

■ **सावधानी में लापरवाही न करने दी समझाईश**

राजनांदगांव। शहर के लखोली स्थित सेठी नगर में लगातार बढ़ रहे संक्रमण और लोगों द्वारा न बरती जा रही सावधानी को दुरुस्त करने आखिर पुलिस अधिकारियों ने खुद सेठी नगर का रूख किया। सेठी नगर सहित लखोली वासियों द्वारा जांच में सहयोग न करना भी प्रशासन कि चिंता का कारण बना है।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे तथा नगर पुलिस अधीक्षक मणि शंकर चंद्रा एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला शहर के सर्वाधिक संक्रमित लखोली क्षेत्र के सेठी नगर पहुँचा। पुलिस को पता चला था कि वहां के निवासी सामाजिक दूरी का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके द्वारा मुंह पर मास्क भी नहीं लगाया जा रहा है। महामारी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भी सेठी नगर के लोग खुद का परीक्षण कराने सहयोग नहीं कर रहे है, यह भी देखने में आया है कि बहुत से लोगों ने जांच के भय से घरों में ताला लगाकर प्रशासन के लिए परेशानी पैदा की है। पुलिस अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अमले ने लोगों को समझा-बुझाकर कोरोना टेस्ट के लिए तैयार किया और संदिग्ध लोगों को मरेंटिन सेंटर तक पहुंचाया।

शिक्षा की अलख | **जिला नोडल अधिकारी ने शिक्षकों से मोबाईल पर जानी अभियान की प्रगति**

पढ़ाई तुंहर दुआर अभियान की जिला स्तरीय विभागीय बैठक आयोजित

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित पढ़ई तुंहर दुआर अभियान के राजनांदगॉव जिला नोडल अधिकारी एवं डीएमसी भूपेश साहू तथा जिला मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी एवं एपीसी सतीश ब्यौहरे द्वारा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं सहयोगियों की बैठक जिला कार्यालय में आहूत की गई एवं राजनांदगॉव जिला अंतर्गत पढ़ई तुंहर दुआर अभियान की अद्यतन स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इस विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारीद्वय द्वारा पढ़ई तुंहर दुआर अभियान के प्रचार-प्रसार एवं प्रगति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस बैठक में जिला स्तरीय मीडिया प्रकोष्ठ सहयोगीगण दुर्गेश त्रिवेदी, पीआर झाड़े, दिनेश सोनी, खिलावन सिंह ठाकुर, अनिल शर्मा, गुफरान सिद्धीकी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पढ़ई तुंहर दुआर अभियान की प्रगति के संबंध में विभिन्न बिन्दुओं पर आवश्यक परिचर्चा की गई, जिसमें वेब पोर्टल सीजीस्कूलडॉटइन में सभी बच्चों का पंजीयन बढ़ाने के संबंध में प्रयास करने संबंधी, आनलाईन वर्चुअल क्लास के माध्यम से प्रत्येक शाला के सभी शिक्षकों द्वारा बारी बारी से कक्षाएँ संचालित करके विद्यार्थियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने संबंधी, बच्चों एवं पालकों को आनलाईन मीटिंग एप्प से जोड़कर बच्चों की शिक्षा के लिये जागरूक एवं प्रेरित करने संबंधी अवाश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके साथ ही डीएमसी भूपेश साहू ने शिक्षकों को प्रतिदिन छात्रों एवं पालकों से बातचीत कर आनलाईन उपस्थिति बढ़ाने के लिये एवं अधिक से अधिक छात्रों के आनलाईन पंजीयन के संबंध में प्रयास करने संबंधी दिशा-निर्देश दिया। एपीसी सतीश ब्यौहरे ने बच्चों को आनलाईन क्लास लेते समय कक्षाओं की अवधि सीमित रखने और आनलाईन मीटिंग एप्प के माध्यम से मीटिंग का शेड्यूल बनाते समय छात्रों एवं उनके पालकों के पास मोबाईल सुविधा सरलता से उपलब्ध रहने वाले समय का चयन करने पर जोर दिया। इस बैठक में विद्यार्थियों को आनलाईन छोटे-छोटे होमवर्क देने, विद्यार्थियों से आनलाईन प्राप्त होमवर्क को चेक करके वापस भेजने और छोटे.छोटे आनलाईन प्रोजेक्ट, एसाईनमेंट देकर उनमें आनलाईन शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करने एवं उनसे कनेक्टीविटी बढ़ाने के लिये विशेष प्रयास करने पर बल दिया गया।

जिंक राईस -1 और गोल्डन राइस के बाद अब बायोफोर्टीफाइड गेहूं और मक्का

■ दूर की जा सकेगी प्रोटीन, आयरन जैसे 22 सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी

भाटापारा। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की आवश्यकता के लिए दवाइयों का सहारा लेने से अब बहुत जल्द छुटकारा मिलने जा रहा है। धान और गेहूं के बाद कृषि वैज्ञानिक मक्का बाजरा और गेहूं की ऐसी प्रजाति तैयार करने में सफलता पाने के करीब पहुंच चुके है जो आयरन और प्रोटीन की कमी जैसी समस्या से छुटकारा दिलाने में मददगार बनेगी। इनमें धान में छत्तीसगढ़ जिंक राईस -1 पहुंच चुकी है तो गोल्डन राइस बहुत जल्द खेतों तक पहुंचेगा। इसे बायोफोर्टीफाइड धान के नाम से जाना जाएगा।

कुपोषण अब प्रदेश और देश की सीमा से निकलकर विश्व स्तर पर पहुंच फैल चुका है। अनेक तरह की दवाइयों की उपलब्धता के बीच आखिरकार यह पाया गया कि जब तक दैनिक आहार में सूक्ष्म पोषक तत्व की उपलब्धता आसान नहीं की जाएगी तब तक इस समस्या से निजात पाना संभव नहीं है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों की मदद लेने का फैसला किया गया। देश विदेश के कृषि वैज्ञानिकों ने इस पर काम चालू किया। प्रदेश स्तर पर इस महत्वपूर्ण काम की जिम्मेदारी संभाली इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने। जेनेटिक प्लांट्स एंड ब्रीडिंग सेंटर ने इस पर जो अनुसंधान किया उसके बाद जो पहला बायोफोर्टीफाइड धान तैयार हुआ उसे छत्तीसगढ़ जिंक राइस- वन के नाम से पहचान मिली। धान की यह प्रजाति जिंक की कमी को पूरा करती है। इस सफलता के बाद रिसर्च का दायरा और बढ़ाया गया और अब गोल्डन राइस बहुत जल्द किसानों तक पहुंचने वाला है।

इसलिए बायोफोर्टिफिकेशन

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर करने के लिए 22 प्रमुख खनिज की मात्रा का आहार में होना आवश्यक है लेकिन इनकी कमी की वजह से कुपोषण की समस्या विश्व स्तर पर फैल चुकी है। इससे आर्थिक सामाजिक विकास के रास्ते बंद होते हैं। बाजार में जरूरी दवाइयां तो है लेकिन यह उन परिवारों की क्रय शक्ति से बाहर है जो कुपोषण का सामना कर रहे हैं। लिहाजा ऐसे सभी सूक्ष्म पोषक तत्वों की सहज उपलब्धता के लिए चावल गेहूं मक्का ज्वार और बाजरा में पहुंचाने का जिम्मा कृषि वैज्ञानिकों को दिया गया है जिस में सफलता मिलने लगी है।

ऐसे पहुंचाए सूक्ष्म पोषक तत्व

जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों ने सबसे पहले ऐसी खाद्य सामग्रियों का चयन किया जिनकी आसान पहुंच है। इसमें चावल गेहूं और मक्का के साथ बाजरा मुख्य है। सूक्ष्म पोषक तत्वों में से उस खनिज की पहचान सबसे पहले की गई जिसकी मात्रा इनमें कम थी। बंधनकारी प्रोटीन का पता लगा कर जिम्मेदार जीन को उर्वरक की मदद से पौधों तक पहुंचाया जाता है और इस तरह से यह तत्व जड़ों से होते हुए अनाज तक पहुंचते हैं। इसमें प्रयोग के बाद मिली सफलता से अपने प्रदेश में सबसे पहले जिंक की प्रतिपूर्ति करने वाला धान तैयार किया गया जिसे छत्तीसगढ़ जिंक राइस -वन के नाम से पहचान मिल चुकी है।

अब गेहूं मक्का और बाजरा

धान में छत्तीसगढ़ जिंक राइस-वन के बाद प्रोटीन वाली धान की नई किस्म गोल्डन राइस बहुत जल्द खेतों तक पहुंचेगी तो प्रोटीन वाली मक्का भी तैयार होने की अंतिम सीढ़ी पर पहुंच चुका है। इसी तरह बाजरा और गेहूं की भी आयरन व प्रोटीन वाली बायोफोर्टीफाइड प्रजाति तैयार हो रही है जिनकी मदद से कुपोषण को दैनिक आहार की चीजों में शामिल किया जा कर खत्म किया जा सकेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि बच्चों में कुपोषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए स्कूलों में दिए जा रहे हैं मध्यान भोजन में ऐसे बायोफोर्टीफाइड अनाज को शामिल किए जाने के विचार हैं।

> दैनिक आहार में उपयोग की जाने वाली चावल गेहूं मक्का और बाजरा की ऐसी किस्मों पर अनुसंधान किया जा रहा है जिनकी मदद से कुपोषण की समस्या से छुटकारा पाया जा सकेगा। इस क्रम में छत्तीसगढ़ जिंक राइस -वन किसानों तक पहुंच चुका है। शेष किस्में भी बहुत जल्द किसानों तक पहुंचाने के प्रयास है।
>
> **- डॉ संदीप भंडारकर,** साइंटिस्ट, कृषि महाविद्यालय महासमुंद

कृषि मंत्री ने नपं कार्यालय में किया वृक्षारोपण

बेमेतरा/साजा। नगर पंचायत साजा में वृक्षारोपण के कार्यक्रम के तहत आज रविवार को कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने नगर पंचायत साजा कार्यालय में चंदन का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर नगर पंचायत साजा अध्यक्ष शालिनी मनोज जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि मनोज जायसवाल एवं संतोष वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस, उपाध्यक्ष युगेश्वर सोनी, पार्षदगण लोकेश्वरी साहू, बिसरू राम साहू, राजेश ठाकुर, ज्योति राठी, दुर्गा गोयल , पुष्पा सिन्हा, हंसा शर्मा, अवधेश गोयल, संतोष यादव, खेमेश्वरी साहू, एल्डरमैन जितेंद्र जैन, शांता निर्मलकर, विप्लव गौरहा, टुकेश देशमुख उपस्तिथ रहे।

विधायक छाबड़ा के प्रयासों से मिली विकास कार्यो की सौगातें

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा की सक्रियता केवल कोरोना वायरस संक्रमण रोकने तक ही सीमित नही है, बल्कि वे बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य के साथ ही उनके सुविधाओं के लिए भी उतने ही सजग हैं। उनके द्वारा वर्षो से मांग किये जा रहें पहुच मार्ग निर्माण कार्य की मांग को पूरी ताकत से लोकनिर्माण विभाग मंत्री तथा क्षेत्र के पूर्व विधायक रहे मंत्री ताम्रध्वज साहू के समक्ष रखा गया तथा इन सड़कों की उपयोगिता एवं ना होने से जनता को हो रही परेशानियों से अवगत कराया गया तथा बताया गया कि भाजपा शासन में जनता की इन मूल-भूत मांगो को किस तरह नजर अंदाज किया गया जिस पर विभागीय मंत्री ताम्रध्वज साहू के द्वारा बेमेतरा विधायक श्री छाबड़ा की बातों पर सहमति व्यक्त करते हुये - जिला बेमेतरा के बेरला ब्लाक के तारालिम प्रायमरी स्कूल पहुँच मार्ग निर्माण कार्य राशि 49.98 लाख, देवरी-जमघट मार्ग(अछोली) से चेटुवा स्कूल पहुँच मार्ग निर्माण कार्य राशि 50 लाख, जिला बेमेतरा के बेरला ब्लाक के तारालिम मेन रोड़ से बस्ती पहुँच मार्ग निर्माण कार्य राशि 49.98 लाख, जिला बेमेतरा के ब्लाक बेमेतरा के बहेरा(का) में रोड़ से आगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02, सामुदायिक भवन पहुच मार्ग निर्माण कार्य राशि 49.98 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। विधायक श्री छाबड़ा जी ने बताया कि वर्षो से जनता की बहुप्रतीक्षित मार्ग पूरी होने से ग्राम वासियों को बरसात के मौसम में आवागमन में होने वाली दिक्कतों से निजात मिलेगी। विधायक आशीष छाबड़ा ने पहुँच मार्गो की स्वीकृती मिलने पर प्रदेश के यसस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक ताम्रध्वज साहू के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त करते हुए इनके सानिध्य में बेमेतरा क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास की बात कही है।

गोधन न्याय योजना-पशुपालकों के चेहरे पर लायेगी मुस्कान

बेमेतरा/साजा। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा जो पशुपालकों को लाभ पहुँचाने के लिए गोबर खरीदेगा। ÷गोधन न्याय योजना÷ प्रदेश मे पारंपरिक हरेली पर्व से इस अभिनव योजना की शुरुआत होने जा रही है। प्रदेश सरकार की इस नई योजना से गौ पालन और गोबर प्रबंधन से निश्चित ही पशुपालको को लाभ होगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने खुले मे चराई की रोकथाम तथा सड़कों एवं शहरों मे जहां-तहां आवारा घुमते पशुओ के प्रबंधन एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए छत्तीसगढ़ राज्य मे गोधन न्याय योजना शुरु करने का एलान किया है। सरकार की इस अभिनव योजना से गौ-पालन और गोबर प्रबंधन से पशुपालको को लाभ होगा गांव मे बढ़ेंगें रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर। इस तरह प्रदेश सरकार की गोधन न्याय योजना बनेगी वरदान-पशुपालकों के चेहरे पे लायेगी मुस्कान। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया है, और सरकार द्वारा

इस दिशा मे कार्य किया जा रहा है।

कृषि प्रधान बेमेतरा जिले मे गोधन न्याय योजना किसानों के लिए वरदान साबित होगी। जिले के किसानों के पास खेती के अलावा और कोई भी आय का साधन नही है। ऐसी स्थिति मे राज्य सरकार की दूरदर्शिता से पशु मालिको तथा किसानों के हित मे बनाई गई यह योजना बेमेतरा जिले के किसानों के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। इस योजना से किसान अतिरिक्त आमदनी जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते है। हालांकि इस योजन से किसानो को ही नही हर वर्ग को फायदा होगा। वनांचल क्षेत्र के लोग लघु वनोपज का संग्रहण कर अपनी आजिविका चलाते है। बेमेतरा जिला मे वन का प्रतिशत शून्य है, यह जिला एक मैदानी जिला के रुप मे जाना जाता है। कृषि के क्षेत्र मे बेमेतरा जिला मूलरुप से अपने उन्हारी उत्पादन के लिए विख्यात है। यहां चने की बढ़िया पैदावार होती है। एशिया महाद्वीप का सबसे बढ़िया चना बेमेतरा जिले मे उत्पादन किया जाता है। प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप सुराजी गांव योजना नरवा, गरुवा, घुरवा अऊ बाड़ी के अंर्तगत महात्मा गांधी नरेगा के अंर्तगत सभी चार विकासखण्डों मे कुल 191 गौठान निर्माण कार्य लिये गये हैं, इसमे प्रथम चरण मे 66 मे 63 निर्माण कार्य पूर्ण हो गये है। द्वितीय चरण मे 125 गौठान निर्माण कार्य मे 32 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, शेष कार्य प्रगतिरत है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि शहरों मे आवारा घुमते पशुओं की रोकथाम, गोबर क्रय से लेकर इसके जरिए वर्मी कम्पोस्ट खाद के उत्पादन की पूरी व्यवस्था नगरीय प्रशासन विभाग करेगा। पूरी तरह से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आधार पर इस योजना का प्लान तैयार किया गया है। इससे किसानों और पशु पालकों को अतिरिक्त आमदनी सृजित होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शहरों मे खुले मे घुमने वाले पशुओं की होगी रोकथाम, जानमाल एवं फसल नुकसान पर लगेगी लगाम। मुख्यमंत्री का मानना है कि वर्मी कम्पोस्ट के जरिए जैविक खेती की ओर बढेंगे। इसके अतिरिक्त रसायनिक खादों की तरह के साइड इफेक्ट से भी फसलों को निजात मिलेगी और किसान बेहतर फसल ले पाएंगे।

हर रोज मौसम बदल रहा अपना किरदार,कभी बादल तो कभी बारिश

अर्जुनी(नवप्रदेश)। मानसून लगने के उपरांत अंचल में मौसम हर रोज अपने नए किरदार में नजर आ रहे हैं कभी तेज वर्षा तो कभी बूंदाबांदी वंही रविवार की शाम 4 बजकर 30 मिनट बादल इस तरह छाया रहा कि शाम और रात में फर्क समझना मुश्किल था।

भाटापारा का ईश्वर साहू सहित 7 जुवारियों को ग्रामीण पुलिस ने जुआ खेलते पकड़ा

■ जुआरियों से 1,85,070 रूपये सहित 7 नग मोबाईल और 3 कार जब्त

भाटापारा। ताश पत्ती का जुवां खेल रहे 7 जुवाडियो को ग्रामीण पुलिस ने पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़ाए जुवाडियो के कब्जे से 1लाख 85 हजार से ज्यादा रकम के साथ साथ 7 नग मोबाईल और 3 नग कार को मौके से जब्त किया है। पकड़ाए जुवाडियो में नगर का ईश्वर साहू भी शामिल है,जबकि अन्य रायपुर ,बिलासपुर और मुंगेली जिले के निवासी है।ग्रामीण पुलिस सभी के खिलाफ जुवां एक्ट के आलावा धारा 188,34 महामारी एक्ट के तहत पृथक से कार्यवाही की है।

उपरोक्त सम्बन्ध में ग्रामीण थाना से मिली जानकारी अनुसार शनिवार की शाम निपनिया तरफ रवाना हुयी पेट्रोलिंग पार्टी को मुखबीर सूचना मिली कि ग्राम सिल्वा शिवनाथ नदी एनीकट के पास कुछ व्यक्ति सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करते हुए बिना मास्क लगाये इक्ठठा होकर तास पत्ती से काट पत्ती नाम जुआ खेल रहे है तथा शासन के लाकडाउन का उल्लंघन भी कर रहे है । सुचना से पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर को अवगत कराया गया और उनके निर्देश पर मौके पर ग्रामीण पुलिस रवाना होकर सिल्वा शिवनाथ एनीकट पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। मौके पर जुआडियान ताश पत्ती से हार जीत का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से काट पत्ती नामक जुआ खेलते रंगे हाथ पकडाये। जहा पर जुआडियान द्वारा बिना मास्क लगाये सोशल डिस्टेसिगं का पालन करते हुये जुआ खेलकर कोरोना वायरस सक्रमण को बढाने मे मदद कर रहे थे।

ग्रामीण पुलिस ने बताया की पकड़ाया जुवाड़ी में क्रमशः 01 मनोज अग्रवाल कबीर नगर रायपुर के पास से 1500 रू फड़ से 3500 कुल 5000 रू एक नग चारपहिया वाहन स्वीप्ट, 01 नग रियल मी मोबाईल ,,02. सुखचंद लहरे तिफरा बिलासपुर के पास से 3000 रू फड़ से 27000 कुल 30000रू एक नग चार पहिया वाहन एवेजर, एक नग सैमसंग मोबाईल जे -7,, 03. मिथलेश ठाकुर खमतराई रायपुर के पास से 29000रू फड़ से 90000 रू कुल 119000 रू एक नग मोबाईल वीवो माडल 1724,, 04. देवकांत दुबे सेमरताल बिलासपुर के पास से 7000 रू फड़ से 13000 कुल 20000 रू एक नग मोबाईल ओप्पो जब्त किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन के टिकटॉक को टक्कर...
उल्लेखनीय है पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर पिछले कुछ दिनों से भारत और चीन के बीच तनातनी का माहौल चल रहा है। चीनी सेना द्वारा धोखे से किए गए हमले में भारत के 20 जवान भी शहीद हो चुके हैं। इनमें छत्तीसगढ़ का भी जवान शामिल हैं। झड़प में चीनी सैनिकों के भी मारे जाने की खबर है। बहरहाल इस हिंसक झड़प के बाद से छत्तीसगढ़ समेत देशभर में चीनी वस्तुओं का बहिष्कार किया जाने लगा है। लोगा चीन उत्पादों की होली जला रहे है। व्यापारी भी चीनी वस्तुओं के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। देश में चीन मोबाइल ऐप का भी बहिष्कार किया जाने लगा है। ऐसे में भिलाई के सुमित घोष का बनाया ऐप चिंगारी लोगों के इंटरटेन के काम आ रहा है।

2009 में स्थापित की कंपनी, आईटीसी भी खरीद चुका सुमित का बनाया ऐप

सुमित ने नवप्रदेश से खास बातचीत में बताया कि से जुड़े लोगों ने बताया कि उसने 2009 में ग्लोबूसॉफ्ट नाम से कंपनी स्थापित की। कंपनी का ऑफिस भिलाई के टीटी नगर में सीएचपीएल कॉम्प्लेक्स में स्थित है। बंगलुरु के आईटी पार्क में भी उनका ऑफिस है। सुमित ने एम्प्लाइज को हैंडल करने के लिए एक ऐप बनाया है, जिसे आईटीसी ने अच्छे-खासे दाम देकर खरीदा है।

सिलिकॉन वैली में लगा है आजना जाना

सुमित का अपने क्षेत्र से जुड़े काम के लिए अमेरिका के आईटी हब सिलिकॉन वैली में माह-दो माह में आना-जाना होता है। भिलाई स्थिति सुमित की कंपनी के ऑफिस में लगे बोर्ड के मुताबिक ग्लोबूसॉफ्ट 100 फीसदी एक्सपोर्ट ओरिएंटेड कंपनी है। यह कंपनी आईएसओ प्रमाणित है, जिसका सर्टिफिकेशन नंबर है 9001200। सुमित ने अपने एम्लाइज के लिए दफ्तर परिसर में ही जिम व फिटनेस सेंटर की भी सुविधा है।

चीनी दान के कारण...
चार चीनी यात्राओं में हमने उनकी चीन के साथ निकटता देखी है। वे एकमात्र प्रधानमंत्री है जिन्होंने पांच बार चीन की यात्रा की है।

रिपोर्ट के हवाले से...
चाहिए कि क्या टिक टॉक ने 30 हजार करोड़ रुपए दिए है। क्या 38 प्रतिशत चीनी स्वामित्व वाली कंपनी पेटीएम ने 100 करोड़ का दान दिया है। क्या चीनी कंपनी एमआई ने विवादित कोष में 15 करोड़ रुपए दिए हैं। क्या चीनी कंपनी ओपो ने इस कोष में एक करोड़ का डोनेशन दिया है। क्या पीएम मोदी ने एनआरएफ में प्राप्त राशि को पीएम केयर्स फंड में डायवर्ट कर दिया है। और कितने सौ करोड़ डायवर्ट कर दिया गया है। यदि भारत के प्रधानमंत्री विवादास्पद व पारदर्शिता से रहित कोष में चीनी कंपनियों से मिले सैकड़ों करोड़ के दान को स्वीकार कर अपनी स्थिति से समझौता करेंगे तो वह चीन के अतिक्रमण से देश की रक्षा कैसे करेंगे। प्रधानमंत्री को इसका जवाब देना होगा।

दोस्ती निभाने के साथ ही...
परिवारों की तरह ही, हर भारतीय, इन्हें खोने का दर्द भी अनुभव कर रहा है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा भारतः देश में रक्षा तैयारियों के विषय में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के पहले हमारा देश रक्षा क्षेत्र में दुनिया के कई देशों से आगे था। हमारे यहाँ कई आयुध कारखाने थे। उस समय कई देश जो हमसे बहुत पीछे थे वो आज हमसे आगे हैं। आज़ादी के बाद रक्षा क्षेत्र में हमें जो प्रयास करने चाहिए थे, हमें अपने पुराने अनुभवों का जो लाभ उठाना चाहिए था, हम उसका लाभ नहीं उठा पाए। आज लेकिन रक्षा क्षेत्र और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, भारत आगे बढ़ने का निरंतर प्रयास कर रहा है, भारत आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा है।

छग के किसानों को...
1183 करोड़ रुपए का अधिक ऋण वितरण हो चुका है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर किसानों को ऋण और खाद-बीज के वितरण के लिए सहकारी समितियों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। खरीफ फसलों के लिए सहकारिता के माध्यम से कुल 6.35 मीट्रिक टन रासायनिक खाद के भंडारण का लक्ष्य रखा गया है। 26 जून तक सहकारी समितियों में 5.77 लाख मी.टन खाद का भंडारण किया जा चुका है जो कि कुल लक्ष्य का 90.81 प्रतिशत है।

खतरे में ओली की कुर्सी...
रविवार को एक कार्यक्रम में कहा, 'देश का नया नक्शा जारी करने और संसद से इसे पास कराने की वजह से मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है।

सीएम भूपेश सरकार की गोबर...
गोमूत्र को 5 रुपए और 10 रुपए किलो की दर से खरीदने की मांग की गई थी। रासायनिक खाद में दी जाने वाली सब्सिडी को खत्म करके गो आधारित जैविक खाद को प्रोत्साहित करने की मांग की गई थी। इस संबंध में 22 नवंबर 2020 को पुनः ज्ञापन सौपा जाएगा।

अब ऐसी ट्रेन की बोगियों...
ज्यादा हवा को बदलते हैं, जैसा कि ऑपरेशन थियेटरों में होता है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर रेलवे ने कोरोना वायरस के हल्के मामलों के लिए पृथक बोगियों के तौर पर अपनी गैर-एसी वाली बोगियों में सुधार किया है। उन्होंने इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए विशेष राजधानी ट्रेनों पर एसी यूनिटों में भी बदलाव करने के स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देशों को लागू किया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिकित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रु. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
53/64757	CONSTRUCTION OF 6 NO. CLASS ROOM AT SANSKRIT COLLEGE UNDER RUSA 2.9 PROJECT, RAIPUR (C.G.)	रु. 88.33 लाख	दिनांक 14.07.2020 समय 17:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्रं.-1
रायपुर (छ.ग.)
जी-81898/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 12/ले.शा./का.अ./लो.स्वा.यां./खण्ड/ बलौदाबाजार, दिनांक 23/06/2020

प्रपत्र-एफ में लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की श्रेणी डी एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है।

उच्चस्तरीय जलागार निर्माण संबंधित सम्पूर्ण कार्य :-

क्र.	निविदा/दिनांक (ग्रुप क्र.)	ग्राम	वि.खं.	विवरण	अनु. लागत (लाख में)
1	12/23/06/2020 ग्रुप -1	साहड़ा	पलारी	85 कि.ली. 12 मी स्टेजिंग	11.24
2	ग्रुप -2	खैंदा (ड)	बलौदाबाजार	100 कि.ली. 12 मी. स्टेजिंग	12.45

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा संबंधी अन्य जानकारियां कार्यालयीन समय में खण्ड कार्यालय बलौदाबाजार के सूचना पटल पर देखी जा सकती है, तथा आवेदन की अंतिम तिथि 07/07/2020 है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलौदाबाजार (छ.ग.)
जी-81910/3

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021 email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 0771-4035602,

ऑउटसाइडर के साथ बर्ताव नहीं किया जाता: फरहान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार-अभिनेता फरहान अख्तर ने नेपोटिज़्म (भाई-भतीजावाद) को लेकर कहा कि इसका फायदा मिलता है लेकिन बॉलीवुड में हर ऑउटसाइडर के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया जाता है। सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड करने के बाद सोशल मीडिया पर अलग अलग मुद्दों पर बहस छिड़ी हुई है। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग समेत आम यूजर्स नेपोटिज़्म, आउटसाइडर्स-इनसाइडर्स को लेकर बहस कर रहे हैं। इस बीच मशहूर गीतकार जावेद अख़्तर के बेटे और फरहान अख़्तर ने भी इस मामले में अपनी राय रखी है। फरहान का कहना है कि स्टार किड्स को फायदा मिलता है, लेकिन बॉलीवुड में हर ऑउटसाइडर के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया जाता है। फरहान अख्तर ने कहा कि यह चर्चा करने का समय नहीं है कि सुशांत का निधन कैसे और क्यों हुआ। उन्होंने कहा , स्टार किड्स होने से इंडस्ट्री में काफी फायदा मिलता है और फिल्म निर्माताओं तक पहुंचने में शुरुआती मदद मिलती है।इंडस्ट्री सफलता और असफलता के तराजू पर चलती है। अब आप कहेंगे कि क्या जो लोग फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, क्या उन्हें कोई फायदा मिलता है।

बोल्ड सीन नहीं करने पर कई प्रोजेक्ट गंवाये:अभिषेक

मुंबई,(वार्ता)। बॉलीवुड के जूनियर बी अभिषेक बच्चन का कहना है कि बोल्ड सीन नहीं करने की वजह उसे उन्हें कई प्रोजेक्ट गंवाने पड़े हैं। अभिषेक बच्चन ने बताया है कि 'बोल्ड सीन' नहीं करने की वजह से वह कई प्रोजेक्ट्स गंवा चुके हैं। उन्होंने 'नो-इंटिमेट सीन ऑन-स्क्रीन' पॉलिसी के बारे में खुलकर बात की, जिसका वह कई सालों से पालन कर रहे हैं। अभिषेक ने कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे उनकी बेटी आराध्या असहज महसूस करे। अभिषेक ने कहा, मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता जिसे देखकर मेरी बेटी थोड़ी भी असहज हो और मुझसे सवाल करे कि यहां क्या चल रहा है। मैं अपने निर्देशकों से भी प्रोजेक्ट्स साइन करने से पहले कह देता हूं कि यदि कोई ऐसा सीन है जिसमें बहुत इंटीमेट सीन्स हैं तो मैं करने को तैयार नहीं हूं। आपके पास विकल्प है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने बोल्ड सीन नहीं करने की वजह से कई प्रोजेक्ट गंवा दिए हैं। हालांकि, उन्हें अपने फैसले पर जरा भी अफसोस नहीं है।

साउथ की फिल्मों में तहलका मचा चुकी हैं जैस्मिन भसीन

साउथ की फिल्मों में तहलका मचा चुकी हैं जैस्मिन भसीन, देखिए दिलकश तस्वीरेंजैस्मिन भसीन ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। उन्होंने कुछ प्रिंट और टीवी ऐड्स में काम किया और यहीं से उन्हें डायरेक्टर कृष ने फिल्म में ऐक्टिंग का मौका दिया। जैस्मिन ने साल 2011 में तमिल फिल्म 'वानम' से डेब्यू किया। उनकी यह फिल्म सुपरहिट रही।

टीवी शो के लिए बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड

2015 में जैस्मिन भसीन ने हिंदी टीवी इंडस्ट्री में एंट्री की। टीवी शो 'टशन-ए-इश्क' उनका पहला हिंदी टीवी शो था और इसके लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू का गोल्ड अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद जैस्मिन ने 'दिल से दिल तक', 'दिल तो हैपी है जी' और 'नागिन 4' में काम किया। वह 'खतरा खतरा खतरा' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे पॉप्युलर रियलिटी शोज में भी नजर आईं। 2018 में जैस्मिन भसीन ने उस वक्त हड़कंप मचा दिया था जब उन्होंने खुलासा किया कि मॉडलिंग के दिनों में ए क डायरेक्टर ने उन्हें हैरेस किया था। एक एंटरटेनमेंट पोर्टल को दिए इंटरव्यू में जैस्मिन भसीन ने बताया था कि जब वह ऑडिशन के लिए उस डायरेक्टर से मिलने गईं तो उसने उनसे पूछा कि वह ऐक्ट्रेस बनने के लिए और क्या कर सकती हैं? जैस्मिन नहीं समझीं तो फिर उस डायरेक्टर ने उनसे कपड़े उतारने के लिए कहा ताकि वह देख सके कि उनकी बॉडी बिकीनी लायक है या नहीं। जैस्मिन ने जब कहा कि कैरेक्टर के लिए तो इसकी कोई डिमांड नहीं है तो उस डायरेक्टर ने पलटकर कहा कि वह उनकी बॉडी और लुक्स देखना चाहता है। उसके बाद जैस्मिन वहां से निकल गईं।

बचपन में हुए ऐक्सिडेंट के कारण ड्राइविंग से डर

शायद ही आप जानते हों कि जैस्मिन भसीन बचपन में कुछ दिनों तक कोमा में रही थीं। एक न्यूज पोर्टल से बातचीत में एक बार जैस्मिन ने बताया था कि उन्हें ड्राइविंग से डर लगता है और इसलिए वह कार नहीं चलातीं।

जैस्मिन को डर इसलिए लगता है क्योंकि बचपन में एक बार साइकिल चलाते वक्त उनका खतरनाक ऐक्सिडेंट हो गया था। काफी खून बहा, खून की उल्टियां भी हुईं और वह दो दिन तक कोमा में भी रहीं। जैस्मिन की हालत ऐसी हो गई थी कि उन्हें कुछ याद ही नहीं रहा। उनकी फैमिली भी बुरी तरह डर गई थीं।

सुशांत की 'दिल बेचारा' सभी का दिल जीतेगी: जैकलीन

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत की अंतिम फिल्म 'दिल बेचारा' दर्शकों का दिल जीत लेगी। सुशांत सिंह राजपूत की अंतिम फिल्म दिल बेचारा देखने के लिए हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। दिल बेचारा डिज्नी हॉटस्टार पर 24 जुलाई को रिलीज होगी। सुशांत सिंह राजपूत की को स्टार रहीं जैकलीन फर्नांडीस ने सोशल मीडिया पर सुशांत की याद में एक इमोशनल पोस्ट लिखा है। जैकलीन ने सुशांत की अंतिम फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है और भरोसा जताया है कि उनकी ये फिल्म सभी का दिल जीतने में कामयाब होगी। जैकलीन ने लिखा, सुशांत के जाने से एक शून्य पैदा हो गया है। उसने मुझे सिखाया था कि मुश्किल समय में सभी के साथ रहो। खुद मैं यदि कभी परेशान होती थी तो उसने मेरी काफी मदद की। अब उसकी आखिरी फिल्म देखना मेरे लिए आसान नहीं होगा। लेकिन मुझे विश्वास है कि सुशांत अपनी एक्टिंग से स्क्रीन को जगमगा देगा। ये बात मुझे शांति जरूर देगी।

इरफान ने बताया धोनी में 2007 से 2013 के बीच का बदलाव

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान ने खुलासा किया कि विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 में जब अपना कप्तानी कार्यकाल शुरू किया था, तब वह अपने गेंदबाजों पर नियंत्रण करना पसंद करते थे। लेकिन 2013 तक उन्होंने उन पर भरोसा करना शुरू कर दिया था और इसी दौर में वह काफी शांत नेतृत्वकर्ता भी बन गए थे। पठान 2007 विश्व कप विजेता टीम और 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और धोनी की कप्तानी में खेले थे। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि जैसे जैसे समय बीतता गया धोनी में कप्तान के तौर पर कई तरीकों से बदलाव हुआ। इरफान पठान से स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट कनेक्टेड' शो में धोनी के कप्तान के रूप में 2007 और 2013 के बीच बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''2007 में यह पहली बार था और जब आपको टीम की अगुआई की बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है तो आप थोड़े उत्साहित हो जाते हो, आप इसे समझ सकते हो।''

'2013 तक धोनी बहुत शांत हो गए थे'

उन्होंने कहा, ''हालांकि टीम बैठक हमेशा कम समय की होती थी, 2007 में भी और 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान भी। सिर्फ पांच मिनट की बैठक।'' इस साल के शुरू में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करने वाले इस तेज गेंदबाज ने धोनी में एक बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''2007 में वह उत्साहित होकर विकेटकीपिंग से गेंदबाजी छोर तक भागा करते थे और साथ ही गेंदबाजों पर भी नियंत्रण करने की कोशिश करते थे, लेकिन 2013 में वह गेंदबाजों को खुद पर नियंत्रण करने देते थे। वह बहुत शांत हो गए थे।''

आईसीसी की तीनों ट्रॉफी धोनी के नाम

उनकी कप्तानी में भारत ने 2007 विश्व टी20 कप, 2010 और 2016 एशिया कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी अपने नाम की। पठान ने कहा कि 2013 तक धोनी ने मैच जीतने के लिए मुश्किल परिस्थितियों में स्पिनरों को लगाना शुरू कर दिया था।

अपने गेंदबाजों पर भरोसा करने का अनुभव हासिल किया

उन्होंने कहा, ''2007 और 2013 के बीच उन्होंने अपने धीमे गेंदबाजों और स्पिनरों पर भरोसा करने का अनुभव हासिल किया और जब तक चैम्पियंस ट्रॉफी आई, वह बहुत स्पष्ट होते थे कि अहम मौके पर मैच जीतने के लिए उन्हें अपने स्पिनरों को लगाना होगा।''

धोनी को रिप्लेस करना आसान नहीं, लेकिन ऋषभ पंत को मैनेजमेंट का सपोर्ट : विक्रम राठौड़

नई दिल्ली (ए.)। महेंद्र सिंह धोनी के बाद से भारतीय टीम प्रबंधन ने युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को उभरने का भरपूर मौका दिया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने जुलाई से दिसंबर 2019 तक हर वनडे खेला, लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा सके। हेड कोच रवि शास्त्री उनके खराब शॉट्स की आलोचना कर चुके हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर 2019 में शास्त्री ने कहा था कि त्रिनिदाद में जिस तरह ऋषभ पंत आउट हुए, वह उनपर संदेह पैदा करता है। भले ही ऋषभ पंत को आलोचना का सामना करना पड़ा हो, लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का कहना है कि टीम मैनेजमेंट उन्हें अब भी सपोर्ट करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि धोनी की जगह लेना किसी के लिए भी आसान नहीं है।इस सबके बावजूद पंत ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाए रखी, लेकिन वह रन बनाने में नाकामयाब रहे। ऋषभ पंत के रन ना बनाने का नतीजा यह हुआ कि टीम प्रबंधन आगे बढ़ गया। वह प्लेइंग इलेवन में नहीं रह गए। लेकिन फिर भी यह कहा जाता है कि उन्हें टीम प्रबंधन का समर्थन हासिल है। हाल ही में स्पोर्ट्सक्रीड़ा से बातचीत में टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि पंत के लिए टीम में जगह बनाए रखना आसान नहीं होता अगर टीम प्रबंधन उन्हें सपोर्ट न करता। उन्होंने कहा, ''ऋषभ पंत का पिछला साल अच्छा नहीं रहा है, लेकिन टीम प्रबंधन अब भी उन्हें सपोर्ट करता है। हमें भी लगता है कि वह स्पेशल खिलाड़ी हैं। एक बार रन बनाना शुरू करने के बाद वह भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ कर सकते हैं।''

राठौड़ ने साथ ही कहा, ''महेंद्र सिंह धोनी अब भी हैं। हमें नहीं पता आगे क्या होगा, लेकिन उन्हें रिप्लेस करना आसान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका जो कद है, उसे किसी के लिए भी हासिल करना मुश्किल है। पंत कई बार असफल हुए हैं और अब उनके ऊपर दबाव है, लेकिन यही बात आपको मजबूत खिलाड़ी बनाती है।''

ऋषभ पंत की जगह केएल राहुल को दिए गए मौके

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 में ऋषभ पंत ने संजू सैमसन के लिए जगह छोड़ी। इसके बाद पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफपहले वनडे में वापसी की, लेकिन चोटिल होने की वजह से उन्हें फिर बाहर होना पड़ा। चोट की वजह से ऋषभ पंत को दूसरा वनडे मिस करना पड़ा, लेकिन तीसरे के लिए वह उपलब्ध थे। बावजूद इसके टीम प्रबंधन ने केएल राहुल को विकेटकीपर के रूप में रखा। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ ऋषभ पंत को पांच मैचों की टी-20 सीरीज में एक भी मैच में मौका नहीं दिया गया। केएल राहुल ने वनडे और टी-20 दोनों की विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने पांच टी-20 में 224 और तीन वनडे में 204 रन बनाए। पंत ने टीम में अपनी जगह बनाए रखी, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन में नहीं रखे गए।

आईसीसी अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियशिप का समय नहीं बढ़ाता तो रद्द टेस्ट खेलने की संभावना नहीं: बीसीबी

नई दिल्ली (ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का समय बढ़ाए, क्योंकि उसे कोविड-19 महामारी के कारण हाल में रद्द हुए आठ टेस्ट मैचों में अपनी टीम के खेलने की संभावना नजर नहीं आती। इस महामारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम पर गहरा असर पड़ा है और बांग्लादेश आठ टेस्ट मैच नहीं खेल पाया जो पिछले साल अगस्त में शुरू हुई आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा थे।

इन आठ टेस्ट मैचों में अप्रैल में पाकिस्तान के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाला एक टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जून में दो मैचों की सीरीज, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज और श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज शामिल थी। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने 'क्रिकबज' से कहा, ''जब तक मौजूदा आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के समय को बढ़ाया नहीं जाता तब तक निर्धारित समय में आठ टेस्ट मैच खेल पाने का कोई तरीका नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हम देखना चाहते हैं कि आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के साथ क्या करता है क्योंकि जब तक इसमें बदलाव नहीं होता तब तक रद्द हो चुके आठ टेस्ट मैचों को खेलने की संभावना नहीं के बराबर है।'' डब्ल्यूटीसी में 12 टेस्ट खेलने वाले देशों में से नौ दो साल के दौरान आपस में भिड़ते हैं। सभी देशों को छह टेस्ट सीरीजएं खेलनी हैं, जिसमें तीन स्वदेश में और तीन विदेश में खेलनी होंगी। हालांकि सभी टीमें समान संख्या टेस्ट नहीं खेलेंगी। प्रत्येक टीम प्रत्येक सीरीज से अधिकतम 120 अंक जुटा सकती है और लीग चरण खत्म होने के बाद अधिकतम अंक हासिल करने वाली दो टीमें अगले साल जून में फाइनल में हिस्सा लेंगी। जुलाई 2019 और 31 मार्च 2021 के बीच 72 टेस्ट खेले जाने की संभावना है।

बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी ने भी कहा कि अगर आईसीसी टेस्ट फाइनल अगले साल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होता है तो रद्द टेस्ट खेलने की संभावना बेहद कम है। निजामुद्दीन ने कहा, ''अगर टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगले साल जून में होता है तो इन मैचों (आठ टेस्ट) का भविष्य अच्छा नहीं है।

विराट कोहली दुनिया के सबसे मेहनती क्रिकेटर

■ कभी भी मैच को बदल सकते हैं: राठौड़

नई दिल्ली (ए.)। आधुनिक क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को बेस्ट बल्लेबाज माना जाता है। वह क्रीज पर टिक कर भी खेल सकते हैं और बड़े स्कोर का पीछा करने की उनकी योग्यता को सब देख चुके हैं। कोहली एक शानदार क्रिकेटर हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि विराट कोहली की ताकत है कि वह हर प्रारूप में उसकी जरूरत के मुताबिक खेल सकते हैं और उनमें सबसे अच्छी बात यह है कि वह खेल को लेकर काफी समर्पित हैं। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने स्पोर्ट्कीड़ा से बात करते हुए कहा, ''मेरे लिए विराट कोहली की सबसे अच्छी बात है कि वह अपने खेल के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वह दुनिया के बेस्ट खिलाड़ी बनना चाहते हैं और इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मैंने जितने भी क्रिकेटर देखे हैं उनमें विराट सबसे ज्यादा मेहनत करने वाले क्रिकेटर हैं। इसके अलावा मेरा विश्वास है कि वह हर तरह की परिस्थिति से तत्काल तालमेल बिठा लेते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।''

राठौड़ ने कहा, ''वह एक आयामी खिलाड़ी नहीं हैं। जब जरूरत होती है वह अपने खेल को बदल लेते हैं। वह हर फॉर्मेट में अलग अंदाज में खेलते हैं। यह उनकी ताकत है।'' राठौड़ ने अपनी बात को सिद्ध करने के लिए आईपीएल-2016 का उदाहरण दिया जब कोहली ने लीग में 973 रन बनाए थे और अकेले की दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को फाइनल में ले गए थे।

उन्होंने कहा, ''इसका एक सबसे बड़ा उदाहरण मैंने 2016 के आईपीएल में देखा, जब उन्होंने एक शतक लगाया और 40 छक्के मारे। वेस्टइंडीज दौरे पर भी वह अच्छी फॉर्म में थे। आईपीएल के दो महीने के बाद वह वेस्टइंडीज दौरे पर जाते हैं और पहले ही मैच में दोहरा शतक लगाते हैं। उनका एक भी शॉट हवा में नहीं था।

■ न्यूज गैलरी

बुद्ध युनिवर्सिटी और बौद्ध धम्म शोध संस्थान की स्थापना के लिए ज्ञापन सौंपा

महासमुंद। भारतीय बौद्ध महासभा जिला कमेटी के अध्यक्ष शंकर नंदेश्वर एवं प्रमुख पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष बीएस जागृत के नेतृत्व में विधायक महासमुंद विनोद सेवनलाल चंद्राकर से सिरपुर में तथागत गौतम बुद्ध युनिवर्सिटी एवं बौद्ध धम्म शोध संस्थान की स्थापना और सिरपुर को रेल्वे लाइन से जोडने़ के संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष बीएस जागृत ने उपरोक्त संबंध में विधायक को विस्तार से अवगत कराते हुए बताया कि दि बौधिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया विगत 25 वर्षों से मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में संचालित है। हम सभी वर्गो के गरीब, निर्धन एवं पिछड़े बालक एवं बालिकाओं के लिए प्राइमरी, मिडिल, हॉयर स्कूल का निर्माण कर गुणवत्तापूर्ण उच्चकोटि की शिक्षा प्रदान कराना चाहते हैं। इस हेतु हमें तथागत गौतम बुद्ध युनिवर्सिटी की नितांत आवश्यकता है, जिससे कि विश्व पटल में सिरपुर एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हो सके।

सूने घर का ताला तोड़कर जेवर और नगदी चोरी

महासमुंद। इमलीभाठा में एक घर से नगदी समेत करीब डेढ़ लाख के जेवरात चोरी हो गई। पीड़ित परिवार ने ये गहने अपने बेटों की शादी के लिए रखे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार इमलीभाठा निवासी सुशीला चंद्राकर नगरपालिका में काम करती हैं। वह रोजाना की तरह शनिवार सुबह 07 बजे ड्यूटी पर चली गईं। उनके लड़के 12 बजे ताला लगाकर च्वाईस सेन्टर चले गए। 3 बजे वह घर पहुंचीं तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। बेडरूम से पेटी गायब थी। पेटी में एक नग सोने का हार, एक नग सोने की अंगूठी, एक जोड़ी सोने का आईरिंग, एक नग चांदी करधन, एक जोड़ी चांदी की पायल और आलमारी से नगदी रकम 30 हजार रूपए गायब थे। शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 380, 454 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर रुपयों की मांग, जुर्म दर्ज

महासमुंद। जिला पंचायत में निकले पद पर नौकरी लगाने के नाम पर पैसे की डिमांड करने का मामला सामने आया है। परियोजना अधिकारी की शिकायत के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार जिला पंचायत महासमुंद में वर्ष 2020 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लेखा एमआईएस सहायक पद के लिए विज्ञापन निकाला गया था। जिसमें अभ्यर्थियों से आवेदन लिए गए थे। इसके लिए कौशल परीक्षा 23 जून को एवं क्षेत्रीय समन्वयक पद की भर्ती के लिए साक्षात्कार 24 जून को था। 18 जून को एक मोबाइल नंबर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा अज्ञात पीड़ित प्रार्थी को फोन कर परीक्षा में पास कराने के एवज में पैसे की डिमांड की। नहीं देने पर फेल करने की धमकी दी। मामला सामने आने के बाद जिला पंचायत में पदस्थ परियोजना अधिकारी एस लकड़ा ने इसकी शिकायत की। जिस पर सिटी कोतवाली पुलिस ने धारा 507 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

15 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। शुक्रवार को बागबाहरा पुलिस ने ग्राम मनबाय में बंशीलाल महिलांगे से बिक्री हेतु रखी 15 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2)आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

बस संचालकों के आधी सीट का भुगतान करें सरकार : चोपड़ा

महासमुंद। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता डॉ विमल चोपड़ा ने कहा है कि बसों के संचालन के लिए जो शर्तें रखी गई है, उससे संचालन करना घाटे का सौदा साबित होगा। डॉ चोपड़ा ने छत्तीसगढ़ सरकार से मांग की है कि बसों में सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने के लिए क्षमता की आधी सवारी बैठाने की इजाजत दी है, उस अनुपात में किराया लेने की छूट दें या फिर सरकार को चाहिए कि पब्लिक का पैसा बस वालों को सरकार की तरफसे भुगतान होना चाहिए। बस में तीन की जगह एक सवारी बैठा रहें, तो बचे दो सवारी का भुगतान राज्य सरकार को करना चाहिए। जैसे कि केन्द्र सरकार ने रेलवे में किया है ताकि, बस संचालकों को घाटा ना हो।

नशे की तलब ज्यादा हो तो चिकित्सक को लगा सकते हैं फोन

महासमुंद। जिले के क्वारंटीन केंद्रों में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों को क्वारंटीन पर रखा गया है। इनमें से कुछ लंबे समय से सिगरेट, बीड़ी, गुड़ाखू, गुटखा या शराब इत्यादि के नशे के आदी रहे हैं। ऐसे में जिला तंबाकू नशा मुक्ति केंद्र द्वारा लगातार दौरा कर क्वारंटीन केंद्रों में नशा उन्मूलक जागरूकता जानकारी दी जा रही है। शनिवार 27 जून को सरायपाली के ग्राम कनकेवा के क्वारंटीन केंद्र में जब कुछ कोरोना संदिग्ध मरीजों ने नशे की तलब से अधिक बेचैनी होने की परेशानी बताई तो राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सामाजिक कार्यकर्ता असीम श्रीवास्तव ने उन्हें मनोवैज्ञानिक तरीकों से स्वयं को नियंत्रण में रखने की सलाह देते हुए अधिक परेशानी होने पर क्वारंटीन केंद्र में रोजाना स्वास्थ्य परीक्षण करने आ रहे चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से खुल कर बात करने के साथ-साथ निःसंकोच परामर्श एवं दवा लेते रहने की सलाह दी।

इन्स्टॉल हुई ट्रू-नॉट मशीन, जुलाई के पहले हफ्ते से जिले में ही होगी कोरोना की जांच

महासमुंद। कोविड केयर सेंटर और कोविड अस्पताल की शुरूआत करने के बाद अब जल्द ही कोविड-19 के उपचार में एक और सुविधा जुडने़ जा रही है। जुलाई माह के पहले सप्ताह से जिले के कोरोना संदिग्धों और संक्रमित मरीजों दोनों की जांच जिला स्तर पर ही की जा सकेगी। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 27 जून को गोवा की अनुबंधित कंपनी ने जिला चिकित्सालय के कोविड सेक्शन में एक नग ट्रू-नॉट मशीन इंस्टाल की है। जिसकी क्षमता प्रति घंटे चार नमूना जांच करने की है। इसके शुरू होते ही कोरोना के नमूने जांच के लिए राजधानी भेजे जाने की बाध्यता भी समाप्त हो जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही एक और ट्रू-नॉट मशीन भी लगाई जाएगी। जिसके बाद नमूने जांचने का काम

दो-गुना रफ्तार से किया जाना संभव हो सकेगा। इस दौरान सिवल सर्जन मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके परदल ने मशीन इंस्टाल करने वाले कोलकाता के इंजीनियर शुभादीप शीत से उपयोग संबंधी पूरी जानकारी ली और बताया कि वर्तमान में जिले के पैथोलॉजी स्टाफ और चुनिंदा लैब तकनीशियनों को आईआरएल रायपुर में प्रशिक्षित किया जा रहा है। विभाग ने जुलाई माह के पहले हफ्ते से कोविड-19 के सैंपल जांच करने के लिए तैयारी भी लगभग पूरी कर ली है। मशीन इन्स्टॉलेशन के समय कोरोना में ड्यूटीरत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अधिकारी-कर्मचारियों में जिला कार्यक्रम समन्वयक उत्तम श्रीवास, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर विनय नाग, मैडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट उमेश ठाकुर एवं एसटीएलएस अरविंद सिदार ने जांच संबंधी डेमो का पूर्वाभ्यास किया।

जिला पंचायत में दूसरे दिन भी दफ्तर में लगा रहा ताला, अफसर के खिलाफ जनप्रतिनिधि हुए मुखर

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला मुख्यालय के जिला पंचायत के दफ्तर मे कोरोनावायरस के डर से तालाबंदी को लेकर अफसर के खिलाफ जनप्रतिनिधि मुखर हो गए हैं । सीईओ के द्वारा इस तरह के कार्य किए जाने को लेकर आज दिन भर जमकर प्रतिक्रिया रही जनप्रतिनिधि सहित आम लोगों का स्पष्ट कहना था कि अफसरशाही की तो हद हो गई ।भाजपा सहित कांग्रेस के नेताओं ने भी सीईओ के खिलाफ मुखर होकर बोलने लगे है, क्योंकि जिला पंचायत सीधे तौर पर आम जनता से जुड़ा हुआ दफ्तर है, ऐसे में बगैर किसी सरकारी आदेश के दफ्तर में तालाबंदी किए जाने के औचित्य पर सवाल उठने लगे हैं देखा जाए तो कोरोना संक्रमण के दौरान सावधानी करना जरूरी है ,परंतु तालाबंदी करना समझ से परे है, अफसरशाही ने ऐसा नमूना पेश किया है कि खुद के नियम कायदे दफ्तर में चल रहे हैं, जानकर आश्चर्य होगा कि पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों को भी दफ्तर के ताला खुलवाने के लिए 15 से 20 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है तब जाकर वह भी दफ्तर में प्रवेश कर पाते हैं, खबर प्रमुखता से प्रकाशित करने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मची है, लेकिन अभी तक जिला पंचायत गहरी निंद्रा में है, इधर जनप्रतिनिधि भी इस बात को समझते हुए भी कुछ भी कहने से बच रहे है।

नवप्रदेश फालोअप

राजनेता भी नाराज, भाजपा कांग्रेस दोनों सहमत नहीं

इधर जिला पंचायत में ताला लगने की खबर से राजनीतिक लोग भी भड़क गए है, भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टी के नेता इसे लेकर नाराजगी जाता रहे है, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष संजय नेताम भी इससे सहमत नहीं है उनका कहना है कि संक्रमण को देखते हुए सावधानी रखना जरूरी है, आवाजाही करने वाले लोग नाम दर्ज किया जाए सेनिटाइजर करने के बाद ही अंदर आने दिया जाए परंतु गेट में घंटों खड़ा करना उचित नहीं हैं। इस संबंध में अफसर से भी बात की है, वही इसमे कांग्रेस के अन्य नेताओं का भी कहना है कि ताला खोला जाए। भाजपा नेताओ ने भी मामले को लेकर कहा कि सत्ता बदलते ही अफसरशाही हावी हो गई है, जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर ने कहा कि जनता से सीधे जुड़े दफ्तर मे पहली बार ताला बंदी देखने की मिल रही है, लाकडाउन के नियमों का पालन करते हुए दफ़्तर संचालन करना चाहिए।

दूसरे दिन भी यही रहा हाल, दफ्तर भगवान भरोसे

दूसरे दिन भी जिला पंचायत कार्यालय में तालाबंदी रही। इसके चलते ये लगने लगा है कि ये दफ्तर भगवान भरोसे है। अफसर अपनी मनमर्जी चला रहे है। मामले में जिले के आला अफसर भी खामोश बैठे है। प्रशासन के इस रवैया के चलते ऐसा लगने लगा है कि जिले के अफसरों के ऊपर न सत्तारूढ़ पार्टी के जनप्रतिनिधियों का दबाव है और ना ही राज्य शासन का। शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास के सचिव गौरव द्विवेदी के स्पष्ट करने के बाद भी कि सरकार का ऐसा कोई आदेश नहीं है, अफसर अपनी मनमर्जी चला रहे हैं। इसे लेकर अब दबे जुबान जनप्रतिनिधि का भी कहना है कि अफसर अपनी उच्च अधिकारियों के बातों का सम्मान नहीं कर रहे तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की बातों का कहा ध्यान रखेंगे।

रितिका धीवर का चयन नवोदय विद्यालय में

खरोरा। जवाहर नवोदय विद्यालय संस्थान द्वारा सत्र 2020-21 हेतु कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में एबीसी पब्लिक स्कूल, सारागांव के छात्रा कु.रितिका धीवर पिता श्री रवि कुमार धीवर का चयन हुआ है।नवोदय में चयन होने पर स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य और समस्त स्टॉफने रितिका की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ बधाई दिए।

हनुमान जी की मूर्ति स्थापना की गई

खरोरा। शनिवार शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि के शुभ मुहूर्त पर ग्राम मोहरेंगा में खरोरा मुख्य मार्ग पर पुरे विधि-विधान से संकट मोचन हनुमान जी की मूर्ति स्थापित किया गया। इस शुभ अवसर पर श्रीमान कान्हा त्रिपाठी जी ने मंत्रोपचार कर कार्य संपन्न कराया। सरपंच सरजू राम साहू, उपसरंपच लक्ष्मण त्रिपाठी,मोहित वर्मा,हरीश बघेल,गैंदराम धीवर,नामदेव गायकवाड़ ,संजय साहू ,जमुना गिलहरे पंचो सहित ग्राम प्रमुख लखन लाल वर्मा, रूपचंद सिंहा,रज्जू यादव, थनवार सिंहा,लभ्भू राम, संतोष, सेजाराम सहित सभी ने संकट मोचन के पूजा अर्चना में शामिल हुए।

''वन नेशन वन राशनकार्ड'' प्रारंभ करने आधार प्रमाणीकरण 30 जून तक

गरियाबंद। भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत ''वन नेशन वन राशनकार्ड'' प्रारंभ करने तथा आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन सामग्री वितरण एवं पोर्टेबिलिटी का उपयोग करके राशनकार्डधारियों द्वारा अपनी पसंद की उचित मूल्य की दुकान से राशन सामग्री प्राप्त करने की सुविधा देने के लिए सभी राशनकार्डो एवं सदस्यों के आधार नंबर सीडिंग 30 जून 2020 तक अनिवार्य रूप से किया जाना है। उचित मूल्य दुकान संचालक द्वारा ऐसे राशनकार्डधारियों/सदस्यों को माह जुलाई 2020 में राशन सामग्री प्रदान करते समय आधारकार्ड की छायाप्रति या आधार नामांकन पर्ची लिया जावेगा। आधारविहिन राशनकार्डो/सदस्यों के आधार नंबर की डेटा एन्ट्री उचित मूल्य दुकान संचालकों द्वारा दिये गये लिंक में जाकर क्यूआर को स्कैन के माध्यम से आधार नंबर दर्ज किया जा सकता है। ऐसे हितग्राही/राशनकार्डधारी जिनका आधार कार्ड नहीं बना हैं, वे अपने निवास स्थान के निकटतम लोक सेवा केन्द्रों में जाकर अपना आधार नामांकन कराकर नामांकन पर्ची अथवा आधारकार्ड की फोटोकापी दुकान संचालक को उपलब्ध करा सकते है।

मत्स्याखेट 15 अगस्त तक प्रतिबंधित

गरियाबंद। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें संरक्षण देने के लिए छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा के तहत जिले में 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु के रूप में घोषित किया गया है। जिले के समस्त नदियों - नालों, छोटी नदी एवं सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब, छोटे या बड़े जलाशय निर्मित किये गये हैं, उनमें किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 15 अगस्त तक पूर्णतः निषिद्ध रहेगा। मछली पालन विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि इन नियमों का उलंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा दस हजार रूपये जुर्माना अथवा दोनो एक साथ दिया जा सकता है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होंगे।

पूर्व पार्षद अजय ताम्रकार ने ब्लॉक अध्यक्ष लवन की दावेदारी

लवन। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवन में कुछ दिनों में ब्लॉक अध्यक्ष पद को लेकर चुनाव होना है, जिसमे लवन नगर के पूर्व पार्षद व कांग्रेस कार्यकर्ता अजय ताम्रकार प्रबल दावेदार के रूप में सामने आ रहे है। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्ष की दावेदारी करते हुए विधायक शकुंतला साहू एवं जिला अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर से मुलाकात कर अपने दावेदारी का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञात हो कि अजय ताम्रकार 25 वर्षों से कांग्रेस पार्टी की सेवा करते आ रहे हैं 1995 में कांग्रेस पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात एनएसयूआई ब्लाक सचिव 2001 में युवा कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष 2004 उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग आदि विभिन्न पदों में रहकर भी निस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा किए वे लवन नगर में कांग्रेस से लगातार तीन बार पार्षद भी रह चुके हैं छात्र राजनीति से वर्तमान कांग्रेस सेवा दल प्रदेश सचिव रहते जिला व ब्लॉक स्तरीय में धरना प्रदर्शन, आंदोलन, छात्र हित, किसान हित क्षेत्र हित में कांग्रेस द्वारा किए गए कार्यक्रमों में अपना योगदान देते आ रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने चर्चा के दौरान कहा की उनका सरल स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व पार्टी के प्रति समर्पण से पार्टी में एकजुटता आएगी यदि अजय ताम्रकार ब्लॉक अध्यक्ष बनते हैं तो निःसंदेह पार्टी में एकजुटता के साथ-साथ पार्टी के रीति नीति एवं सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए वरदान साबित होगा गोधन न्याय योजना: रणजीत सिंह चन्देल

गण्डई पंडरिया। छत्तीसगढ़ में जब से कांग्रेस की भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार बनी है तब से लेकर अभी तक छत्तीसगढ़ की जनता को मूलभूत सुविधाएं एवं समस्त कार्यों में काफी राहत महसूस हो रही है हर व्यक्ति कोई ना कोई छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहा है जिसमें किसानों के लिए तो तोहफे ऊपर तोहफे बरस रहे हैं किसानों का कर्जा माफ, 2500 सौ रुपये क्विंटल धान की खरीदी के बाद किसानों की आर्थिक आधार को मजबूत करने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी किसान वर्गो के हित मे गोधन न्याय योजना की शुरुआत छत्तीसगढ़ के प्रमुख 3

योहारों में से एक हरेली त्यौहार के दिन सरकार योजना की शुरुआत करेगी नरवा गरवा गौठान के माध्यम से गांव में रोका छेका कार्यक्रम के तहत गायों की सुरक्षा एवं लालन-पालन के लिए गौठानो मे किया जायेगा जिसके लिए 2200 गोठानो को योजना में शामिल किया गया है तथा गोठानो मे वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार कर पैकेट बनाये जायेंगे गोबर की खरीदी किसानों के अलावा सरकारी विभाग के कृषि विभाग वन विभाग उद्यानिकी एवं नगरीय प्रशासन विभाग होंगे साथ ही साथ नए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे बहुत ही लाभकारी योजना साबित होगी।

गौठानो को 40हजार रुपये सरकार द्वारा अनुदान भी दिया गया है तथा गोठानो में रखे गायों के गोबर को एकत्रित कर रखा जाएगा साथ ही साथ गांव के किसानों के निजी गाय एवं बैल के गोबर की खरीदी की जाएगी जिससे कि किसानों को अतिरिक्त आय की प्राप्ति होगी जिससे छत्तीसगढ़ का हर किसान समृद्ध एवं निहाल होगा और गाय बैल के लालन-पालन में भी सुधार होगा।

अब घर बैठे मिलेगा जाति और निवास प्रमाण पत्र

महासमुंद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं और आमजनों को एक बड़ी राहत देते हुए अब जाति और निवास प्रमाण पत्र उनके घरों में ही प्रदान करने की सुविधा मुहैया करायी है। मुख्यमंत्री श्री बघेल के निर्देश पर राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जाति और निवास प्रमाण पत्र के वितरण को सरलीकरण करते हुए प्रमाण पत्रों को आवेदकों के घर पहुंच सुविधा उपलब्ध कराने का आदेश सभी जिला कलेक्टरों को जारी किया गया है।

जॉच रिपोर्ट पॉजिटिव, केंवटापाली और अर्जुनी कन्टेंनमेंट जोन घोषित

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने बताया कि जिले के बसना तहसील के केंवटापाली और पिथौरा तहसील के अर्जुनी मरीज की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव पाए जाने के कारण कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम केंवटापाली और अर्जुनी के नीचे वर्णित चौहद्दी को कन्टेंनमेंट जोन घोषित किया गया है। अर्जुनी में उत्तर दिशा में रूपानंद का मकान, दक्षिण दिशा में बादल का मकान, पूर्व दिशा में कृषि भूमि एवं पश्चिम दिशा में कांतीबाई का मकान शामिल हैं। इसके अलावा उक्त कन्टन्टमेंट जोन के अलावा 03 किलोमीटर की परिधि को बफर जोन घोषित किया गया है। इसी तरह उत्तर दिशा में भोगसिंग का मकान, दक्षिण दिशा में गणेशराम का मकान, पूर्व दिशा में हेमानंद का खेत एवं पश्चिम दिशा में कच्चा सड़क शामिल हैं। इसके अलावा उक्त कन्टन्टमेंट जोन के अलावा 03 किलोमीटर की परिधि को बफर जोन घोषित किया गया हैं।

अजय चंद्राकर की विवादित ट्वीट पर धनेंद्र का पलटवार

खरोरा। अभनपुर विधायक पूर्व मंत्री पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री धनेंद्र साहू ने कुरूद विधायक अजय चंद्राकर द्वारा छत्तीसगढ़ के राजकीय प्रतीक चिन्ह की तुलना गोबर से किए जाने पर निंदनीय करार देते हुए भद्दा मजाक एवं घटिया सोच बताया उन्होने कहा की छत्तीसगढ़ का राजकीय चिन्ह कोई सामान्य तस्वीर नहीं है छत्तीसगढ़ की जनता का मान, सम्मान एवं अस्मिता का प्रतिक है उनके टिप्पणी से छत्तीसगढ़ की जनता आहत है उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से सवाल किया है कि उसके नेता जो टिप्पणी किए उससे भारतीय जनता पार्टी सहमत हैं उन्होने अजय चंद्राकर को विवादित टिप्पणी के लिए पूरे छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगने कहा।

श्री साहू ने कहा की छत्तीसगढ़ के संस्कृति में गोबर का विशेष महत्व है हमारे लिए गौ माता जो अत्यंत ही पुज्यनीय है जिसका गोबर पवित्र कार्य के लिए उपयोग में लाये जाते है गोबर से घर आंगन की पोताई किया जाता है छ.ग. की पुरानी संस्कृति है जिस जगह पूजा होती है वहां गोबर से पोताई कर पवित्र किया जाता है एवं गोबर का गौरी गणेश बनाकर पूजा किया जाता है छ.ग. में गोवर्धन पूजा में ग्रामीण मस्तक में गोबर का तिलक लगाकर एक - दुसरे का सम्मान करते है ।

साहू ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के15 साल के राज में किसानों एवं आमजनो के हित मे कुछ भी कार्य नहीं हुए किसान पूरे 15 साल उपेक्षित रहा उनकी सरकार किसानों को परेशान करती रही किसान इतना परेशान थे कि कई किसान आत्महत्या करने मजबूर भी हुए लेकिन कांग्रेस की सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री भुपेश बघेल किसानों की चिंता करते हुए इनके हित के लिए अनेकों योजनाएं चालू करी ह।

बैठक | लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को त्वरित निराकरण करें : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा

महासमुंद। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने शनिवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा कराए जा रहे कार्यों तथा लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने समय सीमा के अंतर्गत विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी जानकारी लेकर उन्होंने सभी विभागों के जिला प्रमुखों से कहा कि कोई भी आवेदन जो कोई भी नागरिक, मुख्यमंत्री जन चौपाल,

कलेक्टर जन चौपाल, लोक सेवा गारंटी, विभिन्न आयोगों उच्च कार्यालयों से प्राप्त पत्रों तथा अन्य किसी भी माध्यम से प्राप्त हुए हैं उनका निराकरण शीघ्रता से करें।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि सभी आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर होना चाहिए साथ ही इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिए। राज्य शासन के दिशा-निर्देश पर महिला बाल विकास अधिकारी को मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के कार्यों में भी तेजी लाने तथा 03 वर्ष तक के बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने, गर्भवती माताओं को गर्म भोजन एवं सूखा राशन देने तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को गर्भवती माताओं के लिए आयरन, कैल्शियम सहित अन्य प्रकार की आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराने, आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को जिले के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियां आश्रम, छात्रावास के विद्यार्थियों के उपयोग के लिए कराने कहा।

न्यूज गैलरी

शिखर से उतरा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जून का समाप्त सप्ताह में 2.07 अरब डॉलर घटकर ऐतिहासिक स्तर से नीचे 505.56 अरब डॉलर पर आ गया जो इससे पिछले सप्ताह में यह अब तक के रिकार्ड स्तर 507.64 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 19 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 1.69 अरब डॉलर घटकर सप्ताहांत पर 467.03 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 35.90 करोड़ डॉलर घटकर 32.81 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.26 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 60 लाख डॉलर उतरकर 1.44 अरब डॉलर पर रहा।

पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नयी दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन सप्ताह से जारी तेजी का क्रम रविवार को थम गया। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 80.38 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही जो 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल का मूल्य भी 80.40 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर अपरिवर्तित रहा। डीजल के दाम 07 जून से लगातार 21 दिन बढ़ने के बाद आज उपभोक्ताओं को राहत मिली है। पेट्रोल के दाम भी इन 21 दिनों में 20 बार बढ़ाये गये। तीन सप्ताह में दिल्ली में पेट्रोल 9.12 रुपये यानी 12.80 प्रतिशत और डीजल 11.01 रुपये यानी 15.87 प्रतिशत महँगा हुआ है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 82.05 रुपये, 87.14 रुपये और 83.59 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। डीजल भी बिना किसी बदलाव के कोलकाता में 75.52 रुपये, मुंबई में 78.71 रुपये और चेन्नई में 77.61 रुपये प्रति लीटर बिका।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 20 लाख पार

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू यात्री विमान सेवा दुबारा शुरू होने के बाद से अब तक 20 लाख से अधिक यात्री हवाई सफर कर चुके हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार, शनिवार को देश के विभिन्न हवाई अड्डों से 761 उड़ानें रवाना हुई जिनमें 68,394 यात्री अपने गंतव्य तक पहुँचे। दो महीने के अंतराल के बाद देश में घरेलू यात्री विमान सेवा 25 मई को दुबारा शुरू हुई थी। धीमी शुरुआत के बाद पहले 34 दिन में हवाई यात्रियों की संख्या 20 लाख के पार पहुँच गई है।

कोरोना के दौरान डिजिटल खरीदारी में 70 फीसदी तक हुई वृद्धि

नयी दिल्ली (वार्ता)। फेसबुक इंडिया और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने तीन नई रिपोर्ट्स मोबाइल फोन, एपरेल और कंज्यूमर पैकेज्ड गुड्स (सीपीजी) जारी करते हुए कहा कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण उपभोक्ताओं की खरीदारी के तरीकों में बदलाव आया है। शहरी उपभोक्ताओं में डिजिटल का प्रभाव बहुत ज्यादा बढ़ा है, मोबाइल के लिये इसमें 70 प्रतिशत, एपरेल के लिये 55-60 प्रतिशत और नॉन-फूड सीपीजी श्रेणियों के लिये 20-25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। यह रिपोर्ट्स पिछले महीने रिलीज हुई 'टर्न द टाइड' रिपोर्ट का फॉलो अप हैं। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक शहरी उपभोक्ताओं में डिजिटल का प्रभाव बहुत ज्यादा बढ़ा है। इनमें मोबाइल के लिये 70 प्रतिशत, एपरेल के लिये 55-60 प्रतिशत और नॉन-फूड सीपीजी श्रेणियों के लिये 20-25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य आकर्षणों में पहले मोइबाइल फोन आता है। जिसमें कोरोना संकट के बाद मोबाइल के लिए 70 प्रतिशत शहरी उपभोक्ताओं के डिजिटल से प्रभावित होने की उम्मीद है। यह इससे पहले 55-60 प्रतिशत था। इसमें अगले दो वर्षों में मोबाइल फोन्स के लिये ऑनलाइन हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत हो सकती है जो कोरोना संकट से पहले 38 प्रतिशत थी। नॉन-फूड कैटेगरीज में डिजिटल से प्रभावित शहरी उपभोक्ताओं में लगभग 1.3 गुना वृद्धि की अपेक्षा है। लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन खरीदारों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि, जिनमें से 80 प्रतिशत से अधिक की इसे जारी रखने की योजना है।

इसी तरह एपरेल में 55-60 प्रतिशत शहरी उपभोक्ताओं के डिजिटल से प्रभावित होने की संभावना है और लगभग 40 प्रतिशत उपभोक्ता एपरेल पर ऑनलाइन खर्च बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ साथ लगभग 79 प्रतिशत उपभोक्ता बिना काम घर से बाहर नहीं निकलना चाहते हैं, इसलिये कैजुअल वियर वार्डरोब का बड़ा हिस्सा होगा।

फेसबुक इंडिया के ग्लोबल मार्केटिंग सॉल्यूशन के निदेशक एवं प्रमुख संदीप भूषण ने कहा, ''हम जानते हैं कि खरीदारी के अंदाज में डिजिटल प्रभाव में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जिनमें से कुछ श्रेणियों में यह 70 प्रतिशत तक बढ़ा है। अब हम देख रहे हैं कि व्यवसाय अच्छे परिणामों के लिये इस बढ़े हुए डिजिटल प्रभाव का उपयोग कर रहे हैं। डिजिटल को सोशल मीडिया के कारण गति मिली है। आज भारत के 40 करोड़ से ज्यादा लोग फेसबुक फैमिली ऑफएप्स से जुड़े हैं और उपभोक्ताओं की यात्रा में हमारी बड़ी भूमिका है। अब व्यवसायों के लिये उन नये समाधानों को अपनाने का अवसर है, जो अभी उपलब्ध हैं, विभिन्न तरीकों से- वे वर्चुअल अनुभवों को सजीव बनाकर व्यक्तिगत अनुभवों को दोहरा सकते हैं, प्लेटफॉर्म की क्षमता और अच्छे परिणामों पर केन्द्रित हो सकते हैं।

तनाव के बीच तेजी जारी, दूसरे सप्ताह बढ़त में सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई (वार्ता)। भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव तथा देश के साथ ही वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या में हो रही बढोतरी के बीच लगातार दूसरे सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रही। हालांकि विश्लेषकों ने निवेशकों विशेषकर छोटे निवेशकों से सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

सप्ताहांत पर बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 439.54 अंक अर्थात 1.27 प्रतिशत बढ़कर 35171.27 अंक पर रहा। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1.35 प्रतिशत अर्थात 138.60 अंक चढ़कर 10383 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन अवधि में दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक लिवाली देखी गयी। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 3.55 प्रतिशत चमककर 13258.44 अंक पर और स्मॉलकैप 2.88 प्रतिशत उछलकर 12630.28 अंक पर रहा।

विश्लेषकों का कहना है कि अगले सप्ताह भी बाजार में उठापटक की संभावना बनी हुयी है क्योंकि भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। चीन के साथ ही भारत भी लद्दाख में अपने सैनिकों और हथियारों की संख्या बढ़ा दी है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर और घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस से पीड़ितों की संख्या में बढोतरी हो रही है लेकिन देश में इससे पीड़ितों के ठीक होने की दर में हो रही वृद्धि सुखद संकेत हैं। इसके अतिरिक्त सरकार के अनलॉक 2.0 के लिए दिशा निर्देश भी जारी होने वाला है और अनलॉक 2.0 में यदि आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के उपायों पर जोर दिया जाता है तो घरेलू शेयर बाजार में तेजी बनी रह सकती है। अगले सप्ताह वाहनों की बिक्री के साथ ही अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण आंकड़े भी आने वाले हैं और उनका भी बाजार पर असर दिख सकता है।

सप्ताह की शुरूआत में सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 179.59 अंक बढ़कर 34911.32अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 66.80 अंक चढ़कर 10311.20 अंक पर रहा। बीएसई में दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक लिवाली देखी गयी। मंगलवार को विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने से घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे दिन बढ़त में बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 519.11 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की छलाँग लगाकर 35,430.43 अंक पर बंद हुआ। इस वर्ष 11 मार्च के बाद पर पहली बार सेंसेक्स 35 हजार अंक के ऊपर बंद हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 159.80 अंक अर्थात् 1.58 फीसदी की मजबूती के साथ 10,471 अंक पर पहुँच गया जो 06 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है।

बुधवार को वैश्विक स्तर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या में हो रही बढोतरी से बने कमजोर निवेशधारणा के कारण बिकवाली हुयी जिससे बीएसई का सेंसेक्स 561.45 अंक उतरकर 35 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 34868.98 अंक पर और निफ्टी 165.70 अंक गिरकर 10305.30 अंक पर रहा। गुरूवार को आईटी एवं टेक क्षेत्र की इंफोसिस तथा टीसीएस के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी जैसी दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से बीएसई 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 26.88 अंक यानी 0.08 प्रतिशत फिसलकर 34,842.10 अंक पर बंद हुआ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने छग में अव्वल आए छात्रों को किया सम्मानित

रायपुर/नव प्रदेश। बैंक ऑफ़ बड़ौदा यशस्वी विद्यार्थियों को हमेशा ही सम्मानित करता रहा है। पढ़ाई के क्षेत्र में परचम लहराने वाले विद्यार्थियों को बैंक हमेशा प्रोत्साहित करता है। इसी क्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महा प्रबंधक डॉ .आर.के. मोहन्ती ने छत्तीसगढ़ की बोर्ड परीक्षा में अव्वल रहे छात्रों को उनकी सफलता पर रविवार 28 जून को सम्मानित किया। इस बार 10वीं और 12वीं कक्षा में अव्वल आने वाले दोनों छात्र मुंगेली के हैं। 10वीं कक्षा की छात्रा प्रज्ञा कश्यप आत्मजा शिव कुमार कश्यप (ग्राम जरहागान्व छतोणा) ने इस परीक्षा में जहां 100त्न प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहीं हैं वहीं 12वीं कक्षा में टीकेश वैष्णव आत्मज शिव कुमार वैष्णव (ग्राम लिम्हा) 97.80% प्राप्त कर अव्वल स्थान पर रहे हैं। टीकेश के पिता शिव कुमार वैष्णव अपने गांव में पान की दुकान है। इस स्थिति में भी उन्होनें अपने पुत्र को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और जीवन में कुछ कर गुजरने की ऐसी प्रेरणा दी है जिसका नतीजा आज यह है की टीकेश ने 12वीं में राज्य में टॉप किया है। दोनों छात्रों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन एवं पूरे राज्य में प्रथम रहने पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा के उप महा प्रबंधक डॉ.आर.के. मोहन्ती ने उन्हें बधाई देते हुए कहा की बैंक हमेशा से कला,विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित करता है। उन्होनें कहा कि दोनों बच्चों ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि प्राप्त की है। दोनों इसी प्रकार भविष्य में भी सफलता के नए परचम लहराएं ऐसी हमारी कामना है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य प्रबंधक प्रदीप कुमार यादव भी उपस्थित थे।

मोटर बाजार

मारूति सुजुकी सुपर कैरी बीएस6 सीएनजी वेरिएन्ट में पेश किया गया

देश का पहला पेट्रोल बीएस6 कम्प्लायन्ट लाइट कमर्शियल व्हीकल नए अवतार में

नई दिल्ली। मारूति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड ने आज सुपर कैरी के बीएस 6 कम्प्लायन्ट एस-सीएनजी वेरिएन्ट के लॉन्च की घोषणा की है। यह लॉन्च कंपनी के मिशन ग्रीन मिलियन के अनुरूप है जिसकी घोषणा ऑटो एक्स्पो 2020 में की गई थी। कारोबार के लिए व्यवहारिक 'तरक्की का दमदार साथी' कहलाने वाला मारूति सुजुकी सुपर कैरी पहला लाईट कमर्शियल व्हीकल है जिसे बीएस6 इंजन में अपग्रेड किया गया है। 2010 में सीएनजी वाहनों के साथ ग्रीन मोबिलिटी में प्रवेश करने वाली मारूति सुजुकी ने आज ग्रीन व्हीकल्स की बेजोड़ रेंज पेश की है। पहले से एक मिलियन ग्रीन व्हीकल (सीएनजी स्मार्ट हाइब्रिड वाहनों सहित) बेच लेने के बाद मारूति सुजुकी ने 'मिशन ग्रीन मिलियन' के तहत अगले दो सालों में एक और मिलियन ग्रीन व्हीकल्स बेचने का लक्ष्य तय किया है, इस तरह मारूति सुजुकी देश में ग्रीन मोबिलिटी में अग्रणी है।

शशांक श्रीवास्तव, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर (मार्केटिंग एण्ड सेल्स), मारूति सुजुकी इण्डिया लिमिटेड ने कहा, ''मारूति सुजुकी के 320 से अधिक कमर्शियल चैनल नेटवर्क के माध्यम से 56000 से अधिक युनिट्स बेचे जाने के बाद, सुपर कैरी मिनी-ट्रक सेगमेन्ट में बेहतरीन परफोर्मेन्स दे रहा है। खासतौर पर छोटे कमर्शियल व्हीकल सेगमेन्ट के उपयोगकर्ताओं के लिए पेश किया गया सुपर कैरी अपने सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ पावर, बेहतर आराम, उत्कृष्ट गुणवत्ता देता है। सुपर कैरी ने कारोबारों का मुनाफ़ा बढ़ाने में मदद की है, इस तथ्य की पुष्टि इस बात से होती है कि अपने लॉन्च के मात्र दो सालों के अंदर यह दूसरा सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल बन गया है। बाई-फ्यूल एस-सीएनजी वेरिएन्ट को छोटे कमर्शियल व्हीकल मार्केट में बहुत अच्छी प्रतिक्रया मिली है, जो सुपर कैरी की बिक्री में तकरीबन 8 फीसदी योगदान देता है। प्रतिस्पर्धी कीमत के बीएस6 कम्प्लायन्ट एस-सीएनजी वेरिएन्ट तथा सरकार द्वारा सीएनजी ईंधन की उपलब्धता पर फोकस के चलते निश्चित रूप से सुपर कैरी ब्राण्ड को बढ़ावा मिलेगा।''

मिनी ट्रक भी दमदार

उन्होंने कहा, ''मिशन ग्रीन मिलियन के साथ, हमने अपने ग्रीन व्हीकल पोर्टफोलियो को और भी सशक्त बना लिया है।'देश का पहला 4-सिलिंडर से पावर्ड मिनी-ट्रक कमर्शियल व्हीकल सुपर कैरी 85एनएम/3000 आरपीएम का टोर्क और स्मूद पिकअप देता है। यह सुरक्षा और सुविधा के नज़रिए से कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आता है जैसे रिवर्स पार्किंग सेंसर, सीट बेल्ट रिमाइंडर, लॉकेबल ग्लव बॉक्स और बड़ा लोडिंग डेक। सुपर कैरी देश का एकमात्र लाईट कमर्शियल व्हीकल है जो ऑन-रोड अश्योरेन्स के लिए 5 लीटर पेट्रोल टैंक के साथ ड्यूल फ्यूल एस-सीएनजी वेरिएन्ट के साथ आता है।

छह राज्यों में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए विश्व बैंक देगा 50 करोड़ डॉलर

नयी दिल्ली (वर्ता)। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड ने देश के छह राज्यों में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और गवर्नेंस में सुधार के लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिये जाने को अनुमोदित कर दिया है। विश्व बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसके कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड की हाल ही हुयी बैठक में यह अनुमोदन किया गया है। इससे देश के छह राज्यों के 15 लाख स्कूलों में पढ़ने वाले 6 से 17 वर्ष आयु वर्ग के 25 करोड़ छात्रों और एक करोड़ शिक्षकों को लाभ होगा। यह राशि स्ट्रेथेनिंग टीचिंग - लर्निंग एंड रिजल्ट फॉर स्टेट्स प्रोग्राम (स्टार्स) के लिए मंजूर की गयी है। यह कार्यक्रम भारत और विश्व बैंक की भागीदारी से वर्ष 1994 से संचालित हो रहा है। इसके शुरू होने से पहले भी विश्व बैंक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए तीन अरब डॉलर से अधिक दे चुका है। बैंक ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समग्र शिक्षा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है और इसके तहत हिमाचल प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र , ओडिशा और राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार लाने का लक्ष्य रखा गया है।

आज का भविष्यफल

मेष: आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं पर उपाय करके घर से निकलें तो लाभ होगा।

वृषभ: आज का दिन मिश्रित फलकारक होगा। किसी भी तरह के वाद-विवाद में न पड़ें अन्यथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन: आज का दिन मान-प्रतिष्ठा तथा उत्तम प्रकार की धन संपत्ति दायक है। मेहनत के अनुपात में शुभ लाभ प्राप्त होगा। पराक्रम में वृद्धि होगी। आज आपका मनोबल बढ़ेगा।

कर्क: आपके ग्रह उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहे हैं, जिसमें कुछ खर्चा भी संभव है। धन निवेश से लाभ होगा। आज किसी को उधार न दें। परिवार के सदस्यों से मेलजोल बढ़ाना रहेगा लाभकारी रहेगा।

सिंह: कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा और उत्साह बना रहेगा। बिजनस में पुरानी समस्याओं का अंत होगा। कोशिश करें सफलता मिलेगी।

कन्या: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। मंदी के दौर में अत्यधिक खर्च से बचें। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं लेकिन आप अपनी सूझबूझ के साथ उनको निपटा देंगे। व्यर्थ की यात्रा भी हो सकती हैं।

तुला: कार्यों की पूर्णता होगी। जोखिमपूर्ण निवेश में लाभ होगा। आज आपका चित्त प्रसन्न रहेगा। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी। आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आएंगे, सबका सम्मान करें।

वृश्चिक: आज का दिन आनंद में बीतेगा। पूरे दिन कार्य की व्यस्तता रहेगी। लॉकडाउन में फंसे लोगों की मदद करने पर मान-सम्मान और यश में वृद्धि होगी।

धनु: आज बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, भाग्य आज आपका साथ देगा। अध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

मकर: आज कहीं भी जाएं सतर्क रहें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जरा सी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है। यात्रा न करें। वाहन धीमी गति से चलाएं।

कुंभ: व्यापार-व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रिय व्यक्ति का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। शेयर में निवेश कर सकते हैं। धन व धर्म कीर्ति की वृद्धि होगी।

मीन: आज मनोरथ सिद्धि कारक है। अचानक कोई शुभ समाचार या रूका हुआ धन प्राप्त होगा। शत्रु बलहीन रहेंगे। आय-संपत्ति के लिए शुभ दिन है। मांगलकि कार्यों का आयोजन हो सकता है।

सू- दोकू क्र.067

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.66का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

शब्द सामर्थ्य -067

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग से गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. वहन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीड़ा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. पागल, सनकी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
या	■	त	म	ग्रा	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	वा	अ	द	ब
त	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	व	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	या	र

बातों...बातों में...

सुकांत राजपूत

कौन हटाएगा...

चाहत चीज ही ऐसी है कि सब कुछ माफ हो जाता है। पुलिस महकमें की एक महिला एसआई(एम)से पीडब्ल्यूडी, पुलिस विभाग भी क्वार्टर खाली नहीं करवा पाया। अफसरों की चेहती ये एक महिला मातहत नहीं है। याद होगा निलंबित आईपीएस मुकेश गुप्ता की राजदार बताई जाने वाली एसआई की तरह इसका भी कुछ वैसा ही रुआब है। पुलिस लाइन गेट के ठीक सामने इस महिला एसआई एम की वजह से ट्रांजिट हॉस्टल का काम रुक गया है। बातों ही बातों में पता चला कि इस महिला कर्मी के पड़ोसी सीएम सुरक्षा अधिकारी भी थे, उन्हें भी घर खाली करना पड़ा। क्योंकि ट्रांजिट हॉस्टल का मेन इंट्रेंस और दीवार बनना है। पहले ही पुलिस ऑफिसर मेस की वजह से 4 मकान पूर्व में ही तोड़े गए थे। अब ट्रांजिट हॉस्टल के लिए दो आवास तोड़ना बाकि था। साल बीत गए सीएम सुरक्षा अधिकारी हट गए पर महिला एसआई जमी हुई हैं। बताते हैं उच्चाधिकारियों का वरदहस्त हासिल है।

पुलिस का भाई...

दो दिन पूर्व टिकरापारा में आधा दर्जन जुआरियों को पुलिस ने धरदबोचा। बावन परियों (ताश) संग बेहिसाब पैसा भी मिला। खैर, पुलिस की जब्ती और मीडिया के आंकड़ों पर भरोसा करना आसान नहीं। क्योंकि मौके से जुआ खेलते 6 नहीं 7 धरे गए थे। रकम भी जो दर्शाई गई उससे चार गुना थी। इस कानाफूसी में यह भी खबर लगी की जो सातवें को छोड़ा गया वह टिकरापारा स्टाफ का ही बड़ा भाई था। बातों ही बातों में खुलासा हुआ कि पुलिस की दबिश में टिकरापारा के सभी थे पर भाई की वजह से सातवां जुआरी पुलिस टीम से ही उलझ गया। भाई-भतीजावाद में फंसी टिकरापारा पुलिस ने जैसे-तैसे उसे रवाना किया। उसका पैसा भी लौटा दिया गया। रिकार्ड में सिर्फ 6 आरोपी और उनसे जब्त 45 हजार के करीब राशि दर्शाई गई। जुआ कार्रवाई में आमतौर पर रकम और आरोपियों की संख्या में घट-बढ़ होने का हल्ला तो मचता ही है। सोचिए अगर जो राशि बताई जा रही है वह आंकड़े में 5 लाख रुपए होती तो क्या बात थी। लेकिन चाहे हजार मिले या लाख कार्रवाई तो जुआ एक्ट में होगी तो फिर रकम या संख्या में माथापच्ची हम क्यों करें...वो साहब जानें।

महामारी एक्ट...

मास्क नहीं लगाने पर और क्वारंटिन या कंटेनमेंट जोन में आम जनों पर महामारी एक्ट की कार्रवाई प्रशासन बेधड़क कर रहा है। लेकिन पूरे थाना और स्टाफ के साथ-साथ आने वाले फरियादियों के लिए खतरा बने टीआई को मुफ्त में ही छोड़ दिया गया। पहली गलती बुजुर्ग परिजनों को परदेस से बुलाकर सीधे घर घुसा लिया। जांच रिपोर्ट के आने तक अपनों को क्वारंटिन करने की बजाए खुद भी साथ हो लिए। इस दौरान ड्यूटी पर भी थाना पहुंचकर दूसरों के लिए खतरा बन बैठे। जांच रिपोर्ट आई तो सब खुलासा हो गया। थाना सील, एरिया कंटेनमेंट जोन, दो स्टाफ को भी संक्रमण की सौगात देने वाले टीआई की गलती पर महकमें के कानून पसंद अफसर कोई कार्रवाई नहीं किए। बातों ही बातों में पीड़ित भाजपा नेता ने कहा मुझे एफबी में एक अपहरण संबंधी जांच पर लिखने से केस पंजीकृत करने वाले साहब से उम्मीद थी पर वे भी...मुंह सीले बैठ गए।

भगत की भभकी...

हर घुरवे का दिन बदलता है यह कहावत यूं ही नहीं कही गई है। एक वक्त था जब मीडिया के पीछे भगत टाइप के भागते थे। अब यही मीडिया की खबर पर सहीं-गलत सोचे बिना तिलमिलाहट में भभकी देने लगे हैं। चंद रोज पहले हेप्पी बर्थ डे था। संक्रमणकाल का मखौल उड़ाते हुए अपने अवतरण दिवस का केक काटे। खबरीलालों ने इसे बेखौफ छापा भी और वायरल भी किया। सीनियर रिपोर्टरों ने इस खबर को तेवर देने के बाद खुद ही दिखाते घूमें भी। खबर लगते ही भगत भी भभक उठे और सीधे ताकत का इस्तेमाल कर आवास में पेशी करवा दिए। बातों ही बातों में पता चला कि खबर बनाने वाले जोशिले पत्रकार को जब तलब किया गया उस वक्त पुलिस अफसर को भी सामने बिठाया गया था। बुरी तरह घिड़की देने और एफआईआर तक करवाने की बात कह पूरी भड़ास निकाली गई। खबरवीर यह सब खामोश सुनता रहा आखिर में खंडन के बाद ही मांडवाली हुई।

क्वारंटाइन सेंटर में प्रेतात्मा का साया!

- साथी को पिलाया पेशाब,अंधविश्वास के साये में क्वारेंटाइन मजदूर
- प्रशासन पर भी लगाया अनदेखी का आरोप

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। पठियापाली के क्वारेंटाइन सेंटर में ठहरे लोग प्रेत-आत्मा से इस कदर भयभीत हो गए कि जब उनके कुछ साथी अजीबो-गरीब हरकत करने लगे तो, अन्य मजदूरों ने प्रेत-आत्मा का साया समझकर उन्हें पेशाब तक पिला दिया। क्वारेंटाइन सेंटर में भूत होने की चर्चा से इलाके हड़कंप मच गया है। इसके अलावा लोगों ने जांच में हो रही देरी को लेकर सरकार पर अनदेखी का आरोप भी लगाया है।

करतला ब्लाक के पठियापाली हाई स्कूल में बने क्वारेंटाइन हुए लोग भूत प्रेत के खौफ में जी रहे हैं। मजदूरों का कहना है कि स्कूल परिसर के अंदर प्रेत आत्मा का साया नजर आता है। कुछ साथी की उटपटांग हरकत देखकर अन्य लोगों के मन में भी डर समा गया। मजदूर बताते हैं कि एक शख्स के ऊपर प्रेत आत्मा का साया था प्रेत को भगाने के लिए लोगों ने युवक को पेशाब तक पिला दिया। ऐसे अमानवीय कृत्य से लोगों के बीच अंधविश्वास की जड़ें मजबूत हो रही है। भूत के डर से लोग रतजगा करने के लिए मजबूर हैं। साथ ही लोगों ने कहा कि 14 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट नहीं आने से लोगों के मन में संक्रमण का डर भी घर कर गया है। सेंटर प्रभारी व गांव के जनप्रतिनिधियों ने लोगों को समझाया कि भूत प्रेत कुछ नहीं होता आप सभी निश्चिंत होकर सेंटर में रहें। सरपंच श्यामलाल कंवर ने बताया कि- अब तक पठियापाली से 5 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से एक शख्स प्रवासी मजदूर है। उनका कहना है कि गांव में संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण नियमो की अनदेखी कर मनमानी करते हुए अन्य गांव में आना-जाना कर रहे हैं। पंचायत स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इसके लिए शासन-प्रशासन से सुरक्षा के लिए पर्याप्त बन्दोबस्त करने की मांग की गई है।

बैलगाड़ी से गिरकर मासूम ने तोड़ा दम

राजनांदगाँव (नव प्रदेश)। चलती बैलगाड़ी से गिर जाने पर एक मासूम की दर्दनाक मौत हो गयी। घायल अवस्था में मासूम को बचाने का प्रयास करते हुए अस्पताल पहुँचाया गया, किन्तु उसकी मौत हो गयी। चिल्हाटी थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार एक मासूम चलती बैलगाड़ी से अचानक नीचे गिर पड़ा। घायल आरुष कल्लो पिता अरुण कल्लो जाती गोंड़ (ढाई वर्ष) को चिल्हाटी में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया था। हॉस्पिटल पहुँचने पर डॉक्टर ने परीक्षण कर रास्ते मे मौत होने की पुष्टि की। परिजनों ने बताया कि मृतक बालक सुबह ही बैलगाड़ी में बैठा था। जैसे ही बैलगाड़ी चली वह गिर पड़ा। शायद हादसे में बालक के सिर पर गंभीर चोट लगी और वही मौत का कारण बन गयी।

बीमार हाथी के स्वास्थ्य में नहीं हो रहा सुधार

बेहतर उपचार में लगे चिकित्सको का दल

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। वन मंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज के कठराडेरा में बीमार अर्धव्यस्क हाथी का उपचार लगातार जारी है। वनविभाग एवं चिकित्सकों का दल इसे बेहतर उपचार देकर स्वास्थ्य को बेहतर करने की कोशिश में लगे हुए है। लेकिन हाथी की स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हो पा रहा है।

वन विभाग की बढ़ी चिंता

डॉक्टरों के साथ-साथ वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। 15 दिनों तक चले लगातार उपचार के बावजूद हाथी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सका है। डॉक्टरों के मुताबिक हाथी जब तक अपने पैरो पर खड़ा नहीं हो जाता कुछ कहा नहीं जा सकता। काफी दिनों तक जमीन पर पड़े रहने की वजह से हाथी को खतरा भी सकता है। बावजूद इसके डॉक्टरों व वन्य अधिकारियों ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है और बीमार हाथी को बचाने जंगल में डेरा डाले हुए है। ज्ञात रहे अर्धव्यस्क हाथी पखवाड़े भर पहले दल से अलग होकर गुरमा के कठराडेरा पहुंच गया था और ध्वजाराम राठिया नामक ग्रामीण के आंगन में बीमार होकर गिर पड़ा था। तब से यह लगातार बीमार चल रहा है और वनविभाग तथा डॉक्टरों की टीम इसे बचाने में जुटे हुए है।

बीमार हाथी के सेहत में अपेक्षाकृत सुधार नही हो पा रहा है। चिकित्सको की टीम स्वास्थ्य में सुधार लाने लगातार प्रयास कर रहे है। हाथी को खड़े करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन पैर में चोट होने से खड़ा नहीं हो पा रहा है।

गुरुनाथन एन, डीएफओ ,कोरबा

भाई-भाभी की हत्या करने वाले नक्सलियों के मुखबिर की हत्या

नक्सलियों ने नहीं, लोगों ने ही एकमत होकर मार डाला

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगाँव। तीन दिन पूर्व गातापार थाना क्षेत्र के ग्राम भावे में जंगल के अंदर पायी गयी लाश वाले मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने उक्त हत्या के मामले में चार लोगों को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। एक अन्य संदेही अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पता चला है कि उक्त हत्या नक्सलियों की करतूत नहीं है, बल्कि ग्राम भावे के लोगों ने ही एक राय होकर उक्त हत्या की थी। मृतक ने स्वयं कुछ समय पहले अपने भाई-भाभी की हत्या की थी और जेल की सजा काट रहा था, उस पर नक्सलियों की मुखबिरी का अंदेशा भी था। बुधवार 24 जून को गातापार पुलिस को थाना क्षेत्र के भावे में एक वृद्ध का शव प्राप्त होने के वाद ग्राम भावे में दहशत का माहौल बन बया था। ग्रामीणों द्वारा उक्त वारदात को नक्सली घटना के रूप में देखा जा रहा था, किन्तु पुलिस ने वारदात का तरीका देखते हुए इसे नक्सलियों की करतूत से बाहर बताया था। मृतक राजवंशी सिरसाम पिता स्व. महतु सिरसाम (60 वर्ष) निवासी ग्राम भावे मंगलवार की शाम अपने घर से निकला था, फिर वापस नहीं लौटा। सुबह उसके ही पुत्रों ने सबसे पहले शव को देखा और पुलिस को खबर की थी। मृतक पर यह भी आरोप था कि उसने नक्सलियों के साथ मिलकर भावे के ही युवक लामू गोंड़ (33 वर्ष) की हत्या करवा दी थी। साथ ही मृतक नक्सलियों के दम पर पूरे गांव में लोगों पर दबदबा बनाए रखना चाहता था। मृतक की इन्हीं सारी करतूतों से परेशान ग्रामीणों ने योजना बनायी कि क्यों न राजवंशी को हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दी जाए। गांव के ही पन्नू उइके पिता स्व. फगनूराम (60), बघेल सिंह पन्द्रे पिता फागुराम पन्द्रे (30), नर्बदा उइके पिता स्व. घोड़की उइके (40) तथा छोटेलाल वरकड़े पिता फागू वरकड़े (42) सभी निवासी ग्राम भावे थाना गातापार ने योजनाबद्ध रूप से पहले मृतक को शराब में कीटनाशक मिलाकर पिलाया, उसके बाद अचेतावस्था में उसे धारदार हथियार से वार कर हमेशा के लिए शांत कर दिया। हत्या के शव को सभी ने घसीटते हुए ग्राम ढोर्राडीह के खेत में ले जाकर फेंक दिया।

पुलिस ने संदेह के आधार पर चारों को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। सभी आरोपियों ने राजवंशी की हत्या करना स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि मृतक की करतूत से ग्रामीण तंग आ चुके थे।

गबन के दो आरोपी गिरफ्तार

खरोरा (नव प्रदेश)। दो व्यापारिक संस्थाओं के मध्य हुये राजस्व साझेदारी अनुबंध मे एक पक्ष द्वारा करोड़ों रूपये के घपला किये जाने का मामला सामने आया है। मामले के दोनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। खरोरा थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरोरा नगर स्थित श्री राम फायनेंस प्रा. लिमिटेड की शाखा एंव तिल्दा शहर थाना नेवरा की व्यापारिक संस्थान निलम आटो के मध्य विगत 8 वर्ष राजस्व साझेदारी का करार हुआ था। जिसका क्रियान्वयन खरोरा नगर स्थित श्री राम फायनेंस लिमिटेड की शाखा से होती रही एक वर्ष पूर्व से श्री राम फायनेंस लिमिटेड को उसके राजस्व साझेदार के भागीदार निलम आटो के प्रबंधक दीपक व पवन अग्रवाल पिता जयप्रकाश नारायण द्वारा एक करोड़ बारह लाख सात हजार रूपये का गबन फायनेंस कम्पनी की शाखा के कर्मचारीयो को गुमराह कर जालसाजी को अंजाम देते कर लिया गया। प्रार्थी राम फायनेंस लिमिटेड की शिकायत पर उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर 1,012,7068 रुपये का जालसाजी द्वारा गबन किये जाने का मामला बना आरोपी निलम आटो के प्रोपराइटर दीपक व पवन अग्रवाल को खरोरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

2016 में हुआ था करार

एएसआई अमित अदानी ने बताया कि आरोपी के साथ अपने फर्म मे हीरो मोटर सायकल बेचे जाने के उपरांत फाईनेंस को लेकर 2016विधिवत करार हुआ था जिसमे निलम आटो के संचालक द्वारा मोटर सायकल बिक जाने के बाद ग्राहक से किस्त वसुली की जवाब देही करार हुआ लेकिन निलम आटो बंद होने के बाद श्रीराम फाइनेंस के बकाया राशि 1 करोड से अधिक राशि के साथ अमानत मे ख्यानत किया।

कचरा के बेहतर निष्पादन के लिए खमरिया क्षेत्र में बनेगा एसएलआरएम सेंटर

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम, भिलाई में एक और एसएलआरएम सेंटर बनाने के लिए शासन से स्वीकृति मिल गई है। निगम क्षेत्र से निकलने वाले कचरों के निष्पादन कार्य में और तेजी आएगी। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने एसएलआरएम सेंटर के लिए स्थल चयन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। जोन 01 नेहरूनगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 01 खम्हरिया में बनने वाले एसएलआरएम के लिए स्थान का चयन होने के बाद शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान में भिलाई निगम में खुर्सीपार आईटीआई के पास, मदरटेरेसा नगर बैकुंठ धाम के पास, पीली मिट्टी चौक व नेहरू नगर पश्चिम रैश्ने आवास के पास के स्थान पर एसएलआरएम सेंटर संचालित हो रहा है अब खमरिया क्षेत्र में कचरा पृथककीकरण केंद्र बनने से क्षेत्र से निकलने वाले कचरा के निष्पादन करने में आसानी होगी। जोन 01 के कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा एवं उप अभियंता अरविंद शर्मा ने बताया कि वार्ड 01 खम्हरिया में नये बनने वाले एसएलआरएम सेंटर हेतु 21 लाख 50 हजार की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसका कार्यादेश जारी किया जा चुका है शीघ्र ही निर्माण शुरू किया जाएगा। खम्हरिया के मुक्तिधाम के समीप एसएलआरएम सेंटर 627 वर्गमीटर में बनेगा। बारिश के सीजन में कीचड़, गंदगी न हो इसके लिए पेवर ब्लॉक, वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यस्था की जाने की योजना है, मेन रोड से कचरा वाहन के आने जाने एप्रोच रोड बनाने के साथ ही सभी तरह की सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा संचालित एसएलआरएम सेंटर में संपूर्ण निगम क्षेत्र से निकलने वाले कचरे को वहां एकत्रित करने के बाद सभी तरह के गीले एवं सूखे कचरे को अलग रखा जाता है। गीले कचरों को पृथक करने के बाद खाद बनाया जाता है, इसी प्रकार लोहा, टीना, प्लास्टिक, कांच इत्यादि के सूखे कचरे को पृथक किए जाने के बाद पॉलिथीन के कचरे को बेलिंग मशीन की सहायता से बंडल बनाया जाता है जिसकी सीमेंट कंपनियों में मांग बढ़ने लगी है। खम्हरिया में नया एसएलआरएम सेंटर बनने से कचरों के निष्पादन कार्य और भी शीघ्रता के साथ होने लगेगा।